नई दिल्ली
मंगलवार 31 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 29, अंक : 346
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 30
न्यून. 19

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

लोकसभा में पारित हुआ 'दिवाला-शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक'

अब किसी कंपनी के डिफॉल्ट होने पर 14 दिन में देनी पड़ेगी दिवालियापन के आवेदन को मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

देश में दिवालिया मामलों के निपटारे में तेजी लाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाया गया 'दिवाला-शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक-2025' (आईबीसी) सोमवार को लोकसभा में पारित हो गया है। जिसका उद्देश्य 2016 के मूल आईबीसी कानून में जरूरी बदलाव करना था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में बिल पर हुई व्यापक चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हमने कुल 12 संशोधनों के जरिए पुराने कानून में वह सभी अहम बदलाव किए हैं। जिनके जरिए बैंकिंग क्षेत्र की हालत में सुधार होगा और व्यापारिक माहौल को भी बढ़ावा मिलेगा। संशोधित कानून के मुताबिक, अब किसी कंपनी के डिफॉल्ट होने पर 14 दिन में दिवालियापन के आवेदन को अनिवार्य रूप से मंजूरी देनी पड़ेगी। इसके अलावा बदलावों में प्रक्रिया का दुरुपयोग करने वालों पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान भी किया गया है। उक्त बदलावों को 2016 में बने कानून के बाद अब तक के सबसे बड़े बदलावों में से एक माना जा रहा है। जिनके तहत समूह कंपनियों, सीमा पार दिवाला मामलों से निपटने के लिए एक ढांचा प्रस्तुत किया गया है। जो विदेशी अदालतों के साथ सहयोग की अनुमति देता है। इसकी मदद से बहुराष्ट्रीय कंपनियों से जुड़े मामलों के समाधान में भी स्पष्टता देखने को मिलेगी।

व्यापक चर्चा के बाद मिली मंजूरी

सदन में विधेयक पर हुई चर्चा में सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलाकर कुल 40 सदस्यों ने भाग लिया। पिछले साल 11 अगस्त 2025 को इसे लोकसभा में पेश किया गया था। जिसके बाद सदन की सिफारिश पर बिल को सेलेक्ट कमेटी को भेजा गया। कमेटी की विस्तृत रिपोर्ट मिलने के बाद 17 दिसंबर 2025 को बिल को पुनः लोकसभा के पास विचार करने के लिए वापस भेजा गया और अब इसे सदन की मंजूरी मिल गई है। वित्त मंत्री ने अपने जवाब में दोहराया कि आईबीसी का उद्देश्य केवल कर्ज वसूली करना नहीं रहा है। बल्कि यह कंपनियों की वित्तीय हालात में सुधार के साथ ही उन्हें संकट से बचाने में मददगार है। कंपनियों में वित्तीय अनुशासन के साथ-साथ उनकी क्रेडिट रेटिंग भी अच्छी हुई है।

2 करोड़ तक का होगा जुर्माना

सीतारमण ने कहा कि मामलों में देरी की सबसे बड़ी वजह लंबी कानूनी प्रक्रिया है। लेकिन बदलावों के साथ हम दिवाला समाधान प्रक्रिया को अधिक तीव्र, पारदर्शी और प्रभावी बनाना चाहते हैं। विधेयक में एक नए क्रेडिटर-इनिशिएटेड इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस (सीआईआईआरपी) को शामिल किया गया है। जो वित्तीय लेनदारों को अदालत के बाहर सेटलमेंट की अनुमति प्रदान करता है। संशोधन के साथ लाए गए नए प्रावधानों में प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह 1 लाख से 2 करोड़ रुपये तक हो सकता है।

150 दिन में अदालत के बाहर समाधान

विधेयक के जरिए किसी भी विवाद की स्थिति में अदालत के बाहर 150 दिन के भीतर समाधान मिल सकता है। अगर मामले को लेकर नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएएलटी) में अपील कFी गई है तो उसका समाधान 3 महीने में करने की व्यवस्था की गई है। श्रमिकों के अधिकारों और हितों का कोई हनन नहीं होगा। सुरक्षित क्रेडिटर के समान उनके बकाया भुगतान को केंद्र ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों (एमएसएमई) के लिए विशेष प्रावधान (240-ए) किया गया है। जिसके तहत उन्हें अयोग्यता श्रेणी से छूट प्रदान की गई है। नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चौकसी जैसे आर्थिक भगोड़े अपराधियों के लिए केंद्र ने 2018 में आर्थिक भगोड़े अपराधी कानून बनाया है। मामला कोई भी हो, सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

गिरफ्तार किए गए 150 आरोपी

उन्होंने कहा कि आईबीसी कानून के माध्यम से 1 हजार से अधिक बैंक धोखाधड़ी के मामलों में काम किया गया है। दिसंबर-25 तक 1 हजार 576 कंपनियों को समाधान मिलने की वजह से 4.11 लाख करोड़ रुपये की वसूली की गई है। 64 हजार 920 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है और 150 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उक्त मामलों में 8 लोगों को भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया है। पीएनबी घोटाले से जुड़े तीन आरोपियों के मामले में अब तक 104 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी की जा चुकी है। निर्मला सीतारमण ने दोहराया की मामलों में सख्त कार्रवाई जारी है और बैंकों की धनराशि उन्हें लौटाई जा रही है।

खबर संक्षेप

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट पहली बार 95 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में भारी गिरावट और एफआईआई की लगातार बिकवाली के बीच सोमवार के कारोबार के दौरान रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 95 का आंकड़ा पार कर गया। भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.14 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। रुपया एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई है।

बड़ा फैसला: 1 अप्रैल से बंद होंगे चीनी कैमरे

नई दिल्ली। भारत सरकार 1 अप्रैल से सीसीटीवी कैमरों को लेकर एक बड़ा फैसला लेने जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब चीन की बड़ी कंपनियों जैसे हिकविजन, दहुआ, और टीपी-लिंक के इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की बिक्री भारत में रोकी जा सकती है। नए एसटीक्यूसी नियम अगले महीने से लागू हो रहे हैं।

सरकार लाएगी 5 किलो के छोटे सिलेंडर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आम लोगों खासकर प्रवासी मजदूरों और छात्रों को राहत देने की तैयारी में है। पेट्रोलियम मंत्रालय जल्द ही 5 किलो का छोटा एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है, जिससे बिना गैस कनेक्शन वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। एक दो दिन में नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। खरीदने के लिए केवायसी होगी।

लोकसभा में नियम-193 के तहत नक्सलवाद पर हुई चर्चा के जवाब में गृह मंत्री की दो टूक

भारत को मिली नक्सलवाद से मुक्ति, हथियार उठाने वालों का हिसाब चुकता होगा: अमित शाह

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में नियम-193 के तहत नक्सलवाद के मामले पर कुल करीब तीन घंटे तक चली लंबी चर्चा का जवाब दिया। जिसमें उन्होंने जोरदार अंदाज में छत्तीसगढ़ सहित समूचे देश से नक्सलवाद की समाप्ति के लिए तय की गई केंद्र की समयसीमा यानी 31 मार्च 2026 से ठीक एक दिन पहले 30 मार्च को संसद के निचले सदन से यह एलान किया कि भारत अब नक्सलवाद की समस्या से पूरी तरह से मुक्त हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की यह स्पष्ट नीति है कि जो कोई हमारे संविधान और कानून व्यवस्था के खिलाफ जाकर हथियार उठाएगा। उसके प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, बस हिसाब चुकता किया जाएगा। यह सरकार किसी से डरने वाली नहीं है। हम सभी के लिए न्याय और विकास की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ का बस्तर भी अब वामपंथी उग्रवाद की परछाई से लगभग आजाद हो चुका है। केंद्र सरकार ने वहां के विकास में अहम भूमिका निभाई है। हर गांव में स्कूल बनाने, राशन की दुकान खोलने से लेकर अन्य जरूरी विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया गया है। जिसका नतीजा आज सबके सामने है। साथ ही नक्सलियों से हथियार डालने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसा करेंगे। सरकार उनके पुनर्वास की पूरी व्यवस्था करेगी।

- कांग्रेस पर जमकर बरसे शाह, बोले, कांग्रेस ने अपने समर्थन संग किया नक्सलियों का महिमामंडन, छत्तीसगढ़ को भी नहीं बक्शा।
- गृह मंत्री ने नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की- कहा, जो हथियार डालेगा, उसके पुनर्वास की पूरी व्यवस्था करेगी सरकार।

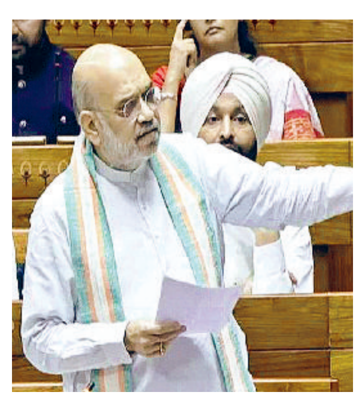

छग के आदिवासियों का किया अभिनंदन

उन्होंने सदन के माध्यम से छत्तीसगढ़ के तमाम आदिवासियों, आम जनता और वहां नक्सलवाद के खात्मे में जुटे सुरक्षाबलों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि जो बड़ी घटना हमारे सामने आकार लेने जा रही है। उसका पूरा श्रेय इन सभी को जाता है। क्योंकि अगर इनका सहयोग-समर्थन नहीं होता, तो यह कामयाबी सरकार को कभी नहीं मिलती। शाह के मुताबिक, दुनियाभर का रिकॉर्ड हमारे सामने है कि जब जनता साथ नहीं देती है, तो बड़े-बड़े तानाशाह दुम दबाकर भागते हैं। लेकिन हमारे देश में अगर नक्सलवाद खत्म होने जा रहा है। तो इसके पीछे जनता का सबसे बड़ा योगदान है। हजारों युवाओं, सुरक्षाकर्मियों ने आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए बलिदान दिया है। मैं सदन की ओर से उन सभी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नक्सलियों की तुलना शहीदों से करना बेमानी

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 1970 से लेकर 2004 तक बीच के काल में कुछ वर्ष छोड़कर करीब 60 साल तक देश में कांग्रेस का शासन रहा। यह वही दौर था। जब हमारे यहां नक्सलवाद की शुरुआत हुई, वह फला-फूला और उसने अपनी जड़े जमाई। अब मुख्य विपक्षी दल का यह आरोप है कि इन स्थानों पर आदिवासियों का विकास क्यों नहीं हुआ? इसका जवाब कांग्रेस पार्टी को ही देना चाहिए कि ⏩ शेष पेज 7 पर

यूं नक्सल मुक्त हुआ बस्तर

आज भी सीएपीएफ, राज्यों की पुलिस वही है। लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी नीति साफ सुथरी है और सरकार की संकल्पबद्ध है। कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक वामपंथी विस्तार हो या अन्य गतिविधि। देश में कोई भी गैर कानूनी प्रवृत्ति नहीं चलेगी। मुख्य विपक्षी दल पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, 2014 में मोदी सरकार आने के बाद हर गरीब को घर मिला, गैस, पीने का साफ पानी, 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, प्रति माह-प्रति व्यक्ति 5 किलो का मुफ्त राशन तो छत्तीसगढ़ का बस्तर क्यों पीछे छूट गया? क्योंकि तत्कालीन भूपेश बघेल की सरकार ने ऐसा होने नहीं दिया। बाद में राजग की सरकार में कामयाबी मिली। जिसके पीछे सरकार, प्रशासन, पुलिसिंग में किए गए सुधारों का बड़ा योगदान है। कार्रवाई को लेकर जमीनी स्तर तक इंटेलीजेंस दी गई। ऑल एजेंसी एप्रोच शुरू की, प्रभावी सरेंडर पालिसी लेकर आए। अब राज्य हर गांव, पंचायत में पहुंच गया है। 20 अगस्त 2019 को गृह मंत्रालय में एक बैठक हुई। छत्तीसगढ़ को भी नक्सलवाद मुक्त बनाने की रणनीति ⏩ शेष पेज 7 पर

आजादी के बाद देश की 16वीं जनगणना 1 अप्रैल से

व्यक्तिगत डेटा पूरी तरह होगा गोपनीय आरटीआई से भी नहीं मिलेगा जवाब

पत्रकार वार्ता करते जनगणना आयुक्त व अन्य अधिकारी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 1 अप्रैल से जनगणना शुरु होगी। पहला चरण में अप्रैल से सितंबर 2026 तक मकान सूचीकरण व आवास गणना होगी। दूसरा चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ मंजूर किए हैं। इसमें पहली बार जाति गणना भी शामिल होगी। आजादी के बाद यह देश की 16वीं जनगणना होगी और नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। जनगणना पहले 2021 में प्रस्तावित थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। कागजी फॉर्म और रजिस्टरों की जगह अब हाथ से चलने वाले उपकरण, जियो-टैगिंग मैपिंग टूल और एक केंद्रीकृत वेब बेस्ड प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। करीब 32 लाख फील्ड कार्यकर्ताओं (गणनाकार और पर्यवेक्षक) मोबाइल डिवाइस के माध्यम से करोड़ों घरों से जनसांख्यिकीय, सामाजिक और आर्थिक आंकड़े एकत्र करेंगे। यह डाटा सीएमएमए प्रणाली के जरिए तुरंत ट्रांसमिट, संकलित और सत्यापित किया जा सकेगा, जिससे त्रुटियों में ⏩ शेष पेज 7 पर

- **सरकार ने जारी किए जनगणना से जुड़े 33 सवाल**
- **लिव-इन कपल्स को शादीशुदा मानने का प्रावधान**
- **इसमें पहली बार जाति गणना भी शामिल होगी**
- **करीब 32 लाख फील्ड कार्यकर्ता डेटा जमा करेंगे**

ये पूछे जाएंगे सवाल

सरकार की तरफ से जारी हुए फ्रीक्वेंटली आस्क क्वेश्चन (एफएक्यू) के अनुसार अगर कोई लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा जोड़ा अपने संबंध को स्थिर मानता है, तो उसे शादीशुदा जोड़े के रूप में दर्ज किया जाएगा। पहले चरण में घर और ⏩ शेष पेज 7 पर

हरियाणा में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए जगह तलाशी जाएं, सभी सरकारी विभागों में भी इन्हें चालू किया जाएं: मुख्यमंत्री

- स्वीपिंग मशीनों की निगरानी के लिए अब कैमरे लगेंगे, हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की एक जैसी ड्रेस होगी लागू
- मुख्यमंत्री सैनी ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा भर में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं जाने के लिए स्थान ढूंढने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान कई स्थानों पर जलभराव की समस्या सामने आती है, इसलिए इससे निपटने के लिए अभी से पुख्ता इंतजाम किए जाएं। सैनी सोमवार को सचिवालय में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ⏩ शेष पेज 7 पर

हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में रबी फसलों की एमएसपी खरीद के लिए 11,698 करोड़ रु. से ज्यादा की मंजूरी

शिवराज सिंह चौहान ने हरियाणा के लिए रबी 2026 में चना–सरसों की 3.73 लाख मीट्रिक टन से अधिक एमएसपी खरीद को 2,312 करोड़ रु. से ज्यादा की दी स्वीकृति

- **उत्तर प्रदेश में चना, मसूर और सरसों की लगभग 14.31 लाख मीट्रिक टन एमएसपी खरीद के लिए करीब 9,341 करोड़ रु. की स्वीकृति प्रदान की**

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में रबी 2025-26 सीजन के दौरान दलहनों एवं तिलहनों की रिकॉर्ड मात्रा को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने के लिए राज्य सरकारों के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है जिससे लाखों किसानों को अपनी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित ⏩ शेष पेज 7 पर

नवीन जल्द ही राज्यसभा सदस्य के रूप में करेंगे शपथ ग्रहण

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने विधायक पद से दिया इस्तीफा, जनता का जताया आभार

- **बिहार की जनता के नाम भावुक संदेश भेजा और कार्यकर्ताओं का किया धन्यवाद**

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार की बांकीपुर विधानसभा से विधायक नितिन नवीन ने सोमवार को विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। अब वह जल्द ही राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे। उन्हें इस पद के लिए 16 मार्च को चुना गया था। इस्तीफे के बाद भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सदन के अंदर हो या सदन के बाहर, दोनों ही स्थानों का उपयोग उन्होंने अपने क्षेत्र और बिहार की जनता की आवाज उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान का मार्ग निकालने के लिए किया।

अपने इस्तीफे के साथ ही नितिन नवीन ने बिहार की जनता के नाम भावुक संदेश भेजा और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनवरी 2006 में पिताजी के आकस्मिक निधन के बाद पार्टी ने उन्हें पटना पश्चिम से उपचुनाव लड़ने का अवसर दिया और दिनांक 27 अप्रैल 2006 को उन्होंने पहली बार पटना पश्चिम क्षेत्र से निर्वाचित होकर सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन की शुरुआत की।

नितिन नवीन ने लिखा, 'पिछले 20 वर्षों में पिताजी, स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा द्वारा बनाए गए इस क्षेत्र को पारिवारिक भाव से सींचने, संवारने और विकास के पटल पर आगे ले जाने का निरंतर प्रयास किया है। मैंने सदैव अपने क्षेत्र और ⏩ शेष पेज 7 पर

कर्मचारी पेंशन को फिलहाल 10 हजार करने का कोई इरादा नहीं : सरकार

- **लोकसभा में बोलीं सीतारमण, मामला संवेदनशील, लेकिन मद में इस बाबत पर्याप्त धनराशि के अभाव ने संभावनाओं को किया क्षीण**

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि कर्मचारी पेंशन (ईपीएस-95) के जरिए दी जाने वाली पेंशन को वर्तमान समय में 10 हजार रुपए तक किए जाने की कोई योजना नहीं है। इस संबंध में समय-समय पर हालांकि विभिन्न हितधारकों से चर्चा के बाद सुझाव मिलते रहते हैं। सरकार का भी ऐसा कोई विचार नहीं है कि वृद्धावस्था पेंशन की राशि कम मिलनी चाहिए। लेकिन संबंधित मद में इस विषय के लिए मौजूद धनराशि पर्याप्त नहीं है। जिसकी वजह से पेंशन को बढ़ाकर 10 हजार रुपए तक नहीं पहुंचाया जा सकता है। यह जानकारी प्रश्नकाल में गिरिधारी यादव, अरविंद सावंत और सुप्रिया सुले जैसे सांसदों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी है।

असंगठित क्षेत्र शामिल नहीं है: निर्मला के पूर्व में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा कारांदलाजे ने कहा कि पेंशन के लिए तय किए गए वेतन की अधिकतम सीमा 15 हजार रुपये है। केंद्र ने पहली बार देश में पेंशन को 1 हजार रुपए से कम न करने का निर्णय लिया है। पूर्व में यह राशि करीब 400 रुपए तक थी। ईपीएफओ और सरकार दोनों इसे बढ़ाने पर विचार कर ⏩ शेष पेज 7 पर

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के युवा विधायकों का दो दिवसीय सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का 'राजनीति में वंशवाद' पर कटाक्ष

बिना योग्यता के बच्चों को राजनीति में लाने से खराब होता है इसका स्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बच्चों को राजनीति में जबरदस्ती नहीं लाना चाहिए। अगर उनमें खुद का दम और काबिलियत होगी, तो वे राजनीति में खुद अपनी जगह बना लेंगे। बिना योग्यता के बच्चों को जबरदस्ती राजनीति में लाने से राजनीति का स्तर खराब होता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र विधानसभा में आयोजित मप्र-छत्तीसगढ़, राजस्थान के युवा विधायकों के सम्मेलन को ⏩ शेष पेज 7 पर

- **युवा विधायक सम्मेलन में 'लोकतंत्र और विकसित भारत 2047' पर मंथन समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और अन्य विशेषज्ञ भी शामिल होंगे**

जनप्रतिनिधि ईमानदारी से कार्य करें- तोमर: विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी से तय होती है। उन्होंने युवा विधायकों को बदलाव का वाहक बताते हुए कहा कि वे नई सोच और ऊर्जा के साथ राजनीति में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि ईमानदारी से कार्य करें, तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत बन सकता है।

सीएम ने दिए ये भी मंत्र

- जनता के बीच बने रहने के लिए विनम्रता को धारण करें
- इलाके की अच्छाई को भी समझें और कमजोरी को भी समझें
- अनुशासन के आधार पर हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पार्टी आपसे क्या अपेक्षा रखती है?
- पार्टी के साथ बुरे वक्त में बने रहें
- अपने सारे कामों की चिंता करें, बगैर कोई तनाव पाले, बड़ी से बड़ी परेशानी आए तो शांति से उसका मार्ग निकालें

पुल प्रह्लादपुर इलाके की घटना

पति ने सिलेंडर से वार कर पत्नी को उतारा मौत के घाट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर इलाके में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर छोटे गैस सिलेंडर से हमला करके पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान 32 वर्षीय पूनम के तौर पर हुई है और आरोपी सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना डीडीए जनता फ्लैट में हुई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दंपति की शादी 2020 में हुई थी और वे तकरीबन एक महीने पहले ही राजस्थान के चुरू जिले से दिल्ली रहने आए थे। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) हेमंत तिवारी ने बताया कि पड़ोसियों ने घर से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचित किया। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूनम को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया। उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि पति-पत्नी के बीच पति के भाई के लिए वित्तीय सहायता को लेकर बहस हुई थी। उनके मुताबिक, झगड़े के दौरान, कुमार ने कथित तौर पर एक छोटा एलपीजी सिलेंडर उठाया और उससे अपनी पत्नी पर कई बार हमला किया। अधिकारी ने बताया कि दंपति की चार और डेढ़ साल की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी चूरू में अपने दादा-दादी के साथ रहती है और दूसरी पुत्री घटना के समय घर पर मौजूद थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और हत्या का मामला दर्ज किया है। घटनास्थल की घेराबंदी कर ली गई है और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल का मुआयना किया है। जांचकर्ता दंपति के पिछले रिकॉर्ड की भी जांच कर रहे हैं और हत्या से पहले की घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस हिरासत में नाइजीरियाई नागरिक की मौत, जांच शुरू

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में 'ऑपरेशन कवच' के दौरान स्पेशल स्टाफ द्वारा पकड़े गये नाइजीरियाई नागरिक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि व्यस्त क्षेत्रों और प्रमुख सड़कों पर संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गश्त को तेज करने के मकसद से ऑपरेशन कवच के तहत अभियान चलाया, और इसी दौरान रविवार शाम को यह घटना हो गयी। पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) दराडे शरद भास्कर ने बयान में कहा कि स्पेशल स्टाफ नियमित गश्त पर था जब उन्होंने राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पर गलत दिशा से स्कूटर पर आ रहे एक व्यक्ति को देखा। उसकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर, टीम ने उसे पूछताछ के लिए रुकने का इशारा किया। उन्होंने कहा कि मगर स्कूटर सवार ने अपने दो पहिया वाहन से पुलिस की एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और सड़क पर गिर गया। बयान में यह कहा गया है कि इसके बाद उसने वाहन छोड़ दिया और पैदल भागने की कोशिश की, जिसके चलते पुलिस दल ने उसका पीछा किया और थोड़ी देर की मशक्कत के बाद उसे पकड़ लिया। बयान के मुताबिक, इसके बाद संदिग्ध को आगे की पूछताछ के लिए टैगोर गार्डन के पास स्थित स्पेशल स्टाफ कार्यालय ले जाया गया और प्रारंभिक बातचीत के दौरान, व्यक्ति ने पुलिस के साथ सहयोग नहीं किया और बेचैनी की शिकायत की। उसकी बिगड़ती तबीयत को भांपते हुए पुलिस टीम ने उसे तुरंत चिकित्सा जांच के लिए ख्याला स्थित गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एलजी ने की भलस्वा लैंडफिल पर बायो-रिमेडिएशन कार्य की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर चल रहे बायो-रिमेडिएशन और अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरे का उद्देश्य बायोमाइनिंग कार्यों की स्थिति का आकलन करना तथा लीगेसी कूड़े के वैज्ञानिक निपटान की प्रक्रिया को तेज करने के उपायों की पहचान करना था। इस दौरान, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त संजीव खिरवार सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एमसीडी टीम ने उपराज्यपाल को बायोमाइनिंग गतिविधियों की वर्तमान स्थिति तथा लैंडफिल साइट पर चल रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। प्रगति की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले एक वर्ष में भलस्वा लैंडफिल पर जमा पुराने कूड़े को कम करने में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, लेकिन स्थायी और स्पष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए अभी और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है।

उपराज्यपाल संधू ने अधिकारियों को अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम एवं विश्वस्तरीय तकनीकों के प्रयोग और उनकी क्षमता पर विचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय श्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाने तथा विशेषज्ञों से परामर्श कर अपशिष्ट निस्तारण की प्रक्रिया को तेज करने और कार्यकुशलता बढ़ाने पर जोर दिया।

खबर संक्षेप

नाले में गिरने से एक शख्स की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके में कथित रूप से दुर्घटनावश पैर फिसलने से नाले में गिरने से एक शख्स की सोमवार को मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन (डीएफएस) सेवा ने यह जानकारी दी। डीएफएस के अनुसार, घटना की जानकारी दोपहर करीब दो बजे प्राप्त हुई, जिसके बाद बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पता चला कि व्यक्ति नाले में गिर गया था और डूब गया। उन्होंने बताया कि डीएफएस, बोट क्लब और अन्य स्थानीय बचाव कर्मियों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि निरंतर प्रयास के बाद उस व्यक्ति को नाले से बाहर निकाला गया और तुरंत गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान राहुल के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है।

सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में व्यक्ति अरेस्ट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में सोशल मीडिया पर भय पैदा करने और ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में 26-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने 29 मार्च को ऋतिक खरब को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पिस्तौल प्रदर्शित करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया मंच पर अपलोड किए थे। पूछताछ के दौरान, खरब ने खुलासा किया कि उसने यह हथियार हरियाणा स्थित एक आपराधिक गिरोह से जुड़े आपूर्तिकर्ता से खरीदा था। पुलिस के अनुसार, खरब ने यह भी बताया कि उसने पहले भी इस हथियार का इस्तेमाल अपनी शादी में जश्न के तौर पर गोली चलाने और अपने साथियों के बीच दबदबा बनाने के लिए किया था।

'युवा 'विकसित भारत 2047' के हैं वर्तमान शिल्पकार'

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (मेरा युवा भारत, दिल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में आज दिल्ली विधानसभा परिसर में राज्य स्तरीय 'विकसित भारत' युवा संसद का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल (जजों) के रूप में विधानसभा सदस्य डॉ. अनिल गोयल, पूनम भारद्वाज, तिलक राज गुप्ता और संजय गोयल उपस्थित थे। कार्यक्रम में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय दिल्ली की राज्य निदेशक पूनम शर्मा और सहायक निदेशक रमेश सोनी उपस्थित थे।

स्कूलों और सरकारी कार्यालयों को बम की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कर्नाटक के मैसूरु से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर देशभर के स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को 1,100 से अधिक फर्जी बम धमकियां देने का आरोप है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान 47 वर्षीय श्रीनिवास लुइस के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, उसे शनिवार को दिल्ली पुलिस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान के तहत उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय, विधानसभा और कई शैक्षणिक व सरकारी संस्थानों को धमकी भरे संदेश भेजे जाने की बढ़ती घटनाओं के बीच यह गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने बताया कि लुइस स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई कर चुका है और बेंगलुरु का निवासी है। वह फिलहाल बेरोजगार है और अपनी मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि वह मानसिक तनाव में हो सकता है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने ईमेल और अन्य संचार माध्यमों के जरिए देशभर में 1,100 से अधिक धमकी भरे संदेश भेजने की बात कबूल की है। पुलिस के अनुसार, इन धमकियों के बाद विभिन्न राज्यों में कई प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।

शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 4 व 5 अप्रैल को करमपुरा में

नई दिल्ली। द्वितीय आर के सिंह मेमोरियल ऑल इंडिया शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन इस बार 4 व 5 अप्रैल को करमपुरा स्थित डॉक्टर भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी के कैंपस में किया जा रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष हंसराज शर्मा के अनुसार प्रतियोगिता का पहला पुरस्कार 41 हजार, द्वितीय पुरस्कार 25 हजार, तृतीय पुरस्कार 21 हजार, चतुर्थ पुरस्कार 11 हजार रखा गया है। इसके अलावा 5 से 8 वें स्थान तक आने वाली टीमों को 41 सौ रुपए , नौ से सोलहवें स्थान पर आने वाली टीमों को 21 सौ रुपए पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा बेस्ट नेट को 21 सौ और बेस्ट डिफेंसर को 21 सौ रुपए रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। बेस्ट टूर्नामेंट अवार्ड 31 सौ रुपए रखा गया है। कमेटी ने बाहर से आने वाले प्रत्येक खिलाड़ी के रहने खाने और उसके आने जाने के किराए की व्यवस्था भी की है। साथ ही टूर्नामेंट के प्रत्येक खिलाड़ी को शिव नरेश स्पोर्ट्स की विशेष किट भी दी जाएगी।

मुखर्जी नगर : इमारत में लगी आग छह लोगों को बचाया गया, एक घायल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में आग लग गयी, जिससे इस घटना के बाद छह लोगों को बचा लिया गया है। हालांकि, इसमें एक व्यक्ति झुलस गया है। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार देर रात राणा नगर इलाके में बत्रा सिनेमा के पीछे हुई। अधिकारी ने बताया, आग घरेलू सामानों और दस्तावेजों में लगी और इमारत की कई मंजिलों में फैल गयी। उन्होंने बताया कि रात करीब 9.43 बजे आग लगने की सूचना मिली और बताया गया कि कुछ लोग ऊपरी मंजिलों पर फंसे हुए हैं। इसके बाद दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। इमारत में 'स्टिल्ट पार्किंग' और उसके ऊपर तीन मंजिलें हैं। बचाव अभियान के दौरान, दमकलकर्मियों ने इमारत की तीसरी मंजिल से छह लोगों को बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि पवन कुमार नामक एक व्यक्ति 25-30 फीसदी तक झुलस गया है और उसे बाबू जगजीवन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके मुताबिक, इमारत में रहने वाले अन्य लोग सुरक्षित हैं। आग से इमारत की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर रखे घरेलू सामान जल गये हैं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने तथा बचाव का अभियान रविवार देर रात तक चला।

हंगामे की भेंट चढ़ी निगम की स्थायी समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित

दिल्ली नगर निगम की बैठकों में हंगामा होना अब एक आम बात हो गई है और सोमवार को दिल्ली निगम स्थायी समिति की बैठक भी हंगामे की भेंट चढ़ गई। सोमवार को निगम मुख्याल में आयोजित बैठक में स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा जैसे ही सदन में पहुंची। स्थायी समिति के सदस्य व आम आदमी के पार्षद प्रवीण कुमार अपनी सीट से खड़े हो गए और मिनिट्स उपलब्ध कराने की मांग करने लगे। सत्या शर्मा ने उनसे कहा कि आप बैठ जाइए, मिनिट्स बाद में उपलब्ध करा दिए जाएंगे, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े। इसके बाद पक्ष व विपक्ष के सदस्यों के बीच हंगामा बढ़ता ही चला गया। समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बार बार सदस्यों को शांत रहने का निवेदन किया लेकिन सदस्य शांत नहीं हुए। ऐसा देखकर सत्या शर्मा ने कहा कि विपक्षी सदस्य सदन को नहीं चलने देना चाहते हैं। निगम स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि जब हंगामा शांत होते नहीं दिखा तो सदन की कार्यवाही की स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों को शांत करने का अनेको बार प्रयास किया गया लेकिन विपक्षी सदस्य शांत नहीं हुए तो वे बैठक स्थगित कर दी गई और अब मंगलवार को बैठक होने की सूचना दी गई है।

यात्री के पटरी पर गिरने से मेट्रो सेवाएं डेढ़ घंटे तक रहीं बाधित

एजेंसी : नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के 'येलो लाइन' के विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर गिर जाने के कारण मेट्रो सेवाएं करीब डेढ़ घंटे तक बाधित रहीं। मेट्रो का इंतजार करते समय प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में यात्रियों की भीड़ देखी गई। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर होने के कारण 'येलो लाइन' पर ट्रेन सेवाओं के संचालन में देरी हुई। डीएमआरसी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा कारणों से येलो लाइन पर ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित किया गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में इस कॉरिडोर के कई स्टेशन पर मेट्रो के लिए प्रतीक्षा का समय बढ़ गया और भीड़ एकत्रित हो गई। एक यात्री अमित ने कहा कि कार्यालय के समय में यह व्यवधान काफी असुविधाजनक रहा।

झगड़े में बीच बचाव कराने पर शख्स की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के मधु विहार इलाके में खाने की आपूर्ति करने वाले 32 वर्षीय कर्मी की तब कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई जब उसने दो समूहों के बीच हो रहे झगड़े में बीच बचाव कराने की कोशिश की। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने वारदात को सांप्रदायिक रंग न देने को कहा है। मृतक की पहचान मोहन गार्डन निवासी गोविंद झा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में तीन अन्य लोग - परवेश, अनीश और रोहित - चाकू के वार से घायल हो गए हैं और वर्तमान में अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है।

ऊंटों के जरिए शराब की तस्करी करने वाले गिरोह का भंड़ाफोड़, एक अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने ऊंटों का इस्तेमाल कर हरियाणा से जंगल के रास्ते दक्षिण दिल्ली में शराब की कथित रूप से तस्करी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान विनोद भड़ाना (48) के रूप में हुई है, जो हरियाणा के फरीदाबाद का निवासी है।

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली और फरीदाबाद को जोड़ने वाली सड़कों पर जांच स्थलों से बचने के लिए गैर-पारंपरिक रास्तों से शराब की तस्करी के बारे में पुलिस को मिली विशिष्ट सूचनाओं के बाद उसे संगम विहार वन क्षेत्र से पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा कि सूचना के आधार पर एक टीम ने सोमवार तड़के जाल बिछाया। आरोपी को दो ऊंटों का इस्तेमाल कर अवैध शराब ले जाते पकड़ लिया गया।

जांच करने पर पुलिस ने उसके पास से अवैध शराब के 39 कार्टन बरामद किए। उन्होंने बताया कि ऊंटों को मुक्त करा लिया गया और संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, भड़ाना ने खुलासा किया कि राजमार्गों और सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ी जांच के कारण पारंपरिक तस्करी मार्ग तेजी से जोखिम भरे थे जिस वजह से उसने इस तरीके का इस्तेमाल किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नेब सराय थाने में दिल्ली आबकारी अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज एक मामले में शामिल था।

'वन दिल्ली, वन टैक्स' की दिशा में बड़ा कदम

जन विश्वास विधेयक के तहत एनडीएमसी क्षेत्र में यूनिट एरिया मेथड लागू : कुलजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सुगम, पारदर्शी एवं उत्तरदायी शासन के विजन के अनुरूप एनडीएमसी ने 'वन दिल्ली, वन टैक्स' के संकल्प को साकार करते हुए जन विश्वास विधेयक के तहत यूनिट एरिया मेथड (यूएएम) लागू किया है, जिसे संसद से मंजूरी मिल चुकी है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कनॉट प्लेस स्थित न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) द्वारा आयोजित बैठक में सोमवार को यह बात कही। उन्होंने न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा प्रधानमंत्री के कार्यों एवं उनसे व्यापारियों को हो रहे लाभों की जानकारी के लिए सोमवार को 'धन्यवाद कार्यक्रम' का आयोजन किया। इस अवसर पर परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारयों के साथ, एनडीटीए के अध्यक्ष अतुल भार्गव सहित कनॉट प्लेस क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष चहल ने कहा कि यूनिट एरिया मेथड के लागू होने से व्यापारियों का विश्वास और बढेगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एनडीएमसी का कर संग्रह 1045 करोड़ रुपए था, जो इस वर्ष बढ़कर लगभग 1350 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। उन्होंने आश्वस्त किया कि एनडीएमसी में एक समर्पित टीम व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगी।

व्यापारी वर्ग से लिए जाएंगे सुझाव

चहल ने कहा कि यूनिट एरिया मेथड लागू करने से पहले व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ एक विस्तृत बैठक आयोजित की जाएगी तथा उनके सुझाव भी लिए जाएंगे, ताकि इस प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके। यह पहल प्रधानमंत्री के उस विजन के अनुरूप है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1.अजय उर्फ सन्नी पुत्र** रामधन, **निवास:** C-9/441, सुल्तानपुरी, दिल्ली, **2.नवीन पुत्र** रवि कुमार, **निवास:** C-9/402, सुल्तानपुरी, दिल्ली ने **E-FIR No. 14999/17 U/s 379/411/34 IPC., थाना: मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1.अजय उर्फ सन्नी 2.नवीन** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1.अजय उर्फ सन्नी 2.नवीन** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 14999/17 U/s 379/411/34 IPC., थाना: मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1.अजय उर्फ सन्नी 2.नवीन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रितिका जैन
जेएमएफसी, (उत्तर पश्चिम जिला)
कमरा नं. 105, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4036/OD/2026
(Court Notice)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82(2)(ii) Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **राहुल पुत्रः रवि, पता:** बी–5ए, पहली मंजिल, सीतापुरी एक्सटेंशन पार्ट–1, डाबडी, दिल्ली, **FIR No. 92/2018, U/s 356/379/34 IPC,** थाना: राजौरी गार्डन, दिनांक: 10.02.2018, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 92/2018, U/s 356/379/34 IPC,** थाना: राजौरी गार्डन, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नंदन भट्ट
महानगर दण्डाधिकरी (पश्चिम)
कोर्ट नं. 356, तीसरी मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3928/WD/2026
(Court Matter)

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

FIR NO. 101 दिनांक 25.03.2026 धारा 281, 106 BNS थाना सांपला जिला रोहतक ।

नामपता नामालुम नाश की पहचान बारे

नाम - नामालूम
पिता/पति का नाम नामालूम
पता- नामालूम।
उम्र- लगभग 55 वर्ष
हुलिया -कद 5 फुट 7 ईच, हल्का ग्रे रंग का कुता पजामा पहने हुऐ व जिसके दोनों हाथों में प्लास्टिक के कड़े है।

दिनांक 25.03.26 को एक नामपता नामालूम पुरुष की नाश रोहतक में मिली है। जिसकी मौत Accident के कारण होनी बयान हुई है। जिसके परिजनों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। थाना सापला रोहतक द्वारा पोस्टमार्टम करवाया जाकर शिनाख्त हेतू 72 घण्टे के लिए डैड हाऊस P.G.I रोहतक में रखवाया गया है। यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस बारे कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है।

1. प्रबन्धक थाना सांपला रोहतक - 7082999125
2. पुलिस कन्ट्रोल रुम रोहतक - 01262-247200, 01262-247894, 9996464100
3. अनुसंधानकर्ता रोहतक - 9812274565

पीआरडीएच-1084/11/4640/2026/44287/88/7 दि. 30.03.26

राजधानी में आवारा पशुओं, विशेषकर बेसहारा गायों का संरक्षण किया जाना आवश्यक

रेखा गुप्ता ने गौसेवा के लिए जारी किए 20 करोड़ 26 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सोमवार को पशुपालन इकाई के तहत चल रही चार गौशालाओं सुल्तानपुर डबास, रेवला खानपुर, हरेवली और सुरहेड़ा के प्रतिनिधियों को चारा भुगतान, बकाया रकम आदि के लिए कुल लगभग 20 करोड़ 26 लाख रुपये जारी किए हैं। इसमें 7 करोड़ 64 लाख रुपये जून 2024 से मार्च 2025 तक के बकाया भुगतान के लिए और 12 करोड़ 62 लाख रुपये अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक के चारे के खर्च के लिए दिए गए हैं। साथ ही, चारों गौशालाओं के लंबे समय से लंबित लाइसेंस और लीज समझौते भी नवीनीकृत कर दिए गए हैं ताकि वहां गौवंश को लगातार भोजन, सुरक्षित

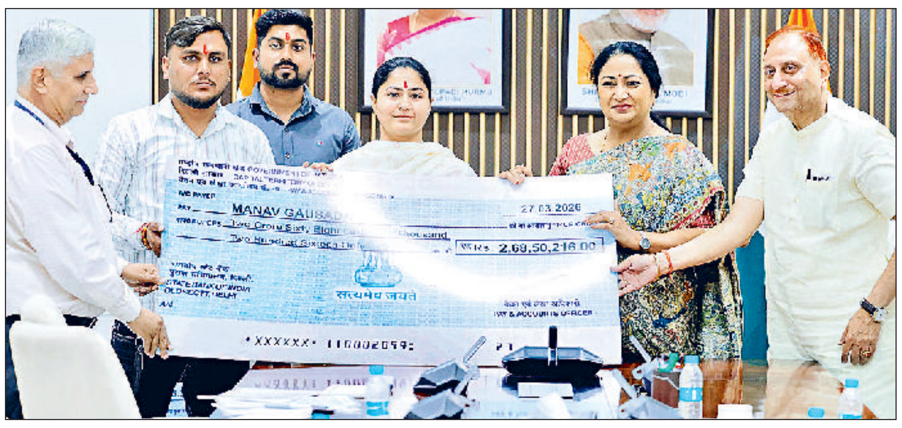

रहने की जगह और बेहतर इलाज मिल सके। इस पहल का उद्देश्य गोबर से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता को भी सुदृढ़ करना है। ये गौशालाएं स्थानीय निकायों द्वारा लाए गए निराश्रित गौवंश की देखभाल, भोजन और इलाज की व्यवस्था करती हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली सरकार निराश्रित गौवंश की समुचित देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है और गौशालाओं के माध्यम से इस दिशा में ठोस कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली की गौशालाओं को केवल पशु आश्रय स्थल नहीं, बल्कि सेवा और करुणा के जीवंत केंद्रों के रूप में देखती है। आवारा पशुओं, विशेषकर बेसहारा गायों का संरक्षण किया जाना चाहिए। इन गौशालाओं द्वारा निभाया जा रहा दायित्व सराहनीय है क्योंकि वे इन मूक प्राणियों को न केवल आश्रय बल्कि चिकित्सा और पोषण भी प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार द्वारा गौशालाओं को बकाया धनराशि जारी करना और लंबे समय से लंबित लाइसेंसों का नवीनीकरण करना इस बात का प्रमाण है कि गौवंश की सेवा में किसी भी वित्तीय या प्रशासनिक बाधा को आड़े नहीं आने देगी। हम चाहते हैं कि गौशाला प्रबंधन बिना किसी चिंता के केवल पशुओं की देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सके। दिल्ली के नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि सड़कों पर कोई भी पशु उपेक्षित न रहे और उन्हें सम्मानजनक जीवन मिले।

प्रथम चरण में 10 आधुनिक गौशालाओं के विकास पर फोकस

प्रथम चरण में 10 आधुनिक गौशालाओं के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां निराश्रित गौमाता की सेवा, संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य शीघ्र ही 40 गौशालाओं को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस करना है ताकि सेवा, गोबर से ऊर्जा उत्पादन और स्वच्छता के इस अभियान को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सके।

बिना किसी भेदभाव के हमें हर घर तक पहुंचाना है साफ पानी : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर घर तक साफ पानी पहुंचे और किसी भी क्षेत्र को यह महसूस न हो कि उसके साथ भेदभाव हो रहा है। संसाधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन हमारी नीयत और मेहनत सीमित नहीं होनी चाहिए। यह बात सोमवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली जल बोर्ड के मुख्यालय में दिल्ली के लिए समर एक्शन प्लान 2026–27 का शुभारंभ करते हुए कही।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक योजना का लॉन्च नहीं, बल्कि उस सोच का परिचायक है जिसमें संकट को अवसर में बदलते हुए दिल्ली को भरोसेमंद जल प्रबंधन की ओर ले जाने का संकल्प शामिल है। इस अवसर पर चैटबॉट, एडवांस सीआरएम सिस्टम और डीजेबी 1916 मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए गए, जो सीधे तौर पर नागरिकों को सिस्टम से जोड़ते हैं और जवाबदेही को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने बेहद भावनात्मक शब्दों में कहा कि यह काम सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी है। मुझे मां यमुना

■ जल मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड ऑडिटोरियम में दिल्ली के लिए समर एक्शन प्लान 2026–27 का किया शुभारंभ

की सेवा करने का अवसर मिला है और मैं इसे केवल एक पद की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत कर्तव्य मानता हूं। जब हम यमुना की बात करते हैं, तो यह केवल एक नदी की बात नहीं होती, यह दिल्ली की आत्मा की बात होती है। अगर यमुना साफ होगी, तो दिल्ली का जीवन बेहतर होगा। अगर पानी साफ और पर्याप्त होगा, तो हर घर में विश्वास पहुंचेगा। इसलिए यह काम किसी एक विभाग या व्यक्ति का नहीं, हम सबका साझा दायित्व है।मंत्री प्रवेश ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर स्तर पर संवेदनशीलता और जवाबदेही जरूरी है।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पहुंची मुख्यमंत्री, दिया आशीर्वाद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री खा गुप्ता ने सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में भाग लेकर 51 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और सहयोग की भावना को सशक्त करने का एक प्रेरणादायक प्रयास है। इस आयोजन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह में बेटियों को वह सम्मान दिया गया है, जो हर परिवार अपनी बेटी के विवाह में देना चाहता है। समाज के सक्षम वर्ग और जरूरतमंद परिवारों को जोड़ने का यह प्रयास सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान, सशक्तिकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य की सशक्त पहल है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ बेटियों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं। दिल्ली सरकार ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करती रहेगी, जो समाज में समावेशिता, संवेदनशीलता और समान अवसर को बढ़ावा दें। आध्यात्मिक गुरु जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के सानिध्य में इस पावन सामूहिक विवाह समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उनकी धर्मपत्नी सविता कोविंद, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे आदि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बिना किसी मुद्दे के सदन का बहिष्कार करना उचित नहीं ठहराया जा सकता : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ने बिना किसी ठोस मुद्दे के विरोध के नाम पर सदन की कार्यवाही से अनुपस्थित रहने का विकल्प चुना। देश के विधायी इतिहास में ऐसी स्थिति अभूतपूर्व है, जहां सदस्य बिना किसी स्पष्ट कारण के सदन से दूरी बना लेते हैं। बिना किसी मुद्दे के सदन का बहिष्कार करना, उसके कामकाज में बाधा डालना और जनता को गुमराह करने की कोशिश करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह बातें सोमवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेसवार्ता में कहीं। अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि यदि विपक्ष को कोई शिकायत थी, तो वे सदन में आकर अपना पक्ष रख सकते थे और उन्हें चर्चा के लिए समय दिया जाता, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शामिल न होने का फैसला किया। अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि 23 मार्च से 27 मार्च 2026 तक चले इस सत्र में कुल चार बैठकें हुईं। सदन ने कुल 15 घंटे और 16 मिनट तक कार्य किया, जो केंद्रित, व्यवस्थित और परिणाम-केन्द्रित विधायी कार्य को दर्शाता है।

पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल और जनहितकारी बनाया जाए : सूद

नई दिल्ली। पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाया जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। साथ ही विभाग द्वारा डोर-टू-डोर सघन अभियान चलाकर दिल्ली के लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। यह निर्देश सोमवार को दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) के विस्तार को लेकर की एक उच्च स्तरीय बैठक में दिए।बैठक में आईजीएल, शहरी विकास विभाग, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड तथा दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री ने बताया कि दिल्ली में पीएनजी कनेक्शन के विस्तार को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक नागरिकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है। सूद ने कहा कि राजधानी के कई क्षेत्रों में अब भी लोग पारंपरिक गैस सिलेंडरों और चूल्हों पर निर्भर हैं, जबकि पीएनजी एक सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। इसमें सिलेंडर बुकिंग या प्रतीक्षा जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलती है और आपूर्ति निर्बाध रहती है। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में अभी पीएनजी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

निजी स्कूलों ने बढ़ी फीस ना देने पर बच्चों के रिजल्ट रोके, दी नाम काटने की धमकी: भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के निजी स्कूलों ने एक बार फिर पैरेंट्स को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया है। जिन पैरेंट्स ने पिछले साल बढ़ी हुई नाजायज फीस जमा नहीं की है, स्कूलों ने न सिर्फ उनके बच्चों के रिजल्ट रोक दिए हैं, बल्कि उनका भी नाम काटने की धमकी दे रहे हैं। अभिभावकों द्वारा मिली शिकायतों का हवाला देते हुए सौरभ ने कहा कि सरकार के नए कानून के बाद भी किसी निजी स्कूल ने बढ़ी फीस वापस नहीं की है। पिछले साल शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने अभिभावकों को आश्वासन दिया था कि सरकार के नए कानून के आने के बाद निजी स्कूलों की लूट खत्म हो जाएगी। लेकिन यह आश्वासन झूठा साबित हुआ है। भारद्वाज ने कहा कि मार्च-अप्रैल का महीना दोबारा आ गया है।

दिल्ली नगर निगम के विद्यालय प्राइवेट स्कूलों से किसी भी मामले में नहीं हैं कम : प्रवेश वाही

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के विद्यालय प्राइवेट स्कूलों से किसी भी मामले में कम नहीं हैं। दिल्ली नगर निगम में नेता सदन प्रवेश वाही ने करोल बाग जोन के बलजीत नगर वार्ड में स्थित प्रेम नगर निकट गौशाला पार्क में नवनिर्मित निगम प्राथमिक विद्यालय भवन के उदघाटन के अवसर पर यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित निगम प्राथमिक विद्यालय का भवन बहुत ही सुंदर बना है। उन्होंने कहा कि लोगों की धारणा बनी हुई है कि प्राइवेट स्कूल सरकारी स्कूलों से बेहतर हैं लेकिन वास्तविकता ऐसी नहीं है हमारे निगम विद्यालयों के शिक्षक प्राइवेट विद्यालय के शिक्षकों से अधिक योग्य हैं। प्रवेश वाही ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वो पूरे समर्पण से बच्चों को पढ़ाए ताकि आगे चलकर बच्चे अच्छे नागरिक बनें। वहीं, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हमे बच्चों को अच्छी तकनीक के साथ पढ़ाने की आवश्यकता है।

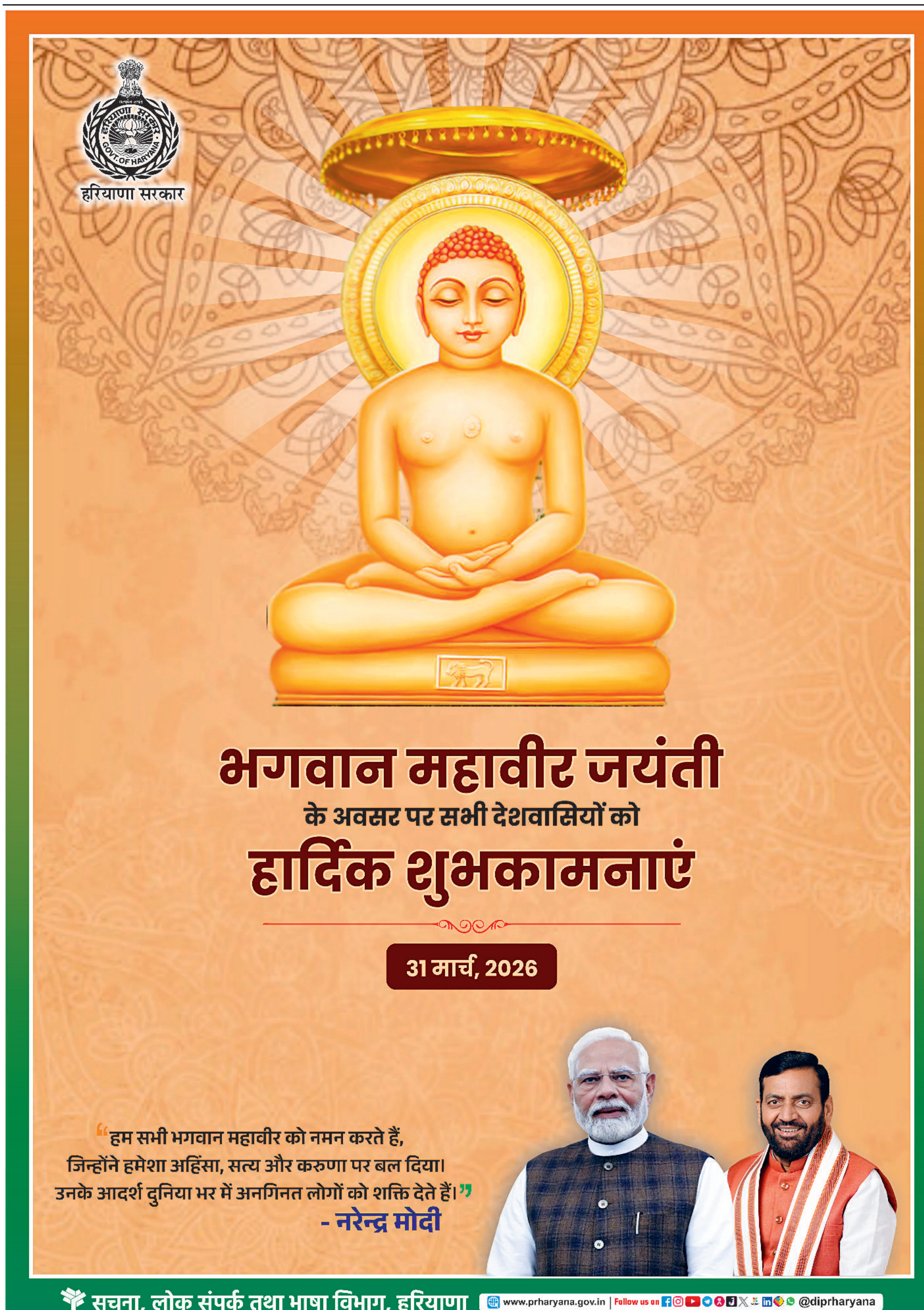

खबर संक्षेप

फरीदाबाद इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन

फरीदाबाद। एबीएसएस फीमेल विंग फरीदाबाद इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन पीच रेस्टोरेंट में डा. प्रियंका कोछर के कुशल मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति रीना शर्मा रहीं, जबकि डा.संजय सेठ, रीटा मुकेश एवं क्षमता स्वरुप की विशेष उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

महिला को लगाई 87 हजार की चपत

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर थाना एरिया में जालसाजों ने शेयर मार्केट में रुपए लगाने के नाम पर

महिला को 86918 रुपए की चपत लगा दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-82 में रहने वाली उर्वशी किरौला ने कहा कि बीती 27 फरवरी को उसने व्हॉट्सअप पर ट्रेड विद केसोल नाम का ग्रुप ज्वाईन किया।

ब्रेजा की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

गुरुग्राम। फर्रुखनगर थाना एरिया के सुल्तानपुर गांव में ब्रेजा की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की

मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात चालक पर केस दर्ज कर लिया। फर्रुखनगर के साढराणा गांव निवासी ऋषि ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पिता हरिकिशन (58) बीती 27 मार्च को गांव ढाणी मुसेपुर में कुआं पूजन के कार्यक्रम में गए थे। वह अपने पिता का सुल्तानपुर गांव में सूरज ढाबा के पास इंतजार कर रहा था।

क्षेत्रीय कलाकारों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

भोजपुरी फिल्म मोहब्बत कबो मिटा ना पाई के लिए ऑडिशन का आयोजन, 15 कलाकारों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मान प्रोडक्शन एवं ग्लोबल फ्रेम आर्ट के बैनर तले बनने वाली भोजपुरी फिल्म मोहब्बत कबो मिट ना पाई के लिए कलाकारों के चयन हेतु भव्य ऑडिशन का आयोजन नेहरू ग्राउण्ड स्थित मान प्रोडेक्शन हाऊस स्टूडियों पर किया गया। इस ऑडिशन में फरीदाबाद व एनसीआर क्षेत्र के करीब 115 कलाकारों ने भाग लेकर अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

ऑडिशन में मुख्य रूप से मनधीर सिंह मान, रमाकांत तिवारी, ग्लोबल फ्रेम आर्ट की निर्माता माया देवी, निर्देशक रवि पटेल, लेखक सत्यपाल बलियावी, कास्टिंग डायरेक्टर संजीव सांवरिया, मुख्य नायक अशोक डी स्टार, पीआरओ विजय दहिया, मैनेजर रामनिवास वर्मा, डीओपी नरेश शाह, डा. विंध्या गुप्ता, अंजलि, मोहिनी चौधरी, नंदिनी, सुष्मिता, भगवान दास, विजय कृष्ण, सुनील कुशवाहा सहित अन्य कई लोगों की सक्रिय भूमिका रही।
फिल्म के निर्देशक रवि पटेल एवं मुख्य नायक अशोक डी स्टार ने जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद व एनसीआर के उभरते कलाकारों को इस फिल्म में विशेष अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जा रहा है, जिससे नए कलाकारों को आगे बढने का बेहतर अवसर मिल सके। फिल्म की शूटिंग 1 अप्रैल से फरीदाबाद व एनसीआर के विभिन्न लोकेशनों पर शुरू की जाएगी। आयोजकों को उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाएगी और क्षेत्रीय कलाकारों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

फरीदाबाद को स्वच्छ सुंदर और हरित शहर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने एमसीएफ के सफाई निरीक्षकों को 31 स्कूटियां का वितरण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने सोमवार को नगर निगम फरीदाबाद की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सफाई निरीक्षकों को 31 नई स्कूटियों का वितरण किया। सेक्टर 16 स्थित सागर सिनेमा परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही और कार्यक्रम को व्यापक सराहना मिली।

इस दौरान मेयर प्रवीण बत्रा, नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खडगटा, संयुक्त आयुक्त राजेश प्रजापति, नीरा तोमर, पार्षद कुलदीप साहनी, सचिन शर्मा, जसवंत पवार, रिंकू शिलानी, अजीत नंबरदार, नरेश नंबरदार, प्रियंका बिष्ट तथा पार्षद मुकेश अग्रवाल, भाजपा नेता प्रवेश मेहता मौजूद रहे।
इस अवसर पर विपुल गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम केवल स्कूटियों के वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक स्वच्छ सुंदर और विकसित फरीदाबाद के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन ने पूरे देश में स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप दिया है और आज स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।
विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है जो स्थायी हो प्रभावी हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में पिछले वर्षों में स्वच्छता और शहरी विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं जिनका सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। विपुल गोयल ने कहा कि सफाई व्यवस्था की निगरानी को भी सशक्त किया गया है। डिजिटल मॉनिटरिंग नियमित निरीक्षण और जवाबदेही तय करने की प्रणाली से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर क्षेत्र में सफाई कार्य समय पर और प्रभावी तरीके से हो। उन्होंने कहा कि आज वितरित की गई 31 स्कूटियां इस व्यवस्था को और अधिक गतिशील बनाएंगी ।

मंत्री नागर ने वार्ड 26 में जनता से किया सीधा संवाद

लापरवाह या भ्रष्ट डिपो होल्डर के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

लापरवाही या भ्रष्टाचार करने वाले डिपो होल्डर अपनी आदत से बाज आ जाएं या कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। यह बात मंत्री राजेश नागर ने वार्ड 26 में आयोजित सभा में कही। उन्होंने वार्ड पार्षद लाल मिश्रा की मौजूदगी में सभा को सीधे संवाद में बदल दिया।

मंत्री नागर ने जनता से कहा कि आपको किसी भी राशन डिपो होल्डर से शिकायत है तो अपने पार्षद से कहें या हमारे कार्यालय पर संपर्क करें। लापरवाही या भ्रष्टाचार करने वाले डिपो होल्डर के खिलाफ हम एफआईआर भी कराएंगे और सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने डिपो होल्डर को भी कहा कि वह जनता को सही मात्रा और समय पर राशन वितरण करें। जिससे कि जनता को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो अन्यथा आपके डिपो रद्द कर देंगे। मंत्री राजेश नागर ने राशन और पेट्रोल प्रोडक्ट के बारे में अफवाह फैलाने वालों को भी चेतावनी दी कि वह समाज में डर का माहौल पैदा ना करें। सरकार समस्त आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था को लेकर सतर्क है और हमारे पास पेट्रोल प्रोडक्ट के पर्याप्त भंडार हैं। अगर कोई भी अफवाह फैलाते हुए मिलेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हम जनता की सेवा कर रहे हैं क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र अंत्योदय है। जिसका अर्थ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

लोकसभा में उठा प्राइवेट स्कूलों की मनमानी का मुद्दा

संसद व विधानसभा में कई बार उठा है यह मुद्दा, लेकिन सरकार व प्राइवेट स्कूलों पर इसका कोई असर नही

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही प्राइवेट स्कूल संचालक मनचाही फीस वृद्धि करके, कमीशन के चक्कर में किताब, कॉपी, वर्दी जूते यूनिफॉर्म बदलकर उन्हें महंगे दामों पर बेचकर छात्र व अभिभावकों का आर्थिक व मानसिक शोषण करते हैं। पिछले 5 साल में इस गंभीर मुद्दे को कई सांसदों ने लोकसभा में व कई विधायकों ने हरियाणा विधानसभा में उठाया लेकिन दोषी स्कूलों के खिलाफ आज तक कोई भी उचित कार्रवाई ना तो केंद्र सरकार ने की और ना हरियाणा सरकार ने। लोकसभा सत्र में दो दिन पहले कैराना शामली उत्तर प्रदेश की सांसद इकरा हसन ने नये शिक्षा सत्र में प्राइवेट स्कूलों द्वारा की गई मनमानी फीस वृद्धि व स्कूलों के अंदर खुली दुकानों से पैरेंटस को बेची जा रही महंगी किताब, कॉपी, वर्दी, स्टेशनरी का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की इस पर तुरंत रोक लगाई जाए। इससे पहले भी सांसद स्वाति मालीवाल, अमराराम, भाजपा सांसद रामवीर बिधूड़ी इस गंभीर मुद्दे को संसद में उठा चुके हैं। हरियाणा विधानसभा में भी कई बार यह मुद्दा उठा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, भाजपा विधायक मनमोहन भड़ाना सहित अन्य कई विधायकों ने इस गंभीर मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है और दोषी स्कूलों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है लेकिन सरकार पर व स्कूल संचालकों पर इसका कोई असर नहीं है। वह पहले से ज्यादा हर प्रकार की मनमानी कर रहे हैं। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओपी शर्मा व प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने कहा है कि स्कूल संचालकों पर असर इसलिए नहीं है कि उनकी नजर में जब सैंया भये कोतवाल, तो डर काहे का।

पुलिस जांच में जुटी

स्ट्रीट डॉग को लेकर महिलाओं का हाईवोल्टेज ड्रामा, बीच सड़क पर मारपीट

धर्मेंद्र कौशिक ⏭ गुरुग्राम

गुरुग्राम में स्ट्रीट डॉग को लेकर महिलाओं का हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। जिसमें बीच सड़क पर महिलाएं एक दूसरे के बाल खींचकर मारपीट करती नजर आई हैं। पूरा मामला गुरुग्राम की मियांवाली कॉलोनी का है जहां बेसहारा कुत्तों को हटवाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। यहां तक कि डॉग लवर्स ने नगर निगम कर्मचारियों को कार्य करने से रोकने के लिए उनकी गाड़ी की चाबी तक छीनने का प्रयास किया। वहीं पूरे घटनाक्रम को एक व्यक्ति ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वहीं, मामले में सेक्टर-14 थाना पुलिस को जब घटना की सूचना मिली तो पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार, मियांवाली कॉलोनी में बेसहारा कुत्तों को पकडने के लिए स्थानीय लोगों ने नगर निगम को शिकायत दी थी।

जब नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची तो कुछ लोग निगम की टीम की कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस दौरान शिकायत करने वाले और डॉग लवर्स के बीच बहसबाजी हो गई और नौबत यहां तक आ गई कि दोनों में मारपीट होने लगी। तस्वीरों में साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह से महिलाएं एक दूसरे को बालों से पकड़कर पीट रही हैं। वहीं, दो पुरूष भी आपस में मारपीट कर रहे हैं। पूरे घटनाक्रम की वीडियो भी एक व्यक्ति द्वारा बनाई जा रही है और नगर निगम की टीम को भी धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

लिंक पर क्लिक करते ही 71 हजार गवांए

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर थाना एरिया में साइकिल पर लस्सी बेचने वाले ने लिंक पर क्लिक कर 71 हजार रुपए गवां दिए। लस्सी विक्रेता के मोबाइल पर एक मैसेज आया था, जिसमें आए लिंक पर उसने गलती से क्लिक कर दिया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में यूपी के बलिया निवासी शंकर कुमार यादव ने कहा कि वह गुडग़ांव के गांव मोकलबास में किराए पर रहता है। वह गांव से लस्सी एकत्रित कर साइकिल पर गुडग़ांव में बेचने जाता है। बीती 16 मार्च को उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिसमें आए लिंक पर उसने गलती से क्लिक कर दिया। इसके बाद उसका फोन हैंग हो गया और उसके फोनपे से इंडसइंड अकाउंट से 71 हजार रुपए कट गए।

पुलिस ने मामला दर्ज किया

थॉर में सवार होकर फायरिंग करने के केस में एक आरोपी धराया

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना एरिया के गांव बार-गुर्जर में थॉर में सवार होकर आए युवकों द्वारा फायरिंग करने के मामले में मामले में मानेसर क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नाली के पानी को लेकर हुए झगड़े के चलते वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस इस केस में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दरअसल, बीती 23/24 दिसंबर की रात को बार-गुर्जर पुलिस चौकी को सूचना मिली कि थी कि गांव बार-गुर्जर में गोली चली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां एक व्यक्ति ने पुलिस टीम को शिकायत दी। जिसमें कहा गया कि उसके पड़ोसी दिनेश उर्फ धन्नी ने फोन करके उसे पानी रोकने की धमकी दी। वहीं रात को करीब 10 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान दिनेश व उसके उसके साथी एक थॉर गाड़ी में सवार होकर आए। दिनेश ने आते ही उसे जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। वह जान बचाने के लिए घर के अंदर भाग गया। उसके बाद दिनेश ने बाहर खड़ी गाड़ियों पर भी फायर किया और थॉर गाड़ी में सवार होकर चला गया।

पुलिस ने केस दर्ज किया

विद्यालय से परीक्षा देकर लौट रहे छात्र पर हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-14 एरिया के ओल्ड दिल्ली रोड स्थित केंद्रीय विद्यालय से 12वीं कक्षा की परीक्षा देकर लौट रहे छात्र पर युवकों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घायल छात्र को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने नामजद युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-15 पटेल नगर निवासी पीयूष (19) ने बताया कि वह 28 मार्च को केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-14 में 12वीं कक्षा की परीक्षा देने गया था। दोपहर करीब 1.45 बजे वह परीक्षा देकर स्कूल से बाहर निकला तो साहिल व रिकी ने उसका रास्ता रोककर ईंट व लोहे की रॉड से सिर पर हमला किया। एक स्कार्पियो व एक कार में सवार होकर आए करीब 10 युवकों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। जिनसे बचने के लिए वह एक कैंटीन में छिप गया। कई युवकों ने उस पर लोहे की रॉड से हमला किया। पीयूष ने अपने परिवार वालों को कॉल करने के लिए मोबाइल निकाला तो राजू ने मोबाइल छीन लिया। पीयूष ने पुलिस को बताया कि रिकी, राजू, साहिल, संजय आदि।

पुलिस ने मामला दर्ज किया

ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का प्रलोभन देकर 15 लाख ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम मानेसर थाना एरिया में जालसाजों ने ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का प्रलोभन देकर एक युवक से 15 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-78 में रहने वाले ओमप्रकाश खोरीवाल ने कहा कि वह नवंबर 2025 में अपनी फेसबुक आईडी चला रहा था। इस दौरान उसने फेसबुक पेज पर ट्रेडिंग के संबंध में कुछ वीडियो की एडवरटाईजमैंट दिखाई दे रही थी। जिस पर क्लिक किया तो उसमे मुकेश अंबानी, निर्मला सीतारमन व नारायणमूर्ति की वीडियो चलने लगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **राहुल उर्फ हथौड़ा, पुत्रः श्री रवि, निवासीः ई–330, टैगोर गार्डन, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.471/2019 Dt.23.09.2019 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम** के तहत एक मामला **थाना राजौरी गार्डन, पश्चिमी जिला, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **राहुल उर्फ हथौड़ा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **राहुल उर्फ हथौड़ा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.471/2019 Dt.23.09.2019 U/S 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना राजौरी गार्डन, पश्चिमी जिला, नई दिल्ली** के अभियुक्त **राहुल उर्फ हथौड़ा** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **06.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री शशांक नंदन भट्ट
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02 (पश्चिम),
कमरा नंबर–356, तीसरी मंजिल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4001/WD/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुरबीर सिंह, पुत्र स्वर्गीय जोध सिंह निवासी डब्ल्यूजेड-301, गली नंबर 17, शिव नगर, तिलक नगर, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 322/2008 भा.द.सं. की धारा 419/420/468/471/120बी के तहत, थाना आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **सुरबीर सिंह** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **सुरबीर सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 322/2008 भा.द.सं. की धारा 419/420/ 468/471/120बी के तहत, थाना आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुरबीर सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **09.06.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री प्रणव जोशी
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-01, कोर्ट नं.02, भूतल
मेन बिल्डिंग, पटियाला हाउस कोर्ट्स, नई दिल्ली

DP/4054/IGIA/2026

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय राजमार्ग–NH-02 (New NH-19) पर नया प्रयोक्ता शुल्क लागू टोल पर नए प्रयोक्ता शुल्क (टोल) दरों पर सार्वजनिक सूचना बदरपुर एलिवेटेड हाईवे खंड (16,100 किलोमीटर से 20,500 किलोमीटर तक) दिनांक 01.04.2026 से लागू

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा ई–ऑफिस के माध्यम से नई उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दरों की स्वीकृति के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग–2 (NH-2) के दिल्ली–आगरा खंड (किमी 16.100 से किमी 20.500 तक) के उपयोग के लिए शुल्क दरों में संशोधन किया जा रहा है। नई दरें नई दिल्ली राज्य में स्थित बदरपुर टोल प्लाजा (किमी 18.700) और हरियाणा राज्य में स्थित फरीदाबाद टोल प्लाजा (किमी 20.200) पर लागू होंगी।

बदरपुर एलिवेटेड हाईवे खंड (16,100 किलोमीटर से 20,500 किलोमीटर तक)

वाहनों की श्रेणी/4.4 कि.मी. की पूरी लंबाई के लिए लागू शुल्क (कि.मी. 16.100 से 20.500)	एकल यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	एक दिन के अन्दर वापसी यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	50 यात्राओं के लिए वैध मासिक पास के लिए शुल्क (रु.)	जिले के अंदर पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क (रु.)
कार/जीप/वैन/हल्के मोटर वाहन	35	50	1110	15
एलसीवी/एलजीवी/मिनी बस	55	80	1790	25
बस/ट्रक (दो एक्सल वाले)	115	170	3750	55
तीन एक्सल वाले वाणिज्यिक वाहन	125	185	4090	60
भारी निर्माण मशीनरी (HCM) या अर्थ मूविंग उपकरण (EME) या बहु–अक्षीय वाहन (MAV) (4 से 6 धुरी)	175	265	5880	90
बड़े आकार के वाहन (सात या अधिक एक्सल वाले)	215	320	7160	105

टिप्पणीः वर्ष 2026–27 के लिए, किसी ऐसे व्यक्ति हेतु जो एक गैर–व्यावसायिक (नॉन–कमर्शियल) यांत्रिक वाहन का स्वामी है और जो शुल्क प्लाज़ा से बीस किलोमीटर की दूरी के भीतर निवास करता है, मासिक पास का निर्धारित शुल्क ₹ 350.00 (रुपये तीन सौ पचास मात्र) है।

1. किसी भी पूछताछ और/या शिकायत/सुझाव देने के लिए नाम और पता निम्नानुसार है।

टोल एजेंसी	आईई	एनएचएआई के पीडी
श्री सत्येन्द्र सिंह	श्री राजेश शर्मा	श्री धीरज सिंह
मेसर्स कर्मवीर	मेसर्स एल.एन. मालविया ऑफिस प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीएमयू–मथुरा, प्लॉट नंबर 08. टोल प्लाजा बिल्डिंग के पास, फरीदाबाद, हरियाणा–121003
मोबाइल नंबर 8218611660	9812908579	8130006117

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का भी निर्माण

हरियाणा सरकार | निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प करनाल	गांव इसराना, जिला पानीपत में राजकीय महाविद्यालय का निर्माण (सब स्टेशन और डीजी सैट का प्रावधान केवल) + 2 कार्य।	28.03.2026 06.04.2026	65.32 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प चण्डीगढ़	अम्बाला कैंट, जिला अम्बाला में भारत के स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम, 1857 के शहीदों के सम्मान में युद्ध स्मारक में लैंडस्कैपिंग कार्य का विकास।	01.04.2026 08.04.2026	18.20 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9779691170 eehortpwd@gmail.com
3	लोनिवि भ व प हिसार	भीम स्टेडियम भिवानी, जिला भिवानी में ई.आई. आंतरिक की विशेष मरम्मत और सम्पदा सेवाओं का प्रावधान।	27.03.2026 04.04.2026	16.05 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
4	पंचायती राज करनाल	गांव पाढा ब्लॉक मुनक में दांडु वाला तालाब–बी पर स्टोन पिचिंग का प्रावधान।	28.03.2026 06.04.2026	40.24 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896202019 prexeeng.krl@hry.nic.in
5	सिविल सर्जन नूह	स्वास्थ्य विभाग नूह (मेवात) के लिए कैंटीन सेवाओं हेतु ई-निविदा सूचना का प्रकाशन।	27.03.2026 13.04.2026	ईएमडी 10000	https://etenders.hry.nic.in	9417560524 dhs.csmwt@hry.nic.in
6	नागरिक उड्डयन, हरियाणा चण्डीगढ़	हेलीकॉप्टर एमबीबी बीके 117 सी–2 (ईसी–145), एमएसएन # 9210, वीटी–एचआरवाई के लिए कंटीन्यूइंग एयरवर्दीनेस मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन (सीएएमओ) का वार्षिक रखरखाव अनुबंध और उप अनुबंध।	31.03.2026 20.04.2026	ईएमडी 5000	https://etenders.hry.nic.in	1722709386 cavation@hry.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच–11/2026/120/44309/I/88/7 दि. 30.03.26

“ मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। ”

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

Tele MANAS 14416

टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- उदासी, चिंता या तनाव
- नींद की समस्या
- परीक्षा का तनाव
- परिवार से जुड़ी समस्याएँ
- आत्महत्या से जुड़े विचार
- नशे से संबंधित समस्याएँ
- रिश्तों में परेशानी
- याददाश्त से जुड़े मुद्दे
- पैसों की चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ

“ पिछले 3 वर्षों में हमने 30 लाख से अधिक कॉल्स में सहायता की है। ”

टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।

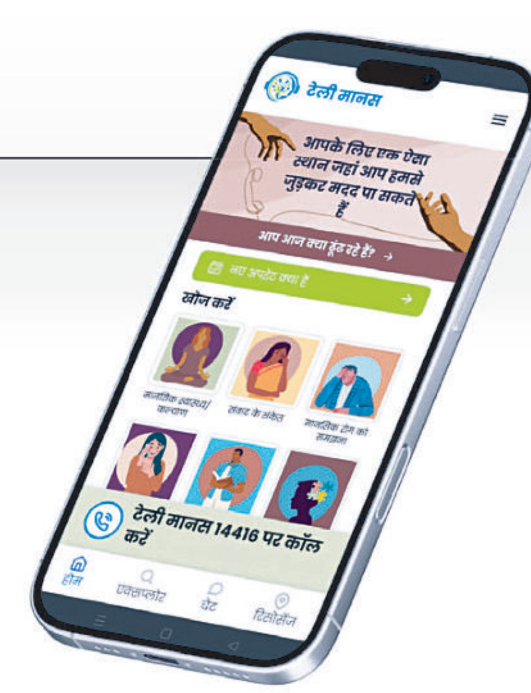

CBC 17193/13/0006/2526

टेली मानस को कॉल करें

24/7

14416

टोल-फ्री नंबर

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए ‘अस्मी’ से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

यहाँ स्कैन करें

टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

हरिभूमि सहेली

पूरे सप्ताह चालीस से अधिक घंटे काम करने के बाद कोई भी वर्किंग वूमेन वीकेंड आते-आते बर्न आउट हो सकती है। होममेकर की तो और ज्यादा दयनीय स्थिति हो जाती है, उसका तो कोई वीकेंड होता ही नहीं। हफ्ते के सातों दिन जी तोड़ मेहनत, एक-सी दिनचर्या। तो क्या आप चाहेंगी इस ट्रेंड को बदला जाए? निश्चित ही हम सभी एक बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। तो फिर हम क्यों न सुनें, थोड़ी अपने मन की, थोड़ी अपने दिल की।

सुनें अपने दिल की

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

साल 2021 में शालिनी को मार्केटिंग एजेंसी में एक पसंदीदा नौकरी मिली थी। अपने चुने हुए करियर की दिशा में यह उनका पहला बड़ा कदम था। अगले ही वर्ष उन्होंने तय किया कि वे जगह-जगह दोबारा से घूमने के अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने अपनी एक ट्रैवल एजेंसी शुरू की। दो साल तक यात्रा जारी रखते हुए अपने बिजनेस को संभाला। लेकिन फिर वह पूरी तरह थक कर चूर हो गईं। अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। एड्रेनल बर्नआउट (अत्यधिक तनाव के कारण शरीर का थक जाना), रिश्तों में तनाव और जिंदगी की दूसरी परिस्थितियों के कारण पड़ने वाले दबाव की वजह से सब कुछ छोड़ना पड़ा। शालिनी बताती हैं, 'पूरे एक साल तक लगातार अपनी पूरी ऊर्जा झोंकने के बाद मेरी सारी शक्ति खत्म हो गई थी। लगभग हर दिन पैनिक अटैक से जूझने लगी थी। यहां तक कि घर के सबसे छोटे-मोटे काम भी बहुत भारी लगने लगे थे। फिर मैंने पाया कि अपने भीतर की कुछ खास भावनाओं या ऊर्जा पर ध्यान लगाने से मेरे मन को शांति मिली। अब मेरा फोकस सिर्फ इतना पैसा कमाने पर है, जिससे मेरी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें।'

जॉब से ब्रेक लेकर पूरे करें पैशन

हमें उदाहरण के तौर पर कई ऐसी महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने करियर में ऊंची उड़ानें भरीं-मोटे सैलरी पैकेज के साथ उन्हें कंपनी की गाड़ी और शानदार घर भी मिला। जिंदगी भरपूर एंज्वॉय के साथ चलने लगी। 35 साल की उम्र तक लगा कि सब हासिल कर लिया है। लेकिन एक दिन उन्हें एहसास होता है कि वह तो भागती जिंदगी का हिस्सा बनकर रह गई हैं। असली खुशी नहीं मिल रही है। अंदर से खालीपन महसूस हो रहा है। वे यह भूल चुकी थीं कि उनके लिए क्या जरूरी है और असल में उन्हें क्या चाहिए? उनकी सेहत बिगड़ने लगी। तब उन्होंने पहली बार 'बर्नआउट' (मानसिक और शारीरिक थकावट) का अनुभव किया। ऐसी थकान होने लगी कि कितनी भी नींद या लंबा वीकेंड उसे दूर नहीं कर पातीं। ऐसा लगता जैसे कि सारी ऊर्जा खत्म हो चुकी है। लगभग हर चीज के लिए अपना उत्साह खो दिया है। अंत में उन्होंने सब कुछ छोड़ने का निर्णय लिया। नई शुरुआत की। उन्हें लगा म्यूजिक सीखना चाहिए, पेंटिंग करनी चाहिए। अपने पैशन को जीना चाहिए। उन्होंने वह सब करना शुरू किया, जिसकी चाहत उन्हें बरसों से थी। ऐसा होते ही वह खुश रहने लगीं।

परफेक्ट बनने के चक्कर में उलझी जिंदगी

लेखिका एवं कोच जेस स्टुअर्ट भी कॉर्पोरेट जगत में काम करते हुए पूरी तरह से थक कर चूर हो गई थीं यानी 'बर्नआउट' की शिकार हो गई थीं। क्योंकि वह खुद को साबित करने और अपने आस-पास के हर किसी का ख्याल रखने में ही बहुत अधिक बिजी थीं। उनके अनुसार, वे एक साथ बहुत सारी चीजें संभालने की कोशिश कर रही थीं और उन सभी को एकदम परफेक्ट बनाना चाहती थीं। लेकिन इससे वह मुश्किल से ही तालमेल बिठा पा रही थीं। उन्हें जिम या काम पर जाने से पहले सुबह जल्दी उठकर योग करने की हिम्मत नहीं होती थी। वह खुद को ही कोसती रहती थीं। उन्हें एहसास हुआ कि यात्रा करने और मीटिंग्स में शामिल होने में ही वे घंटों बिता देती थीं। असल में अपनी जिंदगी नहीं जी रही थीं। अपनी किताब 'बर्नआउट टु ब्रिलियंस' में वे लिखती हैं, 'मैं अपने जुनून को पूरा करना चाहती थी। मैंने लंबे समय के रिश्ते, कॉर्पोरेट जगत का करियर छोड़ दिया और पूरी तरह से दिशा बदलने का फैसला किया। मैंने किताबें लिखनी शुरू की। बाली की यात्रा की। ब्रिटेन में उन लोगों के साथ समय बिताया, जिन्हें मैं प्यार करती थी। इन यात्राओं के बीच कई रिट्रीट और आश्रमों में भी समय बिताया। वहां मैंने योग, माइंडफुलनेस, मौन, ध्यान और खुद से जुड़ने के लिए समय निकाला। यह मेरी जिंदगी का एक अहम मोड़ साबित हुआ।'

बर्नआउट का हेल्थ पर असर

दरअसल, आधुनिक भारतीय परिदृश्य महिलाओं के लिए एक विरोधाभासी वास्तविकता प्रस्तुत करता है। जहां एक ओर पेशेवर अवसर बढ़े हैं, वहीं घरेलू जीवन की संरचनात्मक अपेक्षाएं कठोरता से बनी हुई हैं। महिलाओं को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ता है। तनावपूर्ण करियर के साथ-साथ परिवार की देखभाल की भूमिका निभानी होती है। यह दीर्घकालिक तनाव उनके स्वास्थ्य पर लगातार प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए पूरे हफ्ते काम करने के

बाद बर्नआउट आम बात हो गई है। यह केवल एक सामाजिक घटना नहीं, बल्कि चिकित्सकीय चिंता का विषय बन गई है। साल 2024-25 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में लगभग 28.6 प्रतिशत महिलाएं चिंता से ग्रस्त हैं, जबकि 22 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में अवसाद के लक्षण पाए गए। असल में ये पारिवारिक जीवन से संबंधित चीजों की योजना बनाने, समन्वय करने और याद रखने के अदृश्य कार्य, मानसिक बोझ का सामूहिक तनाव हैं।

संतुलन से बनेगी बात

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि प्रति सप्ताह 55 घंटे या उससे अधिक काम करने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम काफी बढ़ जाते हैं। इनमें हृदय रोग और स्ट्रोक शामिल हैं। इन निष्कर्षों ने काम के लंबे घंटों के बजाय व्यवस्थित लचीलेपन की मांग को और मजबूत किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बर्नआउट को आईसीडी-11 के तहत एक व्यावसायिक घटना के रूप में वर्गीकृत किया है। यही कारण है कि कार्यस्थल पर बर्नआउट की समस्या को मान्यता मिली है और टिकाऊ कार्य घंटों के बारे में चर्चा तेज हो गई है। इस संदर्भ में लाइफ कोच शांभवी की सलाह ध्यान देने वाली है, वह कहती हैं, 'जीवन वैसे भी संतुलन का दूसरा नाम है। आज के दौर के शहरी जीवन में पुरुष-महिला दोनों का काम करना जरूरी है। क्योंकि महिलाओं की जिम्मेदारी दोहरी हो जाती है। इसलिए उन्हें अपनी सेहत का पूरा खयाल रखना है। अपनी नींद पूरी करनी है। उन्हें अपने खानपान का उतना ही ध्यान रखना है, जितना वे परिवार के दूसरे सदस्यों का रखती हैं। नाश्ते में प्रोटीन लेना नहीं भूलना है और न नियमित अंतराल में पानी पीना। वे जितना अधिक शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखेंगी, उतना अच्छा परिणाम मिलेगा। महिलाएं अपने शौक पूरे कर सकती हैं। दोस्तों एवं परिजनों के साथ छुट्टियों पर जा सकती हैं, क्योंकि जब मन चंगा, तो सब चंगा।'

पत्नी को ऐसे महसूस कराएं खास

जिस तरह पत्नी, पति को खुश रखने में कोई कसर नहीं छोड़ती, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखती है ताकि पति को कोई परेशानी ना हो। पति का भी यह दायित्व बनता है, वह भी अपनी पत्नी का ख्याल रखे, उसे कुछ खास महसूस कराए। इसके लिए वे किन बातों का ध्यान रखें, जानिए।

मैंस कॉर्नर
स्नेहा सिंह

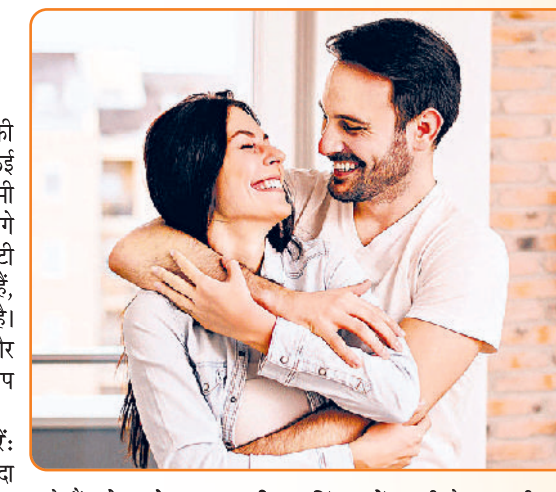

पत्नी को खुश करने की कोशिश करने वाले कई पुरुषों को यह गलतफहमी होती है, उन्हें खुश करने के लिए महंगे उपहार देना चाहिए, जबकि वे छोटी-छोटी बातों से बड़ी आसानी से खुश हो जाती हैं, महंगे तोहफे की कोई जरूरत नहीं है। आइए जानते हैं, पत्नी को खुश रखने और उसे खास महसूस कराने के लिए आप किन बातों का ध्यान रखें-

अपने प्रेम को अभिव्यक्त करें: अधिकांश महिलाओं को वे पुरुष ज्यादा पसंद आते हैं, जो उनसे खुलकर प्रेम जताते हैं। तो समय-समय पर पत्नी को गले लगाएं, अपने प्यार को शब्दों और व्यवहार से व्यक्त करें। सच्चे प्रेम की अभिव्यक्ति बहुत गहरा असर करती है। इससे न केवल पत्नी खुश होती है, पति-पत्नी दोनों का रिश्ता और गहरा होता है।

कभी-कभी ब्रेकफास्ट बनाएं: अगर आप सुबह उठकर पत्नी के लिए चाय-कॉफी या हल्का नाश्ता बनाएंगे तो यह उसके लिए एक प्यारा सरप्राइज होगा। आपको नाश्ता और खाना बनाना नहीं आता है तो

आजकल इंटरनेट से नई डिशेज की रेसिपी सीखी जा सकती है। एक बार आप नई डिश बनाना शुरू करेंगे तो कोई भी डिश आसानी से बना लेंगे।

अच्छे श्रोता बनें: महिलाओं को ऐसे पुरुष अच्छे लगते हैं, जो उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। जब भी पत्नी आपसे बात करे, तो मोबाइल या टीवी देखने के बजाय उसकी आंखों में देखकर उसकी बातें ध्यान से सुनें। इससे निश्चित ही आपकी पत्नी खुद को खास महसूस करेगी।

डेट नाइट की प्लानिंग करें: शादी के बाद भी पत्नी अपने पति के साथ खास समय बिताना चाहती है। आप कभी-कभी डेट नाइट की प्लानिंग बनाएं। बाहर जाकर किसी अच्छे होटल में पत्नी की पसंद का खाना खाएं, साथ में अच्छा समय बिताएं। इससे उसे महसूस होगा कि वह आपके लिए बहुत खास है।

पत्नी को दें भावनात्मक सुरक्षा: पत्नी की सिर्फ शारीरिक सुरक्षा ही नहीं, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। अपनी भावनाएं पत्नी से साझा करें, साथ ही उसकी भावनाओं को भी समझने की कोशिश करें। मुश्किल समय में उसका साथ दें और उसकी हिम्मत बनें। इससे पत्नी का आपके प्रति भरोसा और भी अधिक बढ़ेगा।

हाथ से बनी हुई भेंट दें: हाथ से लिखा हुआ पत्र, छोटा-सा कार्ड या स्वयं बनाया गया कोई उपहार पत्नी के लिए बेहद खास होता है। यह महंगे तोहफों से भी ज्यादा दिल को छूता है। इसलिए समय-समय पर पत्नी को हाथ से बनी चीजें दें।

सुबह प्यारा सा संदेश भेजें: दिन की शुरुआत एक अच्छे संदेश से करें। स्मार्टफोन इसके लिए बहुत यूजफुल रहेगा। जब सुबह के समय पत्नी को आपका प्यार भरा मैसेज दिखेगा तो यकीन मानिए, आपका एक छोटा-सा प्यार भरा मैसेज पत्नी का पूरा दिन खुशहाल बना देगा। आपको भी उसे खुश देखकर खुशी होगी।

जी हां, दांपत्य रिश्तों में मिठास महंगे उपहारों से नहीं, छोटी-छोटी बातों और सच्चे प्रेम से आती है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी पत्नी को खुश रख सकते हैं, उसे यह महसूस करा सकते हैं कि वह आपकी जिंदगी में बहुत ही खास है।

रिश्ते
दीपिका शर्मा

कभी भी दो लोगों के विचार हमेशा एक समान नहीं हो सकते। ऐसे में रिश्ते को मधुर-मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आपसी मतभेद के बावजूद हम एक-दूसरे का सम्मान करें और उसे मनभेद में न बदलने दें।

मतभेद को न बनने दें मनभेद

रिश्तों को निभाना भी एक कला है। जो इस कला को सीख जाता है, वह संतोषजनक जीवन जीता है। वहीं जो इससे वंचित रहता है, वह तनावपूर्ण रिश्ते और असंतोष से घिरा रहता है। रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है, क्योंकि दो अलग परिवेश से जुड़े लोगों का मिलन, दो अलग विचारों का मेल होता है। जब विचार अलग होते हैं, तो थोड़ी नोक-झोंक और टकराव होता ही है। लेकिन इसे सहजता से जिया जा सकता है, बजाय मनभेद में बदलकर। क्योंकि जब मनभेद पैदा होता है, तो रिश्तों को निभाना बेहद कठिन हो जाता है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि मनभेद, रिश्तों के टूटने का एक प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि जहां हमारे विचार भिन्न हों, वहां विचारों का विरोध करें, व्यक्ति का नहीं।

वैचारिक भिन्नता को स्वीकारें: हम सबकी सोच अलग हो सकती है, क्योंकि हर किसी के अनुभव, माहौल और परिस्थितियां अलग होती हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं

कि केवल विचारों का अलग होना रिश्तों में खटास का कारण बन जाए और हम एक-दूसरे से दूर हो जाएं। कभी-कभी सही व्यक्ति भी गलत सोच सकता है, और जिसे हम गलत समझते हैं, वह भी कभी सही विचार रख सकता है। अगर हम हर मतभेद को 'मनभेद' में बदल देंगे, तो विश्वास पर टिके रिश्ते भी डगमगा जाएंगे। इससे न केवल रिश्ते टूटेंगे, बल्कि समाज भी बिखरने लगेगा। इसलिए कुछ बातें हैं, जो मतभेद को मनभेद बनने से रोक सकती हैं।

सम्मान का रखें ध्यान: किसी के साथ असहमति का अर्थ विरोध करना है, अपमान करना नहीं। जब हम किसी की बात से सहमत नहीं होते, तो हमारा पहला कर्तव्य है कि हम अपनी बात को विनम्रता और सम्मान के साथ रखें। कठोर शब्द, ताने या व्यंग्य सामने वाले के मन को आहत करते हैं और बात का मूल उद्देश्य खो जाता है। सम्मान बना रहेगा, तो संवाद के द्वार हमेशा खुले रहेंगे।

बहस करें तो मर्यादा के साथ: बहस का उद्देश्य जीतना नहीं, समझना होना चाहिए। जब बहस मर्यादा से बाहर चली जाती है, तो वह विवाद बन जाती है। आवाज ऊंची करने, व्यक्तिगत आरोप लगाने या पुरानी बातों को उछालने से स्थिति और बिगड़ती है।

सोच बदलिए पर संबंध नहीं: जीवन में परिस्थितियां और अनुभव हमारी सोच को बदलते रहते हैं। यह बदलाव आवश्यक भी है, लेकिन इस बदलाव के कारण यदि हम अपने रिश्तों को ही बदल दें या तोड़ दें, तो यह भावनात्मक संतुलन को प्रभावित करता है। विचार बदल सकते हैं, पर अपने लोगों के प्रति जुड़ाव और अपनापन बना रहना चाहिए।

बोलने के साथ सुनना जरूरी: अकसर हम अपनी बात कहने में इतने व्यस्त रहते हैं कि सामने वाले को सुनना ही भूल जाते हैं। सही संवाद तभी संभव है, जब हम ध्यानपूर्वक सुनें और समझने की कोशिश करें। सुनने से गलत फहमियां कम होती हैं।

विचारों पर बात करें: किसी के विचार से असहमत होना ठीक है, लेकिन उस व्यक्ति के चरित्र या व्यक्तित्व पर सवाल उठाना गलत है। 'तुम हमेशा गलत सोचते हो।' जैसे वाक्य संबंधों में दूरी पैदा करते हैं, जबकि 'मुझे इस विचार से असहमति है' कहना स्वस्थ संवाद को बढ़ावा देता है।

समय-स्थिति का ध्यान रखें: हर बात कहने का एक सही समय और तरीका होता है। गुस्से में या तनाव के समय की गई चर्चा अकसर विवाद में बदल जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम सही समय का चयन करें।

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाइए: हर मतभेद को नकारात्मक रूप में देखने के बजाय, उसे एक अवसर के रूप में देखें, एक-दूसरे को बेहतर समझने का अवसर। हमें यह समझना जरूरी है कि सकारात्मक दृष्टिकोण रिश्तों में मिठास बनाए रखता है।

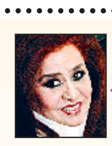

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ग्लोइंग फेस के लिए इफेक्टिव होम रेमिडीज

चेहरा धोने के लिए यूज किए जाने वाले कुछ फेस वॉश में केमिकल्स होते हैं, जिनको लगाने से चेहरे पर दाग, धब्बे उभरने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में चेहरा बदसूरत या डल दिखने लगता है। इनसे बचने के लिए अगर आप आसानी से तैयार होने वाले घरेलू हर्बल उत्पादों का चेहरे पर इस्तेमाल करें तो बेहतर परिणाम नजर आएंगे।

कच्चा दूध: कच्चे दूध को कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं और पांच मिनट तक चेहरे की क्लींजिंग करें। इसके बाद चेहरे को साफ ताजे पानी से धो डालें। कच्चा दूध कील-मुंहासों को हटाने में मददगार होता है। इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरा कोमल-चमकदार हो जाता है।

दही: अगर आप रोज सुबह चेहरे पर दही

लगाएंगी, तो इससे त्वचा दिन भर फ्रेश और खिली-खिली नजर आएगी। रात में चेहरे पर दही लगाने से, त्वचा पर मौजूद सारी गंदगी और धूल-मिट्टी आसानी से निकल जाती है। आप 2 चम्मच दही में 2 चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 20-25 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए आप कुछ दिनों तक रोजाना चेहरे पर दही लगा सकती हैं। दही, बेसन और हल्दी का फेस पैक स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह सभी स्किन टाइप के लोगों के लिए अच्छा होता है।

हल्दी-दूध फेस पैक: आधा छोटा चम्मच हल्दी पावडर में दो छोटे चम्मच दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाकर फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। फेस पैक को सूखने दें। हल्के हाथों से रब करते हुए पानी से त्वचा को साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो-तीन बार लगाएं।

एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल को त्वचा पर सीधा अप्लाई किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है और पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती है। एलोवेरा को घरेलू उपचार के तोर पर प्रयोग करने में पहले पौधे को पूरी तरह धो लेना चाहिए फिर पूरी स्वच्छता का ध्यान रखते हुए एलोवेरा जूस या जैल को प्रतिदिन चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर साफ ताजे पानी से धो डालें। यह त्वचा को मुलायम बनाए रखने में मदद करता है।

शहद: शहद का इस्तेमाल मास्क से लेकर नेचुरल मॉयश्चराइजर के रूप में किया जा सकता है। मॉयश्चराइजर त्वचा को कोमल, हेल्दी और आकर्षक बनाए रखता है। इसके लिए दो-तीन चम्मच कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें। इसको अपने चेहरे, गर्दन और शरीर के खुले भागों पर लगाएं फिर आधे घंटे बाद पानी से धो डालें। आप इसे दिन में दो बार उपयोग में ला सकती हैं।

योगा जोन
दिव्यज्योति 'नंदन'

हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान हैवी वर्कआउट या कठिन आसन करना हार्मफुल हो सकता है। लेकिन डॉक्टर की सलाह पर ट्रेनर की निगरानी में अगर कुछ सरल योगासन करें तो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान योगा बरतें सावधानियां

प्री-नेटल योगा आमतौर पर बहुत धीमी गति से की जाने वाली वो प्रैक्टिस है, जो गर्भावस्था के दौरान हमारे शरीर में आने वाले शारीरिक और भावनात्मक बदलावों को सपोर्ट करने के लिए की जाती है। यह योगा गर्भावस्था के शुरुआती दिनों से शुरू होकर डिलीवरी तक आसानी से किया जा सकता है। प्री-नेटल योगा आप घर पर

रहकर ऑनलाइन, यू-ट्यूब द्वारा दिखाए गए वीडियोज के जरिए भी कर सकती हैं। लेकिन इसे करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर कर लें और योगा ट्रेनर के निर्देशन में करना ही सुरक्षित रहेगा।

योगासन करने के फायदे: हल्के-फुल्के योगासन गर्भावस्था में पूरी सुरक्षा देते हैं और इनके जरिए आप श्वास पर नियंत्रण करके अपने रक्त संचार को बेहतर कर सकती हैं। इससे अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ अपना एक गहरा कनेक्शन भी महसूस कर सकती हैं। यह योगा प्रैक्टिस, पेन फ्री गर्भावस्था के लिए आपको शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। आप इन आसनों को करके एनर्जेटिक फील करती हैं।

सावधानी से करें प्रैक्टिस: जो महिलाएं प्रेग्नेंट हैं और जिन्होंने अभी तक योगा शुरू नहीं किया है, उनको योगासन करने के लिए सर्टिफाइड प्री-नेटल ट्रेंड इंस्ट्रक्टर से ही ट्रेनिंग लेनी चाहिए। शुरूआत में मंद गति से सांस लेना और छोड़ना, शरीर को धीरे-धीरे स्ट्रेच करने और गर्भावस्था के लिए विशेष

तौर पर डिजाइन किए गए बेसिक पोस्चर के साथ योगा करना चाहिए। क्योंकि गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में नए-नए तरह के बदलाव होते हैं। इसके लिए इसे रोज हर हाल में करने की बजाय उतना ही करना चाहिए, जिससे आपको थकान न लगे। ज्यादा कठिन आसन और एडवांस पोस्चर, विशेष तौर पर बिना किसी एक्सपर्ट की गाइडेंस के नहीं करने चाहिए। आपका शरीर जिन आसनों को करने में रिलैक्स फील करे, आपको उतना ही श्रम करना चाहिए, तभी आपका शरीर धीरे-धीरे योगासन के लिए अपने आपको शारीरिक रूप से तैयार कर सकता है।

रखें इन बातों का ध्यान: प्रेग्नेंसी के दौरान योगा करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- प्री-नेटल योगासन डॉक्टर की सलाह पर ही योगासन करें।
- श्वसन क्रिया, हल्के-फुल्के पोस्चर जैसे कैट पोज, मलासन पर ही फोकस करें।
- सीने की मांसपेशियों और एडविक फ्लोर को मजबूती देने वाले आसन ही करें।
- मेडिटेशन और प्राणायाम करें।
- उन्हीं आसनों को करें, जो आपको एकाग्रचित होने में सहयोग करें और आपके लिए आरामदेह साबित हों।
- कमर को पीछे की ओर ज्यादा मोड़ने वाले, अचानक मुद्रा में बदलाव करने वाले, जंप बैक और दूसरे कठिन आसन करने से परहेज रखें।
- कपालभाति या सांस रोकने वाले आसन भी किए जा सकते हैं।
- ज्यादा स्ट्रेचिंग न करें, क्योंकि इन दिनों हार्मोनल बदलाव के कारण शरीर में लचीलापन आ जाता है, जो जोड़ों के सेहत के लिए सही नहीं होता।

यूपीएसआईएफएस दिग्गज यूनिवर्सिटी से करेगा एमओयू

योगी सरकार फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों को बनाएगी 'धुरंधर

योगी सरकार उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) के छात्रों को फॉरेंसिक क्षेत्र में विशेषज्ञ बनाने के लिए बड़ा कदम उठा रही है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) के विद्यार्थियों को फॉरेंसिक की फील्ड में धुरंधर बनाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार फॉरेंसिक की दिग्गज यूनिवर्सिटी से एमओयू साइन करने जा रही है। यह एमओयू यूपीएसआईएफएस और चार विभिन्न संस्थानों के बीच होगा। इसमें महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर, धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी गांधीनगर, उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी शामिल हैं। इन संस्थानों के साथ सहयोग से यूपीएसआईएफएस के छात्रों को इंटर्नशिप, रिसर्च और प्रैक्टिकल एक्सपोजर के व्यापक अवसर मिलेंगे। इससे जहां एक ओर छात्रों को व्यावहारिक और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में फॉरेंसिक विशेषज्ञ के रूप में तैयार करना है।

अपराध के पीछे सामाजिक व मनोवैज्ञानिक कारणों को जेल जाकर समझेंगे छात्र

यूपीएसआईएफएस के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के साथ एमओयू से छात्रों को जेलों में जाकर बंदियों के केस स्टडी करने का मौका मिलेगा। छात्र यह जान सकेंगे कि बंदियों के मामलों में जमानत कैसे होती है, जेल का वातावरण कैसा होता है और अपराध के पीछे सामाजिक व मनोवैज्ञानिक कारण क्या होते हैं। यह अनुभव उन्हें अपराध की जड़ों को समझने में मदद करेगा, जो एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट के लिए बेहद जरूरी है। वहीं, महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर के साथ एमओयू से दोनों संस्थानों के छात्रों को इंटरशिप के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही दोनों संस्थानों के फैकल्टी मेंबर दोनों संस्थानों में अपने लेक्चर दे सकेंगे। वहीं आगे चलकर, दोनों संस्थान मिलकर फॉरेंसिक साइंस की एक ज्वाइंट लैब भी स्थापित करेंगे। इस लैब में अत्याधुनिक तकनीकों के जरिए अनुसंधान और परीक्षण किए जाएंगे। इससे न केवल छात्रों को नई तकनीकों का ज्ञान मिलेगा, बल्कि राज्य में फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत होगा।

केजीएमयू में करेंगे अध्ययन

- यूपीएसआईएफएस के डायरेक्टर जीके गोस्वामी ने बताया कि सीएम योगी फॉरेंसिक साइंस के छात्रों को 'जॉब रेडी' बनाना चाहते हैं। अब तक फॉरेंसिक शिक्षा में थ्योरी का दबदबा था, लेकिन मुख्यमंत्री का थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल पर विशेष फोकस है।
- सीएम योगी के निर्देश पर यूपीएसआईएफएस चार विभिन्न संस्थानों महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर, धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी गांधीनगर, उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमओयू करने जा रहा है।
- एमओयू के जरिए छात्रों को केस स्टडी, पोस्टमार्टम प्रक्रिया, मेडिकल-लीगल पहलुओं और अपराध अनुसंधान के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का मौका मिलेगा। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के साथ समझौते के तहत यूपीएसआईएफएस के छात्र फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में पोस्टमार्टम की बारीकियों को करीब से समझ सकेंगे।
- इसमें पंचनामा से लेकर पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया का अध्ययन शामिल होगा। इससे छात्रों को यह समझने में मदद मिलेगी कि घटना में मौत किन परिस्थितियों में हुई और वैज्ञानिक तरीके से उसका विश्लेषण कैसे किया जाता है। यूपीएसआईएफएस के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी ने बताया कि यूपी कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के साथ एमओयू से छात्रों को जेलों में जाकर बंदियों के केस स्टडी करने का मौका मिलेगा।

खबर संक्षेप

कोई दूसरा नीतीश नहीं हो सकताः अशोक चौधरी

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका राज्यसभा जाना तय हो गया। नीतीश को मानस पिता और राजनैतिक गुरु मानने वाले मंत्री अशोक चौधरी उनके इस्तीफे के बाद फूट-फूटकर रोने लगे।

रेप के बाद हत्या का हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

हजारीबाग। यहां दुष्कर्म के बाद 12 साल की बच्ची की हत्या की घटना पर झारखंड हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने इसे निर्भया जैसी क्रूरता बताते हुए राज्य के डीजीपी और गृह सचिव से जवाब मांगा है। रामनवमी जुलूस के दौरान लापता हुई बच्ची का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला था।

एक अप्रैल से बढ़ जाएंगे टोल टैक्स

सीएम योगी ने ट्रांसफर किए प्रदेश के 28 लाख छात्रों को 3350 करोड़ छात्रवृत्ति

प्रदेश सरकार ने लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की बड़ी राशि सीधे खातों में भेजी। इस योजना से सभी वर्गों के विद्यार्थियों को लाभ मिला। अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार धनराशि वितरित की गई, जिससे स्कूल और कॉलेज स्तर पर पढ़ने वाले छात्रों को आर्थिक सहायता मिली।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को इंदिरा गांधीप्रतिष्ठान आयोजित कार्यक्रम में छात्रवृत्ति एवं पारिवारिक लाभ योजनाओं के तहत बड़ी धनराशि का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर किया। इस दौरान प्रदेश के कक्षा 9-10 और दशमोत्तर के 27,99,982 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में करीब 3,350 करोड़ रपए की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि सीधे भेजी गई। साथ ही 33,334 गरीब परिवारों के आश्रित सदस्यों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की मदद भी दी। ये स्कॉलरशिप सिर्फ एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक सभी वर्गों के छात्रों को दी गई। यानी स्कूल से लेकर कॉलेज तक पढ़ने वाले लाखों छात्रों को इसका फायदा मिला है।

अल्पसंख्यक छात्रों को अलग-अलग हिस्सों में राशि

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न वर्गों के छात्रों को लाभ मिलेगा। इसमें अनुसूचित जाति के 6.68 लाख छात्रों को करीब 467.94 करोड़, सामान्य वर्ग के 4.95 लाख छात्रों को 779.10 करोड़, अन्य पिछड़ा वर्ग के 13.52 लाख छात्रों को 1838.59 करोड़, अल्पसंख्यक वर्ग के 2.75 लाख छात्रों को 252.76 करोड़ और अनुसूचित जनजाति के 7,236 छात्रों को करीब 11.61 करोड़ की राशि दी जाएगी।

योगी सरकार का कमजोर वर्ग पर फोकस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार का प्रयास है कि कोई भी योग्य छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। **DBT** के माध्यम से छात्रवृत्ति सीधे खातों में पहुंचाने से पारदर्शिता बढ़ी है और छात्रों की समय पर मदद हो पा रही है। ये स्कॉलरशिप इसलिए दी गई है कि आप और मेहनत कर सकें। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं। स्कॉलरशिप आपकी मंजिल नहीं है। परिश्रम आपकी मंजिल है। स्कॉलरशिप के पैसे का दुरुपयोग मत करना। सरकार का संबल है। सपोर्ट करने और आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफार्म दिया गया है। बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सरकार मदद कर रही है। अब तक 26 लाख बेटियों को लाभ पहुंचा चुके हैं।

एक्सप्रेसवे पर सफर महंगा

1 अप्रैल से हाईवे और एक्सप्रेसवे पर सफर महंगा हो जाएगा। झांसी-कानपुर हाईवे पर बने टोल अब ज्यादा लगेगा। वहीं, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भी सफर करने वालों की जेब ढीली होगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक्सप्रेसवे की टोल दरों में 5 रुपये से लेकर 45 रुपये तक की वृद्धि कर दी है। नई दरें एक अप्रैल से प्रभावी हो गई हैं। एनएचएआई ने नई दरों की अधिसूचना जारी कर दी है।

द्रौपदी जन्मस्थली का सौंदर्यीकरण

योगी सरकार महाभारत सर्किट के तहत फर्रुखाबाद के काम्पिल्य को विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। 4.70 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में द्रौपदी जन्मस्थली का सौंदर्यीकरण, रामेश्वर नाथ मंदिर का भव्य द्वार और अत्याधुनिक टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का निर्माण शामिल है।

रामनवमी पर्व के साथ मनाया स्वामी रामदेव का 32वां संन्यास दिवस

हरिद्वार। पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 स्थित बृहद् सभागार योगभवन में आज रामनवमी के पावन अवसर पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव जी महाराज का 32वां संन्यास दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि आज हम तीन-तीन पर्व एक साथ मना रहे हैं। आज राम नवमी भी है, नवरात्रि की पूर्णता भी है और पतंजलि का यशस्वी सन्यास दिवस भी है। उन्होंने सभी देशवासियों को रामनवमी की तथा पतंजलि संन्यासाश्रम के युवा संन्यासियों को उनके संन्यास दिवस की शुभकमानाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में स्वामी जी ने कहा कि हम सभी अपने जीवन में राम के रामत्व की, कृष्ण के कृष्णत्व की, शिव के शिवत्व की, आत्म तत्व की, हिंदुत्व की, वेद तत्व की, सनातन तत्व की व दैवीय संपद की प्रतिष्ठा करें। उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में दैवी संपद नहीं है वो हिंदू सनातनी और राम-कृष्ण का वंशधर नहीं है। वो ऋषि ऋषिकाओं की संतान नहीं है। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ के माध्यम से पिछले 32 वर्षों में हमने शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान, कृषि, उद्योग, रोजगार, प्रकृति, पर्यावरण, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण, युग निर्माण, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सनातन धर्म की सेवा में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज शताधिक ट्रस्टों और विभिन्न संगठनों के माध्यम से देश के 600 से अधिक जिलों में 5000 से अधिक तहसीलों में 35 लाख से अधिक गांव में और लगभग पूरी दुनिया के 200 देशों में योग आयुर्वेद और स्वदेशी और सनातन धर्म के प्रतिष्ठा का कार्य भगवान ने पतंजलि से हो रहा है।

पेज एक का शेष

नक्सलियों की तुलना ...

बीते 6 दशक तक केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद आखिरकार इस समस्या से प्रभावित 12 राज्यों के 70% भूभाग का विकास क्यों नहीं किया गया? सदन में कई विपक्षी सदस्यों ने शहीद भगत सिंह, बिरसा मुंडा, नेताजी बोस से नक्सलियों की तुलना की है। ये कैसे संभव है? शहीदों ने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। 1947 में आजादी के वक्त हमने सत्यमेव जयते कहा। जबकि नक्सलियों का आदर्श वाक्य था सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। इनकी विचारधारा का विकास से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, सत्ता के समर्थन (कांग्रेस)के बिना हथियार मूवमेंट संभव नहीं है।

गरीबी नहीं, राज्य की अनुपस्थिति बड़ा कारणः गृह मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें गरीबी से जुड़ी हुई नहीं हैं। आजादी के बाद सीमित संसाधन, कम राजस्व के कारण अविकसित रहे क्षेत्र को लेकर सिर्फ एक कहानी गढ़ी गई है। वहीं, अगर ये सच है, तो देश में कई इलाके हैं, जहां उक्त कारणों की वजह से विकास देर से पहुंचा है। वहां नक्सलवाद क्यों नहीं पनपा? इन्होंने दर्जनभर राज्यों के रेड कोरिडोर नामक इलाके के नाम से अपनी पैठ बढ़ाई, भोले भाले आदिवासियों के हाथ में हथियार पकड़ा दिए। जिसका परिणाम ये हुआ कि जो आदिवासी आजादी के पहले तक तिलक, मुंडा, मांझी और मुर्मू बंधुओं को अपना आदर्श मानते थे। वो 1947 आते-आते माओ को इसी रूप में मानने लगे। विकास नहीं, राज्य की अनुपस्थिति के कारण उक्त इलाके को नक्सलियों ने चुना। आदिवासियों को बरगलाया, स्कूल जला दिए, बैंक जलाए, दवाखाने जला दिए। जिन्हें नरेंद्र मोदी ने वापस घर-घर तक पहुंचा दिया है। इसलिए अब ये समस्या खत्म हो चुकी है।

सरकार डरने वाली नहीं, करारा जवाब मिलेगा : अमित शाह ने कहा, हमारे देश में लोकतंत्र है। जहां संविधान को स्वीकार किया गया है। अन्याय किसी के साथ हो सकता है, विकास भी कम या ज्यादा हो सकता है। लेकिन क्या हम हथियार लेकर इसके खिलाफ लड़ेंगे? उन्होंने साफ शब्दों में सख्त लहजे में कहा कि यह डरने वाली सरकार नहीं है। बल्कि सबके साथ न्याय करने वाली सरकार है। अन्याय के नाम पर हथियार उठाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो ऐसा करेगा, उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। बल्कि करारा जवाब दिया जाएगा।

यूं नक्सल मुक्त ...

बनी। लेकिन बीच के समय में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी। जिसने नक्सलवादियों को बचाकर रखा था। कांग्रेस ने गृह मंत्री के इस आरोप को लेकर सदन में शोरशराबा किया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि हां ये आरोप ही है, मुझे नियम न समझाएं। भूपेश बघेल को बोलो, प्रूफ दूं क्या? अगर दे दिया तो यहां पर फंस जाओगे। 2024 में राज्य में सरकार बदली, दूसरे माह मैं वहां गया। रणनीति साझा की। इसके बाद 24 अगस्त 2026 को मैंने घोषणा की थी कि हम 31 मार्च 2026 को पूरे देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। हमने अपनी डेडलाइन 24 घंटे पहले ही प्राप्त कर ली है।

वामपंथियों का काला इतिहासः उन्होंने देश में वामपंथी उग्रवाद की शुरुआत का इतिहास बताते हुए कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) की स्थापना का उल्लेख किया और कहा, 1969 में जब यह बनीं तब इसका उद्देश्य देश का विकास, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना नहीं था। बल्कि इस पार्टी का मकसद चीन और रूस के विचारों पर चलते हुए सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से संसदीय प्रणाली को उखाड़ फेंकना था। ऐसे में नक्सलवाद, वामपंथी उग्रवाद की यह विचारधारा स्वदेशी नहीं, आयातित है। इस कवायद के बीच शाह ने कहा, हालांकि भारत में इन दोनों देशों की तरह राजतंत्र नहीं बल्कि लोकतंत्र था। 1970 में नक्सलवाद का आगाज पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुआ। इसके महज एक साल में हिंसा की 3620 घटनाएं हुईं, 1980 आते- आते पीपल्स वॉर ग्रुप बना। फिर ये महाराष्ट्र, तब के अविभाजित मध्य प्रदेश, ओडिशा में फैला। 1970 से 2004 के बीच में कुछ साल छोड़कर पूरा कांग्रेस का शासन रहा। इसलिए पार्टी को कुछ भी कहने से पहले अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए।

अर्बन नक्सलियों पर कड़ा प्रहारः उन्होंने यह भी कहा कि मैं उन सभी अर्बन नक्सलियों से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने हमेशा अपने लेख और अन्य विचार प्रस्तुत करने वाले माध्यमों में सिर्फ नक्सलियों का ही समर्थन क्यों किया? कभी इनके हमले में जान गंवाने वाले बेकसूर ग्रामीणों या उनके परिजनों के प्रति इनकी कोई हमदर्दी नहीं रही, बेकसूर लोगों की वेदना पर कभी कोई शब्द क्यों नहीं लिखा गया? उन्होंने दावा किया कि ये बात मैं 2 हजार से अधिक लेखों का विश्लेषण करने के बाद कह रहा हूं। जिनमें एकतरफा ढंग से नक्सलियों को ही महिमामंडित किया गया है। इसलिए मानवता का यह दोहरा चरित्र मुझे अस्वीकार्य है। यह लोग मानवतावादी नहीं, नक्सल समर्थक हैं। वर्तमान समय में कंबोडिया से लेकर अन्य देशों में इस विचारधारा का खात्मा हो चुका है। अब भारत भी इस सूची में शामिल हो गया है।

2014 के बाद धड़ल्ले से हुआ विकासः देश में 2014 के बाद उक्त समस्या से प्रभावित इलाकों का तेजी से विकास किया गया। 17 हजार से अधिक सड़कें बनाने का निर्णय हुआ, जिनमें से 12 हजार बन गई हैं। 20 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। 5 हजार मोबाइल टावर, 6 हजार करोड़ के खर्च से लगाए गए हैं। दो अन्य योजनाओं में 8 फोर जी टावर लगाए जाएंगे। राजधानी दिल्ली की तर्ज पर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ के आदिवासियों तक भी विकास की बयार बहेगी। बीते वक्त में क्षेत्र में 18 हजार बैंक शाखाएं, एटीएम खुले हैं। 6 हजार 25 डाकघर खोले गए हैं, 259 एकलव्य आदर्श विद्यालय बनाएं, 16 कौशल विकास बनाएं। जगदलपुर में 240 बेड का एक अस्पताल बना, 212 करोड़ के नागरिक कार्य किए। सुरक्षा के लिए हमने 10 साल 3 हजार करोड़ रुपये दिए हैं। उन्होंने कहा, हमने माओवादियों के साथ चर्चा नहीं की, बल्कि उनका खात्मा किया है। हमने धमाके करने वालों को समाप्त किया। जिससे स्थिर बस्तर की रचना हो रही है।

व्यक्तिगत डेटा पूरी ...

कमी आएगी और समय की बचत होगी। जनगणना अधिनियम में एक महत्वपूर्ण प्रावधान, धारा पंद्रह, शामिल है। यह प्रावधान बताता है कि व्यक्तिगत जानकारी को पूरी तरह गोपनीय माना जाता है। इसे आरटीआई अधिनियम के तहत साझा नहीं किया जा सकता है। इसे अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इसे किसी अन्य संगठन के साथ साझा भी नहीं किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भूमिका इस पूरे कार्य में केंद्रीय है। उनकी पूरी प्रशासनिक प्रणाली जमीनी स्तर पर क्षेत्र कार्य करने में लगी हुई है।

ये पूछे जाएंगे ...

परिवार से जुड़ी कई अहम जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसमें शामिल हैं:-मकान का नंबर और संरचना,फर्श, दीवार और छत में इस्तेमाल सामग्री, घर की स्थिति और उपयोग, परिवार में रहने वाले लोगों की संख्या, शादीशुदा जोड़ों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, लिंग और सामाजिक वर्ग, खाने की आदतें और इस्तेमाल होने वाले अनाज, वाहन और अन्य सुविधाओं की उपलब्धता। जनगणना करने वाले गणनाकार (एन्यूमरेटर), जो आमतौर पर सरकारी शिक्षक होते हैं, अपने टैबलेट या मोबाइल एप में घर-घर जाकर सभी जानकारी दर्ज करेंगे।

हरियाणा में वॉटर...

ने बारिश से पहले होने वाली ड्रेन को सफाई, जल निकासी व्यवस्था और सफाई व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वीपिंग मशीनों की निगरानी के लिए अब कैमरे लगेंगेः मुख्यमंत्री ने जीपीएस आधारित कचरा कलेक्शन सिस्टम की भी समीक्षा की और इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रणाली में आरआईएफडी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कचरा संग्रहण की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा रहा है। स्वीपिंग मशीनों की निगरानी को और मजबूत बनाने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा देते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन मशीनों पर चार कैमरे लगाए जाएंगे। एक आगे की ओर, एक ऊपर, एक नीचे और एक पीछे की ओर। उन्होंने कहा कि यदि सफाई के दौरान मशीन का नीचे लगा सेंसर बंद पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसी को भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, अब एजेंसियों को हर महीने अपने बिल के साथ काम से संबंधित वीडियो फुटेज भी जमा करनी होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर उसकी जांच की जा सके। इसके साथ ही इस व्यवस्था में 1250 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से पेनल्टी का प्रावधान किया गया है, जिससे एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी और काम में लापरवाही नहीं होगी।

सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं पर भी बात : मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों की सुविधाओं पर भी जोर देते हुए निर्देश दिए कि उन्हें ड्रेस, जूते और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि वे बेहतर तरीके से अपना कार्य कर सकें। खास बात यह है कि पूरे हरियाणा में कार्यरत सेनेटरी वर्करों के लिए एक जैसी ड्रेस लागू करने को मुख्यमंत्री ने कहा है। बैठक में गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे बड़े शहरों में सफाई व्यवस्था, जल निकासी और पानी की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन शहरी क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, विभाग के निदेशक मुकुल कुमार सहित विभाग के अधिकारीगण मौजूद थे।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश ...

होगा। यह खरीद मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत की जाएगी और इससे किसानों को औने-पौने दाम पर फसल बेचने की मजबूरी से राहत मिलेगी।

हरियाणाः चना और सरसों की एमएसपी पर खरीद : चौहान ने हरियाणा सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए रबी 2026 सीजन के लिए एमएसपी पर 13,082 मीट्रिक टन चना और 3,60,528 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की अनुमति दी है। यह खरीद पीएसएस के तहत की जाएगी और इन स्वीकृतियों का कुल एमएसपी मूल्य 2,312.12 करोड़ रुपये से अधिक होगा जिससे हरियाणा के चना और सरसों उत्पादक किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा।

उत्तर प्रदेशः चना, मसूर और सरसों के लिए बड़ी मंजूरी : उत्तर प्रदेश के पीएसएस प्रस्ताव के तहत रबी 2026 सीजन के लिए 2,24,000 मीट्रिक टन चने की एमएसपी पर खरीद की स्वीकृति दी गई है, जिसके लिए एमएसपी मूल्य 1,316 करोड़ रु. है। मसूर के लिए 6,77,000 मीट्रिक टन की पूर्ण मांग (100 प्रतिशत) को मंजूरी दी गई है, जिस पर 70,000 रु. प्रति मीट्रिक टन की दर से 4,739 करोड़ रु. का एमएसपी मूल्य बनेगा, जबकि सरसों के 5,30,000 मीट्रिक टन की स्वीकृत मात्रा पर 62,000 रु. प्रति मीट्रिक टन की दर से 3,286 करोड़ रु. का एमएसपी मूल्य होगा।

कर्नाटकः कुसुम (सैफ्लावर) की पीएसएस के तहत खरीद : कर्नाटक में रबी 2025-26 सीजन के दौरान कुसुम (सैफ्लावर) फसल के लिए पीएसएस प्रस्ताव को शिवराज सिंह द्वारा मंजूरी दी गई है जिसके तहत 6,923 मीट्रिक टन की स्वीकृत मात्रा में उपज एमएसपी पर खरीद की जाएगी। राज्य द्वारा भेजे प्रस्ताव में 25 प्रतिशत (6,923 मीट्रिक टन) मात्रा स्वीकृत की गई है और 2025-26 के लिए कुसुम का एमएसपी 65,400 रु. प्रति मीट्रिक टन तय है, जिससे कुल एमएसपी मूल्य 45.27 करोड़ रु. बनता है।

तीनों राज्यों में किसानों को बड़ा फायदाः हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक के लिए स्वीकृत पीएसएस प्रस्तावों के माध्यम से चना, मसूर, सरसों और कुसुम जैसी महत्वपूर्ण दलहनी और तिलहनी फसलों की एमएसपी पर वैज्ञानिक और सुव्यवस्थित खरीद सुनिश्चित की जाएगी। इससे न सिर्फ किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिलेगा, बल्कि देश में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, तिलहन-दलहन उत्पादन बढ़ाने तथा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के सरकार के संकल्प को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही राज्यों द्वारा पीओएस आधारित खरीद की व्यवस्था पहले से सुदृढ़ होने के कारण किसानों को पारदर्शी भुगतान सुनिश्चित होगा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन ...

बिहार के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। इसी का प्रतिफल है कि यहां की देवतुल्य जनता ने मुझे लगातार 5 बार सदन में अपना प्रतिनिधि चुनकर सेवा का सौभाग्य प्रदान किया।' नितिन ने कहा, बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में मुझे सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई वरिष्ठ विधायकों से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। मैंने अपने क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण विषयों का समाधान जनता और कार्यकर्ताओं के सुझावों से ही निकाला है। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पार्टी ने जब मुझे बिहार सरकार के मंत्री के रूप में काम करने का अवसर दिया, तब मुझे कई अहम फैसलों, नीतियों और योजनाओं का क्रियान्वयन करने में सफलता मिली। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद व्यक्त करता हूं। नवीन ने कहा, मैंने यह हमेशा कहा है कि जनता ने मुझे समस्याएं भी बताई, और उन समस्याओं के समाधान का रास्ता भी मुझे जनता ने हीं दिखाया। कार्यकर्ताओं ने मुझे भाई के रूप में, परिवार के सदस्य के रूप में और अभिभावक के रूप में अंगुली पकड़कर आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। मैं पटना और बिहार की जनता को आश्वस्त करता हूं कि जो परिवार का भाव उन्होंने मुझे दिया है, उसका मैं सदैव सम्मान करता रहूंगा।

कर्मचारी पेंशन को...

रही है। मौजूदा दौर में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों या कर्मियों को पेंशन का लाभ नहीं मिलता है। दोनों इस योजना का हिस्सा नहीं हैं।

सभी को मिले पेंशन - पीएम मोदी : कारांदलाजे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा है कि सभी को पेंशन मिलनी चाहिए। जिसे ध्यान में रखते हुए श्रम मंत्रालय श्रमिकों को ईपीएफओ, ईएसआई के अंतर्गत शामिल कर पेंशन योजना का हिस्सा बनाए जाने पर विचार कर रहा है। साथ ही आने वाले समय में ऑनलाइन उद्योगों में काम करने वाले लोगों को भी पेंशन योजना का लाभ दिए जाने पर चर्चा जारी है। उन्होंने कहा, पेंशन योजना में अलग-अलग तरीके से सुधार हो रहे हैं। सरकार बैंकिंग सिस्टम की तरह पेंशन योजना को भी बनाने पर विचार कर रही है। कोई भी पेंशनर हो, सिर्फ ईपीएफओ ही नहीं, किसी भी बैंक या उसकी शाखा से पेंशन ले सकते हैं। मंत्रालय इसका डिजिटलीकरण करने की कोशिश कर रहा है। फ्री डोर स्टेप पेंशन देने की शुरुआत की गई है। हम हर महीने करीब 81.48 लाख लोगों को 18 हजार 958 करोड़ रुपये पेंशन दे रहे हैं। आगे यह संख्या और बढ़ेगी, केंद्र सरकार भी अपना योगदान बढ़ा रही है।

धर्म संकट की स्थिति? : कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, कई बार मामले पर मिलने आने वाले प्रतिनिधिमंडल, नेताओं के साथ आने वाले अलग-अलग समूहों की यह मांग होती है कि पेंशन को 10 हजार किया जाए, इससे कम ठीक नहीं है। कभी वो कहते हैं कि आप कितना कर सकते हैं? मैं सदन में बताना चाहूंगी कि संबंधित मद में पर्याप्त धन की उपलब्धता न होने की वजह से अभी यह संभव नहीं है। उक्त स्थिति हमारे लिए धर्म संकट की तरह है। लेकिन इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र का विभागीय विमर्श जारी है।

अफीम की खेती को नहीं मिलेगा कानूनी दर्जा : छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत के प्रश्न के जवाब में निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं सांसद की उनके क्षेत्र में अफीम की खेती के लिए बनी हुई संवेदनशीलता को समझती हूं। जिससे जुड़े हुए मामले में हुई देरी के तथ्य को मैं स्वीकार करती हूं। वहीं, अफीम की खेती पर सतर्कता के साथ निगरानी रखना आवश्यक है। देश के सीमावर्ती से लेकर नक्सलवाद प्रभावित इलाकों और मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी कुछ जगहों पर इसकी खेती होती है। लेकिन अफीम की खेती को कानूनी दर्जा प्रदान करने से जुड़ा हुआ कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं विचाराधीन नहीं है।

बिना योग्यता के ...

संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम और विक्रमादित्य का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीराम को सिंहासन मिलने वाला था पर उन्हें वनवास मिला, वहीं विक्रमादित्य ने अपने बच्चों को राजा नहीं बनाया क्योंकि वे खुद समर्थ थे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर देख रही है और देश 2047 के 'अमृत काल' की ओर तेजी से बढ़ रहा है। विधानसभा हॉल में शुरू हुए दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के करीब 65 में से 29 युवा विधायक शामिल हुए। सम्मेलन की शुरूआत पारंपरिक लोक नृत्य से हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने युवा विधायकों के साथ समूह फोटो खिंचवाया। इस सम्मेलन में कुल पांच सत्र आयोजित किए जाएंगे। सोमवार को पहले दिन तीन सत्रों में 'लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी और युवा विधायकों की भूमिका' जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मंगलवार को समापन अवसर पर 'विकसित भारत 2047: युवा विधायकों के दायित्व और चुनौतियां' विषय पर मंथन किया जाएगा। समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और अन्य विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

जनता की आवाज विधानसभा तक मजबूती से पहुंचे- सिंघारः नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने छात्र संघ चुनावों की बहाली की जरूरत बताते हुए कहा कि नेतृत्व की शुरूआत कॉलेज स्तर से होती है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब जनता की आवाज विधानसभा तक मजबूती से पहुंचे। जनप्रतिनिधियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्र की जरूरतों और सीमित संसाधनों के बीच संतुलन बनाना है। उन्होंने राजनीति में भेदभाव से बचने और विकास को प्राथमिकता देने की बात कही।

चिंतन

बिहार की राजनीति से नीतीश की केंद्र में एंट्री

बिहार की राजनीति में एक संभावित बड़े मोड़ की आहट सुनाई दे रही है। सीएम नीतीश कुमार का विधान परिषद से इस्तीफा महज़ एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक लंबे राजनीतिक युग के अंत का संकेत है। जिस नेता ने लालू प्रसाद यादव के कथित जंगलराज के बाद सुशासन और विकास की राजनीति को स्थापित किया, वही अब केंद्र की ओर कदम बढ़ाते दिख रहे हैं। यह बदलाव केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि बिहार की सत्ता संरचना और राजनीतिक संतुलन का भी पुनर्संयोजन है। नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर हमेशा से व्यावहारिकता, संतुलन और समय के साथ खुद को ढालने की क्षमता का प्रतीक रहा है। वे न तो पूर्णतः वैचारिक राजनीति के बंधन में बंधे, न ही केवल अवसरवाद के प्रतीक बने। यही कारण है कि वे कई बार सत्ता के समीकरणों को अपने पक्ष में मोड़ने में सफल रहे, लेकिन इस बार मामला अलग है। राज्यसभा के लिए उनका चुना जाना और उसके बाद विधान परिषद से इस्तीफा देना इस ओर संकेत करता है कि उनकी भूमिका अब राज्य की सीमाओं से बाहर जाकर राष्ट्रीय राजनीति में अधिक प्रभावशाली हो सकती है। हालांकि यह देखने वाली बात है कि केंद्र में उनकी भूमिका क्या रहेगी। संवैधानिक रूप से भले ही वे छह महीने तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं, परंतु संकेत साफ हैं बिहार में नेतृत्व परिवर्तन की जमीन तैयार हो चुकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बिहार में पहली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना पाएगी? भाजपा के लिए यह अवसर जितना आकर्षक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। अब तक बिहार की राजनीति में वह सहयोगी की भूमिका में रही है, जहां अंतिम निर्णयों में जनता दल (यूनाइटेड) और विशेषकर नीतीश कुमार का प्रभाव निर्णायक रहा। यदि भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाती है, तो उसे केवल सत्ता संभालने की नहीं, बल्कि सामाजिक और जातीय समीकरणों को साधने की कठिन परीक्षा से भी गुजरना होगा। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। कुशवाहा समाज से आने वाले सम्राट चौधरी ओबीसी समीकरणों को साधने में भाजपा के लिए उपयोगी हो सकते हैं। वहीं नित्यानंद राय का नाम भी चर्चा में है, जो यादव समुदाय से आते हैं और केंद्र में अनुभव रखते हैं। इन नामों के बीच संतुलन बनाना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि बिहार की राजनीति में जातीय आधार अब भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यहां एक और महत्वपूर्ण पहलू है नीतीश कुमार की "मौन सहमति"। भले ही वे औपचारिक रूप से पद छोड़ दें, लेकिन उनके राजनीतिक प्रभाव को नजरअंदाज करना किसी भी दल के लिए जोखिम भरा होगा। भाजपा को यह समझना होगा कि बिहार में स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतीश की भूमिका अभी समाप्त नहीं हुई है। उनकी सहमति और समर्थन के बिना कोई भी नया नेतृत्व अस्थिरता का शिकार हो सकता है। दूसरी ओर, विपक्ष भी इस बदलाव को अवसर के रूप में देख रहा है। राजद और अन्य दल इस स्थिति में राजनीतिक असंतोष को भुनाने की कोशिश करेंगे। यदि भाजपा नेतृत्व परिवर्तन में कोई चूक करती है, तो यह विपक्ष के लिए बड़ा मौका बन सकता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि बिहार एक नए राजनीतिक अध्याय के द्वार पर खड़ा है। नीतीश की केंद्र में संभावित एंट्री जहां राष्ट्रीय राजनीति को नया आयाम दे सकती है, वहीं, राज्य में नेतृत्व परिवर्तन कई नए समीकरणों को जन्म देगा। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार की राजनीतिक दिशा और दशा तय करने वाला क्षण है।

मुद्दा
उमेश चतुर्वेदी

माओवाद का खात्मा और पुनर्वास नीति

> 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने तो खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त कर देने का ऐलान कर दिया था। जिस तरह हाल के दिनों में शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि भाजपा सरकार का देश से किया यह वादा पूरा होने जा रहा है। वैसे इसमें राज्य सरकारों द्वारा जारी पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। राज्य सरकारों ने नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी है।

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि पापा राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

2014 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद पर लगाम का वादा किया था। तब झीरम घाटी कांड की याद ताजा थी, जिसमें विद्याचरण शुक्ल समेत छत्तीसगढ़ कांग्रेस का तकरीबन समूचे शीर्ष नेतृत्व को माओवादियों ने घेरकर मार डाला था। वैसे तो नक्सली खुद भी मानते रहे हैं कि उनके लिए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में खास अंतर नहीं रहा। अलबत्ता कांग्रेस की सरकार उस स्तर तक माओवादी हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने से बचती रही हैं, जिस तरह के कदम बीजेपी की अगुआई वाली सरकारें उठाती रही हैं।

बस्तर में छह अप्रैल 2010 को बारूदी सुरंगों के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 76 जवानों को उड़ाने के बाद नक्सलियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी गुस्सा था। मनमोहन सिंह की अगुआई वाली तत्कालीन केंद्र सरकार माओवादियों के खिलाफ सैनिक कार्रवाई का मन बना चुकी थी, लेकिन माओवादी विचारधारा वाली सिविल सोसायटी के दबाव में यह विचार उसने त्याग दिया था, लेकिन बीजेपी ने माओवादियों के लिए कोई रियायत नहीं बरती। 2019 में केंद्रीय गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह तो खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त कर देने का ऐलान कर दिया था। जिस तरह हाल के दिनों में शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि बीजेपी सरकार का देश से किया यह वादा पूरा होने जा रहा है। वैसे इसमें राज्य सरकारों द्वारा जारी पुनर्वास योजनाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस सिलसिले में छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष तौर पर उल्लेख किया जाना चाहिए। माओवादी विचारधारा के प्रभाव आकर घर-परिवार, सुख-चैन छोड़कर जंगलों की खाक छानने और मौजूदा सत्ता से जूझने वाले माओवादी युवाओं को मुख्यधारा में लाने में सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों ने ही भूमिका नहीं निभाई है, बल्कि राज्यों की पुनर्वासय योजनाओं का भी बड़ा योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025-26 की अपनी पुनर्वास नीति में हिंसा छोड़ने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें उसका 'पूना मारगेम' अभियान प्रमुख रहा। इन दोनों शब्दों का अर्थ है 'नया रास्ता'। इसके तहत दंडकारण्य क्षेत्र के सैकड़ों माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में वापस लाने की सफल कोशिश हुई। इस योजना के तहत नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने क के लिए तत्काल डेढ़ लाख रुपये तक की आर्थिक

सहायता दी गई, साथ ही उन्हें तीन साल के लिए मासिक वजीफा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हुआ। इसका मकसद यह रहा कि हथियार छोड़ने के बाद मुख्यधारा में लौटे माओवादी आत्मनिर्भर जिंदगी बीता सकें। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने हथियार सौंपने वाले माओवादियों को अलग से प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था की। इससे राज्य में माओवादियों के समर्पण में तेजी आई। हथियार छोड़ने वाले माओवादियों के बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया गया, इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित आवास भी मुहैया कराए गए। इसके साथ ही उन्हें वापसी के बाद भयमुक्त जीवन गुजारने के लिए परिवार की सुरक्षा की गारंटी भी दी गई। ये योजनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं और जारी भी हैं। कभी माओवादियों के डर से बस्तर में सड़कें तक बनाना संभव नहीं था, बिजली पहुंचाना भी कठिन था, लेकिन केंद्र सरकार की शह पर राज्य सरकार ने बस्तर जैसे हिंसा प्रभावित क्षेत्र में भी सड़क, स्कूल और अस्पतालों का निर्माण कराने में तेजी दिखाई। बस्तर के कुछ इलाके में रेलवे लाइन भी पहुंच गई है। अब इस इलाके में सड़कें भी बेहतर हो गई हैं। इन कदमों से माओवादी प्रभाव में रहने वाले इलाकों में भरोसा बहाली में मदद मिली। सरकारी योजनाओं के साथ ही सरकार के प्रति भी लोगों का रवैया बदला।

इसका असर साफ नजर आया। छत्तीसगढ़ में पिछले 26 महीनों में 2,700 से अधिक माओवादियों ने सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण किया है। सिर्फ मार्च 2026 में जगदलपुर में 108 माओवादियों ने समर्पण किया। इसके पहले 210 ने किया था। अक्टूबर 2025 में भी170 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। इसे राज्य में नक्सलविरोधी सुरक्षा अभियान और पुनर्वास कार्यक्रम की मिलीजुली सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। माओवादी अगर मुख्यधारा में लौटे तो इसकी एक मात्र वजह सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति और केंद्र सरकार के ₹विश्वास, विकास और सुरक्षा₹ के त्रिकोणीय मॉडल की कामयाबी रही। छत्तीसगढ़ सरकार अब इससे भी आगे बढ़ गई है और पुनर्वास से पुनर्जीवन की नीति पर आगे बढ़ रहा है। कभी पशुपति से तिरुपति यानी नेपाल से आंध्र तक का जंगली इलाका लाल गलियारे के रूप में विख्यात था। यहां सुरक्षा बलों के लिए भी घुसना आसान नहीं था। इन इलाकों में देश के तकरीबन एक तिहाई जिले आते थे। इन जिलों में माओवादी वैचारिकी के असर वाले हथियारबंद दस्तों की सत्ता चलती थी। माओवादी स्कूलों, रेलवे लाइनों, पुलिस थानों, डाकघरों को निशाना बनाते थे। चूंकि विकास की धारा इन इलाकों में माओवादी हथियारबंद दस्तों के अवरोध के चलते बह नहीं पा रही थी, इस लिए अविश्वास का माहौल बढ़ता रहा। लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता संभालते ही एक तरफ माओवादियों को उन्हीं की तर्ज में गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पुनर्वास के साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की धारा को भी बहाने की कोशिश तेज की। माओवादी कहते रहे हैं कि सत्ता की राह बंदूक की गोली से निकलती है, बारूद से निकलती है, मोदी सरकार ने कुछ उसी अंदाज में माओवादी सत्ता की राह बंदूक और बारूद से रोका, लेकिन दूसरी तरफ पुनर्वास अभियान भी जारी रखा। वैसे यह भी सच है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं, एक विचारधारा के रूप में वह माओवाद भी जिंदा रह सकता है। लेकिन अब उसके उस तरह प्रतिबद्ध अनुयायी नहीं होंगे, उनकी गोलियों की आवाज और धमक भी नहीं होगी। अगर यह विचारधारा लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतांत्रिक तरीके से आगे बढ़े तो शायद ही किसी को एतराज होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि अगर यह विचारधारा जिंदा भी बचती है तो वह लोकतांत्रिक ढंग से आगे बढ़ेगी, हथियारों के दम पर नहीं।

(लेखक प्रसिद्ध लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

ईंधन संकट
अखिलेश आर्येन्दु

रूस का खामोश खेल और भारत में तेल-गैस की चुनौती

रूस ने 1 अप्रैल से चार महीने के लिए पेट्रोल (गैसोलीन) के निर्यात को स्थगित करने की घोषणा की है। इस घोषणा के पीछे रूस ने अपने घेरलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और वैश्विक बाजार में तेल की बढ़ रही कीमतों को नियंत्रित करने के बाबत उठाया गया कदम बताया है। रूस की इस घोषणा से दुनियाभर में तेल की कीमतों में हलचल देखा जा रहा है। रूस रोज़ाना 1,20,000 से 1,70,000 बैरल तेल निर्यात करता है। इससे उसको रोजाना करोड़ों डालर की आमदनी होती है। ब्राजील, चीन, तुर्की, सिंगापुर और अफ्रीका उसके मुख्य तेल के खरीददार हैं। भारत भी बहुत बड़े पैमाने पर रूस से तेल खरीदता है, लेकिन वह तेल कच्चा होता है। रूस से जो तेल भारत को अभी तक मिलता रहा है वह अन्य देशों से खरीदे गए तेलों से सस्ता और बेहतर है। इसलिए कहा जा रहा है कि जब रूस तेल निर्यात करना बंद कर देगा तो, भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ते दामों पर खरीदने का कार्य किन देशों से करेगा? यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया के दूसरे देशों को तेल देना भले बंद कर देगा, लेकिन भारत को कच्चा तेल देना बंद नहीं करेगा। सवाल यह किया जा रहा है कि रूस तेल के मामले में इस तरह का कदम क्यों उठाने जा रहा है? इसके पीछे उसका कोई बड़ा मकसद हासिल करना है या दुनिया को यह एहसास कराना है कि महाशक्ति रूस है, अमेरिका नहीं, जिसके पास तेल रूपी हथियार की वह ताकत है जो अमेरिका के पास नहीं है। सामरिक जानकारी रखने वालों का कहना है कि तेल निर्यात बंद करने की घोषणा के पीछे रूस का वह खामोश खेल है जो वह चुपचाप खेल रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि रूस दुनिया की तेल के बाजारों में तेल की कीमतों को उस ऊंचाई तक ले जाना चाहेगा जिससे उसे बहुत बड़ी धनराशि कुछ ही दिन में मिल जाएगी। दूसरी बात। रूस की इस नई घोषणा से तेल के लिए निर्भर देश उससे इस घोषणा को वापस लेने का दबाव बना सकते हैं, जिसके जवाब में रूस अपनी नई नीति और योजना का खुलासा उपयुक्त अवसर पर कर सकता है। इस वक्त दुनिया के तेल बाजार में उतार-चढ़ाव की हलचल देखी जा रही है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध होते 20 दिन गुजर चुके हैं। अमेरिका ने एक सप्ताह पहले भारत सहित दुनियाभर के उन देशों से निवेदन किया था कि रूस से तेल खरीदने वाले सभी देश वहां से ज्यादा से ज्यादा तेल खरीदें, जिससे दुनिया में तेल को लेकर कोई संकट न खड़ा हो। लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान द्वारा तेल जहाजों की नाकेबंदी ने अमेरिका की इस अपील को मूर्तरूप नहीं दिया जा सका। यहां तक कि चीन के तेल टंकरों को ईरान (होर्मुज) गुजरने की अनुमति नहीं दे रहा है।

रूस की खामोशी इस तरह की है जैसे बरात बिदा हो जाने के अगले दिन होती है। वह ईरान को मदद इस तरह से कर रहा है जो न तो पूरी तरह परोक्ष है और न तो पूरी तरह अपरोक्ष ही है। रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने खुलकर यूक्रेन का साथ दिया और अपने मित्र देशों से दिलवाया भी, लेकिन रूस की नीति इस मामले में एकदम अलग तरह की है। वह ईरान को नैतिक मदद दे रहा है साथ ही, तेल के मामले में ईरान को होर्मुज में नाकेबंदी कर आमदनी बढ़ाने की सलाह गुपचुप दे रहा है।

भारत में धीरे-धीरे ही सही गैस और तेल संकट का आगाज दिखाई देने लगा है। केंद्र सरकार लगातार गैस और तेल की किल्लत से इनकार जरूर कर रही है, लेकिन दिल्ली से बाहर गैस संकट साफ दिखाई देने लगा है। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते से गैस और तेल के जहाज भारत पहुंच तो रहे हैं, लेकिन उतने नहीं, जितने की जरूरत है। दूसरी बात। देशभर में जमाखोरों के पौ-बारह होते दिखाई दे रहे हैं। यह भ्रष्टाचार, चोरबाजारी और कालाबाजारी की वजह से आया हुआ संकट है, जिसे तेल आयात करके नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन और खुफिया-तंत्र को सक्रिय और जागरूक करके कम किया जा सकता है। गैस और तेल की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर होने की कावयद वर्षों से होती रही है, लेकिन सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, गैस गोबर और कचरे व अन्य चीजों से बनाई तेल व गैस की पूर्ति नहीं हो पाई है। भारत के सामने जैसी चुनौती है उससे कहीं ज्यादा चुनौती भारत के पड़ोसी देशों में देखी जा रही है। फिर भी परेशानी से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है। केंद्र सरकार पूरी तरह मुस्तैदी से इस संकट को दूर करने में अपना उच्चतम प्रयास कर रही है, जिसमें सफलता भी मिल रही है, लेकिन देश के हर व्यक्ति को इस नए संकट से पैदा होने वाली परेशानियों और चुनौतियों को मिलकर हल करना होगा, जो धैर्य के साथ हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपत्ति को परमार्थ में न लगाना ही असफलता

संकलित
दर्शन

संतोष सभी गुणों में सर्वोपरि है। जीवन में संतुष्टि है, तो सद्गुणों को अपनाना सहज है। जहां सद्गुणों का वास है, वहां दुर्गुणों का नाश हो ही जाता है। क्योंकि, असंतुष्टि अशांति व अवगुणों की जननी है। असंतुष्टि का कारण अप्राप्ति है, किसी न किसी इच्छा या अपेक्षा की अपूर्ति है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की प्राप्ति, धारणा व उपार्जन से इंसान की सभी सदिच्छाओं व आवश्यकताओं की सहज पूर्ति हो जाती है। संतुष्ट आत्मा बनने का अर्थ है सदा सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलना। संतोष द्वारा सर्व दिव्य गुणों का आह्वान होता है, जिससे सर्व अवगुणों की आहुति स्वतः हो जाती है। जीवन में अप्राप्ति या असंतुष्टि का कारण अंदर की कमियां या कमजोरियां ही हैं, जो परमात्म ज्ञान और योग साधना की प्राप्तियों से दूर हो जाती हैं। जिन्हें सर्व प्राप्तियां हैं, उसके चिह्न उनके मुख और व्यक्तित्व में प्रसन्नता के रूप में दिखाई देते हैं। आजकल लोगों के चेहरे पर सदा प्रसन्नता की झलक देखने को नहीं मिलती है। इंसान कभी प्रसन्नचित्त है तो और कभी प्रश्नचित्त बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में हम क्यों, क्या, कैसे, कब... जैसे प्रश्नों से प्रश्नचित्त बन जाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो सदा प्रसन्नचित्त होते हैं। उनकी किसी भी बात में प्रश्न नहीं होता है। जो प्राप्तियों से सम्पन्न होता है, उसमें हलचल नहीं होती है। जो खाली होता है, उसमें हलचल होती है। स्वयं से पूछिए कि क्या मैं सदा प्रसन्नचित्त रहता या रहती हूं? यदि प्रसन्नता कम होती है तो उसका कारण प्राप्ति की इच्छा है।

गणेश विनायक जी की कथा

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। माँ ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घण्टी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापिस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैंने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगो तुम क्या माँगती हो? लड़की मन में सोचने लगी कि क्या मांगू? अन्न मांगू या धन मांगू या अपने लिए अच्छा वर माँगू या खेत मांगू या महल मांगू! वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

अंतर्मन

आज की पाती

अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाती है शिक्षा

मनुष्य के जीवन में शिक्षा का महत्व अत्यंत गहरा माना गया है, परंतु केवल पुस्तकीय ज्ञान या डिग्रियों का संग्रह ही किसी को शिक्षित नहीं बनाता। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को अपने ऊपर नियंत्रण रखना सिखाए। यदि कोई व्यक्ति हर परिस्थिति में स्वयं को संयमित रख सकता है तो वही सच्चे अर्थों में शिक्षित कहलाने योग्य है। इसके विपरीत यदि मन में उठने वाली उत्तेजनाओं और आवेगों पर नियंत्रण नहीं है तो ऐसी शिक्षा का कोई वास्तविक मूल्य नहीं रह जाता। जीवन में महान कार्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं का स्वामी बने और अपने विचारों तथा भावनाओं को दिशा देने में सक्षम हो। इतिहास इस सत्य का साक्षी रहा है कि आत्मसंयम के अभाव में असंख्य लोगों का जीवन नष्ट हुआ है। अनेक प्रतिभाशाली व्यक्ति अपनी ही कमजोरियों के कारण सब कुछ खो बैठे। *- शरद ताम्रकार, दुर्ग*

करंट अफेयर

इजराइल की संसद ने बजट किया पारित

इजराइल की संसद ने सोमवार को रातभर चले एक मैराथन सत्र में वार्षिक बजट पारित कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सकेगी। इजराइल को समय पूर्व चुनाव से बचने के लिए एक अप्रैल से पहले बजट पारित करना आवश्यक था। नेतन्याहू के पास अब भी यह अधिकार सुरक्षित है कि यदि वह चाहें तो समय से पहले चुनाव करा सकते हैं। इजराइल के विपक्षी दल ने बजट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अति-रूढ़िवादी समुदायों को मिलने वाली धनराशि में वृद्धि की गई है, जबकि देश ईरान में युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई का सामना कर रहा है और गाजा में दो साल से जारी युद्ध से अभी तक उबर नहीं पाया है। नेता प्रतिपक्ष यायर लैपिड ने इसे 'देश के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी' बताया। आगामी चुनावों में नेतन्याहू को चुनौती देने की उम्मीद रखने वाले पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने लिखा, 'लालच और छल की सरकार ने रात में डकैती की है।' विपक्षी दल अंतिम समय में किए गए उस संशोधन से विशेष रूप से नाराज थे, जिसमें अति-रूढ़िवादी स्कूलों को अतिरिक्त 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रदान किए गए थे।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के होते हैं कई फायदे

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

ट्रेंड

आदिवासियों को अंधेरे में रखा

जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। सालों से आदिवासियों को अंधेरे में रखा गया। वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासियों को बहकाया। -**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

जीएसवी में बने उत्कृष्टता केंद्र

विनिर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिभाओं के विकास के लिए गतिशक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए। विमानन, रेलवे, समुद्री, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसे क्षेत्रों के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण में उच्च स्तर की सटीकता और प्रयास की जरूरत होती है। -**अश्विनी वैष्णव**, रेल मंत्री

देश को बांट रही भाजपा

भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है। लेकिन पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा को कड़ा सबक सिखाएगी। भाजपा ने हमेशा धर्म के नाम पर देश को बांटने का प्रयास किया है। -**ममता बनर्जी**, सीएम, बंगाल

सबको पता है सच

केरल की जनता जमीनी सच्चाई अच्छी तरह जानती। किसी भी बयान से हकीकत नहीं बदलेगी। पूरा केरल जानता है कि असली गठबंधन किसके बीच है। प्रधानमंत्री कुछ भी कहें, सच सबको पता है। भाजपा कभी भी देश का विकास नहीं कर सकती। -**प्रियंका गांधी**, कांग्रेस सांसद

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

लोगों को गुमराह करने और सुर्खियां बटोरने कांग्रेस कागजों पर करती थी समझौते, भाजपा के लिए राज्य में शांति बहाली और विकास होगा पहली शर्त

असम में 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' में बोले पीएम मोदी, कांग्रेस पर किया हमला

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस सरकार को घेरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/ गुवाहाटी

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद' नामक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इसमें पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें चुनाव में जीत के लिए कड़ी मेहनत का गुरुमंत्र दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने बीते एक दशक में असम में तेज विकास होने की बात भी कही। कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्य के विकास के लिए सबसे पहली शर्त शांति है। उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय तक अस्थिरता से जूझा है, लेकिन पिछले दशक में चीजें बदल गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने पूर्वोत्तर में विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों को यह याद दिलाना चाहिए कि कांग्रेस सरकार सिर्फ सुर्खियां बटोरने और लोगों को गुमराह करने के लिए कागजों पर ही समझौते करती थी।

नमो एप के माध्यम से असम के पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की

कार्यकर्ताओं के विचार जाने और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत का मंत्र दिया

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रधानमंत्री

मैं भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा, जीत का भी रिकॉर्ड तोड़िए

पीएम ने यह भी कहा कि सभी लोग असम में भाजपा-एनडीए सरकार की 'हैट्रिक' सुनिश्चित करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। मैं भी आप की तरह एक कार्यकर्ता हूं। मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, मैं उसे निभाता हूं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से राज्य में प्रसारित हो रहे एआई-जनित वीडियो से लोगों को सतर्क करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि असम में मतदान के रिकॉर्ड टूटेंगे।

लोगों ने अस्थिरता का लंबा दौर देखा, आज सुरक्षित भविष्य

पीएम मोदी ने कहा कि हमने वह दौर देखा है जब असम हिंसा की आग में जल रहा था। लंबे समय तक अस्थिरता रही, लेकिन पिछले दशक में स्थितियां बदली हैं। आज भाजपा की डबल इंजन सरकार से राज्य में नया आत्मविश्वास देखने को मिल रहा है। कांग्रेस शासन के दौरान शांति समझौतों को नजरअंदाज किया गया और युवाओं को भटकने के लिए छोड़ दिया गया। उग्रवादी और छात्र संगठनों के साथ कोई भी समझौता सफल नहीं हुआ। आज सभी सुरक्षित हैं।

आज गुजरात में करेंगे 19,800 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण-शिलान्यास

पीएम मोदी 31 मार्च को गुजरात दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे वाव-थराद से केंद्र और राज्य सरकार के कुल 19,806.9 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।इन परियोजनाओं में भारत सरकार के ऊर्जा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और रेलवे मंत्रालयों के 10,921 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। गुजरात सरकार के शहरी विकास, जल संसाधन, जलापूर्ति, सड़क एवं भवन, जीआईडीसी, स्वास्थ्य, पर्यटन और आदिजाति विकास विभागों के 8,886 करोड़ रुपए के कार्य भी शामिल हैं।

सुवेंदु ने भरा नामांकन,मंत्री प्रधान भी रहे मौजूद

बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। राज्य में विपक्ष के नेता और भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस मौके पर उनके साथ केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहे। वे इस बार पश्चिम बंगाल की दो प्रमुख विधानसभा सीटों भवानीपुर और नंदीग्राम से चुनाव लड़ रहे हैं। यह ममता का गढ़ है।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भरा नामांकन

चुनाव खत्म होते ही गैस-कैश देना बंद कर देगी

ममता का तीखा प्रहार

मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने बेलदा में एक बड़ी चुनावी रैली की। उन्होंने भाजपा की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। ममता ने कहा भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। उन्होंने इसे भाजपा की एक सोची-समझी चाल और चुनावी खेल करार दिया। ममता ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया।

पीएमके ने जारी की नामों की अंतिम सूची

चेन्नई। तमिलनाडु चुनाव के लिए पीएमके ने अपने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर दी है। पेरंबूर से कवि एम. तिलगाबामा, धर्मपुरी से सौमिया अंबुमणि, वृद्वाचलम से तमिलरासी अधिमूलम और सलेम पश्चिम से एम कार्ति को उम्मीदवार बनाया गया है।इसी तरह पेन्नागरम से पाडी वी. सेल्वम, पोलुर से सीआर भास्करन, तिरुपुरूर से वकील के बालू, जयंकोंडम से के. वैथि और सलेम पश्चिम से एस. सदासिवम को टिकट दिया गया है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

ममता लोगों को धमकी दे रहीं, हाईजैक किया चुनाव

भाजपा का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी। रिजिजू ने कहा कि ममता खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है।

चुनाव से पहले 5 अधिकारियों को किया इधर से उधर

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल जारी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के 4 वरिष्ठ अधिकारियों समेत 5 पश्चिम बंगाल सिविल सेवा अधिकारियों का तबादला किया गया है। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुब्रत पाल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में वरिष्ठ उप सचिव बनाया गया है। सीईओ कार्यालय में अतिरिक्त सचिव रहे नरेंद्र नाथ दत्ता को श्रम विभाग में और सुप्रिया दास को खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी विभाग में, संयुक्त सचिव मिथु सरकार को अल्पसंख्यक कार्य और मदरसा शिक्षा विभाग में भेजा है।

चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने की कोशिश

चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि ये तबादले चुनाव से पहले की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के तबादले चुनावों में निष्पक्ष माहौल बनाए रखना और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किए जाते हैं। अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से और अगले आदेशों तक नई नियुक्तियों पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्यसभा में उठाया गुरुग्राम में जलभराव से कठिनाइयों का मामला

गुरुग्राम के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम जरूरी: शर्मा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने सोमवार को विशेष उल्लेख के माध्यम से गुरुग्राम शहर में शहरी जलभराव और ड्रेनेज व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम आज देश के प्रमुख आर्थिक और तकनीकी केंद्रों में से एक के रूप में तेजी से उभरा है। यहां बड़ी संख्या में बहुराष्ट्रीय कंपनियां कार्यरत हैं और यह शहर रोजगार सृजन, निवेश और नवाचार का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। ऐसे में शहर की बुनियादी शहरी अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि तीव्र शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के कारण मानसून के दौरान गुरुग्राम में समय-समय पर जलभराव की समस्या सामने आती है, जिससे आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और शहरी जीवन प्रभावित होता है। शर्मा ने सुझाव दिया कि इन चुनौतियों के समाधान के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का विकास, सुदृढ़ स्टॉर्म वाटर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक शहरी नियोजन तथा आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत और सुव्यवस्थित शहरी अवसंरचना न केवल नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगी, बल्कि गुरुग्राम की राष्ट्रीय एवं वैश्विक आर्थिक केंद्र के रूप में भूमिका को और अधिक सशक्त करेगी। उन्होंने संबंधित विभागों और प्राधिकरणों से इस दिशा में दीर्घकालिक एवं प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया।

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा- एलडीएफ पर निशाना साधा

केरलम चुनाव : राहुल बोले- भाजपा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही असली चुनौती

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केरलम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि प्रदेश में एलडीएफ व भाजपा के बीच छुपा हुआ गठजोड़ है और दोनों मिलकर यूडीएफ को कमजोर करना चाहते हैं। भाजपा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही असली चुनौती है, इसलिए वह सत्तारूढ़ एलडीएफ के पक्ष में है।

केरलम के अडूर, पथानामथिट्टा और कोट्टायम की जनसभाओं में राहुल गांधी ने अपनी बात को मजबूती देते हुए कहा कि भाजपा के शासनकाल में विपक्षी नेताओं को हमलों, धमकियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि केरलम के मुख्यमंत्री पर भाजपा का कोई दबाव क्यों नहीं है या एलडीएफ नेताओं से कोई पूछताछ क्यों नहीं हो रही है, जबकि सब जानते हैं कि एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) का नेतृत्व भ्रष्ट है।

सबरीमाला मंदिर बना चुनावी मुद्दा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लेफ्ट फ्रंट के नेताओं द्वारा सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी करने के मुद्दे पर चुप्पी साध ली है। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री विजयन के राज में सबरीमाला मंदिर की लूट पर मोदी चुप क्यों हैं? उन्होंने इसका कारण भाजपा-एलडीएफ के बीच नापाक गठजोड़ को बताया और कहा कि नरेंद्र मोदी को हिंदू धर्म या मंदिरों की कोई परवाह नहीं है। उन्हें जब वोट चाहिए होते हैं तो वे हिंदू धर्म व मंदिर की बात करते हैं। अगर उन्हें एलडीएफ के हितों की रक्षा करनी है, तो वह पवित्र सबरीमाला मंदिर के खिलाफ हुए अपराध के बारे में कुछ नहीं बोलेंगे। राहुल गांधी ने वादा किया कि यूडीएफ की सरकार आने पर मंदिर से चोरी करने वाले अपराधियों को सजा जरूर मिलेगी।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि एलडीएफ अपने कामों और नीतियों से भाजपा की तरह ही कॉर्पोरेट-परस्त बन गया है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार गरीबों, रबर किसानों और मजदूरों की अनदेखी कर रही है। एलडीएफ को न तो श्रमिकों की परवाह है और न ही रबर उद्योग की; वह तो बस बड़े व्यापारियों के साथ अपने रिश्ते बनाए रखने में ही खुश है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को रोजगार तभी मिलेगा जब 'मेक इन इंडिया' और 'मेक इन केरलम' पर जोर दिया जाए।

केरलम में ट्रंप !

अपने संबोधन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹कॉम्प्रोमाइज़्डर₹ होने का आरोप दोहराया। उन्होंने इसका कारण एपस्टीन फाइल्स और अमेरिका में अडानी पर चल रहे मामले को बताया। उन्होंने कहा कि इन्हीं दो कारणों से नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता किया, जिससे भारतीय किसान और छोटे-मध्यम उद्योग बर्बाद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत की एनर्जी सिक्योरिटी अमेरिका के हवाले कर दी गई है और आज भारत को तेल खरीदने के लिए अमेरिका से अनुमति लेनी पड़ती है।

कांग्रेस नेता ने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप सार्वजनिक रूप से भारतीय प्रधानमंत्री का अपमान करते हैं और कहते हैं कि वह मोदी के करियर को खराब कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप सही कह रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि भाजपा का पूरा वित्तीय सिस्टम अडानी से जुड़ा है। एपस्टीन फाइल्स की करीब 3.5 मिलियन फाइलें अब भी सार्वजनिक नहीं हुई हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अमेरिका में अडानी के खिलाफ चल रहे केस का निशाना वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी हैं। जब लोकसभा में उन्होंने इस मुद्दे को उठाया था तो प्रधानमंत्री सदन से उठकर भाग गए थे।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि जिस तरह ट्रंप मोदी को कंट्रोल करते हैं, उसी तरह मोदी केरलम के मुख्यमंत्री को नियंत्रित करते हैं; प्रधानमंत्री की तरह मुख्यमंत्री भी अपने वित्तीय संबंधों और भ्रष्टाचार के कारण विवश हैं।

घोषणाओं के अंबार

कांग्रेस नेता ने जनता से यूडीएफ उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। उन्होंने यूडीएफ की गारंटियां बताते हुए कहा कि यूडीएफ की सरकार आने पर राज्य परिवहन निगम की बसों में सभी महिलाओं को मुफ्त बस सफर की सुविधा मिलेगी। कॉलेज की छात्राओं को हर महीने एक हजार की वित्तीय मदद दी जाएगी। वेलफेयर पेंशन बढ़ाकर तीन हजार की जाएगी। 25 लाख रुपए के बीमा कवर वाली नई हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लागू की जाएगी। युवाओं को अपना व्यापार शुरू करने के लिए पांच लाख तक का बिना ब्याज का ऋण मिलेगा। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समर्पित मंत्रालय का गठन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि रबर किसानों और मजदूरों की रक्षा करना यूडीएफ की प्रतिबद्धता है। सरकार बनने पर उन्हें तकलीफ नहीं होने दी जाएगी।

मनरेगा पर ताला लगाया जी-रामजी लाया मजदूरों को रुलाया: खरगे

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मजदूरों के हित में चलने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) पर पहले मोदी सरकार ने ताला लगाया। योजना का नाम बदलकर जी-रामजी कर दिया। अब मनरेगा चल रहा है न जी-रामजी। मजदूरों को काम नहीं मिल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मनरेगा को कमजोर कर दिया है, जिससे देशभर के करोड़ों मजदूरों के काम के अधिकार पर असर पड़ा है।

खरगे ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पिछले 87 दिनों से करीब 12,000 मजदूर काम न मिलने के कारण आंदोलन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से मनरेगा के तहत काम बंद होने की खबरें हैं।उन्होंने कहा कि सरकार ने मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम उठाए हैं, जबकि इसके विकल्प के रूप में बताई जा रही नई योजना जी - रामजी अब तक लागू नहीं हो पाई है।

खरगे ने महाराष्ट्र पर कहा कि राज्य में मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यों में से 53 प्रतिशत से भी कम कार्य 5 वर्षों में पूरे हो पाए हैं, जबकि करीब 2.5 लाख कार्य ऐसे हैं जो शुरू ही नहीं हो सके। एलपीजी संकट और उद्योगों की बदहाली के चलते शहरों से प्रवासी मजदूर गांव लौट रहे हैं, लेकिन गांवों में उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। खरगे ने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय मनरेगा ने करोड़ों मजदूरों को राहत पहुंचाई थी, लेकिन अब सरकार इस योजना को नजरअंदाज कर रही है। केंद्र से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय राजमार्ग–148 एनए दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे पर नया प्रयोक्ता शुल्क लागू टोल पर नए प्रयोक्ता शुल्क (टोल) दरों पर सार्वजनिक सूचना किरंज (कि.मी. 55–880) एनएच–148, दिनांक 01.04.2026 से लागू

आम जनता को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी, एनएचआई के ई–कार्यालय के माध्यम से प्रयोक्ता शुल्क की नई दरों के अनुमोदन के अनुसार, भारतमाला परियोजना (पैकेज II-III)– एनएच–148 एनए के तहत हाईब्रिड वार्षिकी विधि पर दिल्ली और हरियाणा राज्यों में जौतपुर–पुस्ता रोड से उनई–4 (दिल्ली बदोदरा एक्सप्रेसवे) डिजाइन चौनल 9.000 से 59+063 के साथ केएमपी एक्सप्रेसवे छह लेन के पास जंक्शन तक पहुंच नियंत्रित राजमार्ग के निर्माण पर प्रयोक्ता शुल्क दरें 01.04.2026 से प्रभावी होंगी। कि. मी. 55+880 पर किरंज टोल प्लाजा हेतु संशोधित प्रयोक्ता शुल्क दरें, 01.04.2026 के 00:00 बजे से प्रभावी इस संबंध में:

किरंज टोल प्लाजा की नई प्रयोक्ता शुल्क दर (कि. मी. 55+880)

वाहनों की श्रेणी/50.063 कि.मी. की पूरी लंबाई के लिए लागू शुल्क (कि.मी. 9+000 से 59+063)	एकल यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	एक दिन के अन्दर वापसी यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	50 यात्राओं के लिए वैध मासिक पास के लिए शुल्क (रु.)	जिले के अंदर पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क (रु.)
कार/जीप/वैन/हल्के मोटर वाहन	155	235	5185	80
एलसीवी/एलजीवी/मिनी बस	250	375	8375	125
बस/ट्रक (दो एक्सल वाले)	525	790	17545	265
तीन एक्सल वाले वाणिज्यिक वाहन	575	860	19140	285
भारी निर्माण मशीनरी (HCM) या अर्थ मूविंग उपकरण (EME) या बहु–अक्षीय वाहन (MAV) (4 से 6 धुरी)	825	1240	27510	415
बड़े आकार के वाहन (सात या अधिक एक्सल वाले)	1005	1505	33490	500

टिप्पणी: वर्ष 2026–27 के लिए, किसी ऐसे व्यक्ति हेतु जो एक गैर–व्यावसायिक (नॉन–कमर्शियल) यांत्रिक वाहन का स्वामी है और जो शुल्क प्लाज़ा से बीस किलोमीटर की दूरी के भीतर निवास करता है, मासिक पास का निर्धारित शुल्क ₹ 350.00 (रुपये तीन सौ पचास मात्र) है।

1. किसी भी पूछताछ और/या शिकायत/सुझाव देने के लिए नाम और पता निम्नानुसार है।

टोल एजेंसी	रियायती	आईई	एनएचएआई के पीडी
श्री महादेव सिंह	श्री हेमंत पाठक	श्री दिलीप सिंह	श्री धीरज सिंह
मेसर्स आयुषअजय कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड	मेसर्स दिनेशचंद्र वैष्णोदेवी इंका प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स दिनेशचंद्र गिरिराज इंठा प्राइवेट लिमिटेड, किरांज टोल प्लाजा, हरियाणा	मेसर्स इंटरकॉन्टिनेंटल कंसल्टेंट्स एंड टेक्नोक्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीएमयू–मथुरा, प्लॉट नंबर 08. टोल प्लाजा बिल्डिंग के पास, फरीदाबाद, हरियाणा–121003
मोबाइल नंबर 8750856310	9582583896	8529745524	8130006117

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का भी निर्माण

सांसद सैलजा ने कहा- यह किसानों को समस्याओं को बढ़ाएगा

हरियाणा सरकार के बायोमेट्रिक अनिवार्यता फैसले पर उठाए सवाल

कहा, किसानों पर सरकार द्वारा जटिल डिजिटल प्रक्रियाएं थोपना पूरी तरह अनुचित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा मंडियों में फसल बेचने के लिए 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर बायोमेट्रिक अनिवार्यता और अन्य नई शर्तें लागू करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे किसानों पर थोपा गया तुगलकी फरमान बताते हुए कहा कि यह निर्णय किसानों की समस्याओं को कम करने के बजाय और बढ़ाने वाला है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश का किसान पहले ही मौसम की मार, बढ़ती लागत, खाद-बीज की महंगाई और समय पर भुगतान न मिलने जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में सरकार द्वारा जटिल डिजिटल प्रक्रियाएं थोपना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसान तकनीकी प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और संसाधनों की कमी के कारण मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है।

उन्होंने बताया कि कई किसान अभी तक पंजीकरण नहीं करवा पाए हैं, जिससे वे अपनी मेहनत की फसल बेचने से वंचित रह सकते हैं। मंडियों में पहले से ही लंबी कतारें, टोकन प्रणाली में देरी और भुगतान में विलंब जैसी समस्याएं मौजूद हैं। अब बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर-ट्रॉली नंबर अंकन और फोटो जैसी नई शर्तों के कारण किसानों को कई दिनों तक मंडियों के चक्कर लगाने पड़ेंगे, जिससे उनकी आर्थिक और मानसिक परेशानी और बढ़ेगी।

सैलजा ने आरोप लगाया कि धान खरीद में हुई गड़बड़ियों और घोटालों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यापारियों पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार किसानों को ही परेशान कर रही है। यह स्थिति करे कोई, भरे कोई को दर्शाती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस फैसले को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल को दोबारा खोला जाए ताकि वंचित किसान भी पंजीकरण करवा सकें, और बिना किसी शर्त के सभी किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए।

सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार को गेहूं की खरीद में किसी प्रकार की रोक नहीं लगानी चाहिए, क्योंकि केंद्र सरकार इसके लिए पूरा भुगतान करती है और मार्केट फीस व प्रोक्योरमेंट चार्जेस की भरपाई भी करती है।

विनफास्ट भारत में इलेक्ट्रिक कारों के बाद अब लॉन्च करने जा रही सस्ते स्कूटर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए कई नई कंपनियां एक के बाद एक नई लांचिंग कर रही हैं। इसी कड़ी में विनफास्ट ने भी भारत में अपनी शुरुआत कर दी है। फिलहाल कंपनी दो इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, लेकिन आने वाले समय में विनफास्ट अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाने की तैयारी में है। विनफास्ट अब सिर्फ कारों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि आने वाले समय में भारत में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर्स भी लांच करने की योजना बना रही है। कंपनी अपने ग्लोबल पोर्टफोलियो से कई स्कूटर्स भारत में ला सकती है। शुरुआत में इन स्कूटर को पूरी तरह भारत में बनाने की बजाय असेंबली रूट के जरिए पेश किया जाएगा। बाद में इन्हें भारतीय बाजार के हिसाब से लोकलाइज भी किया जाएगा।

कंपनी भारत में स्कूटर असेंबली रूट के जरिए पेश करेगी

विनफास्ट भारत में फिलहाल दो इलेक्ट्रिक कारें बेच रही

कैसा है स्कूटर का डिजाइन?

डिजाइन के मामले में ये स्कूटर सिंपल और फैमिलियर लुक के साथ आएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पसंद आएं। इसके साथ ही इनमें कंफर्टेबल सीट भी दी जाएगी। जिस तरह विनफास्ट ने अपनी कारों की कीमतों को लेकर रणनीति अपनाई है, उसी तरह स्कूटर सेगमेंट में भी वह कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। पहले से मौजूद भारी कॉम्पीटिशन के बावजूद कंपनी धीरे-धीरे भारतीय इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना सकती है। आने वाले समय में भारत में विनफास्ट के कई नए स्कूटर्स लॉन्च होने की उम्मीद है, जिससे ग्राहकों को एक और नया ऑप्शन मिलेगा

हब-माउंटेड बैटरी

इन स्कूटर्स की खासियत यह होगी कि इनमें हब-माउंटेड बैटरी दी जाएगी और कुछ मॉडल्स में डबल बैटरी ऑप्शन भी मिल सकता है, जिससे रेंज बढ़ जाएगी। खासकर विनफास्ट जैसे स्कूटर में 160 किमी से ज्यादा की रेंज मिलने की उम्मीद है, जो भारतीय ग्राहकों के लिए काफी आकर्षक हो सकता है।

चार दिन का सम्मेलन कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया

डब्ल्यूटीओ वार्ता समाप्त, ई-कॉमर्स पर शुल्क से जुड़ी रोक बढ़ाने पर नहीं बनी सहमति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का चार दिन का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) सोमवार को कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया, लेकिन ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

यह व्यवस्था 1998 से लागू है, जिसके तहत डिजिटल डाउनलोड और स्ट्रीमिंग जैसी इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं पर सीमा शुल्क नहीं लगाया जाता। तब इसे दो साल के लिए लागू किया गया था और बाद में हर दो साल में इसे बढ़ाया जाता रहा। अब इस पर सहमति नहीं बनने से देशों के पास इन सेवाओं पर शुल्क लगाने का रास्ता खुल सकता है।

ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क लगाने की व्यवस्था पर नहीं बनी सहमति

डिजिटल डाउनलोड व स्ट्रीमिंग पर नहीं लगाया जाता सीमा शुल्क

इस शुल्क को हर दो साल के लिए बढ़ाया जाता है

अमेरिका पांच साल आगे बढ़ाने की मांग कर रहा

बैठक में इस मुद्दे पर अमेरिका और ब्राजील के बीच मतभेद सामने आए। कुछ देश इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे या केवल दो साल का विस्तार चाहते थे, जबकि अमेरिका इसे पांच साल तक बढ़ाने की मांग कर रहा था। मौजूदा व्यवस्था 31 मार्च को समाप्त होने वाली है। सम्मेलन 26 मार्च से शुरू हुआ था और 29 मार्च को खत्म होना था, लेकिन इसे बढ़ाकर 30 मार्च तक चलाया गया। डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने डब्ल्यूटीओ सुधार पर जारी वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा में हुई।

कई विषयों पर जिनेवा में चर्चा जारी रहेगी

इनमें ई-कॉमर्स पर डब्ल्यूटीओ की कार्य प्रक्रिया, 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क वसूलने पर लगी वर्तमान रोक को जारी रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) से जुड़ी शिकायतों का समाधान जैसे विषय सम्मिलित थे। अब इन विषयों पर चर्चा संगठन के मुख्यालय जिनेवा में जारी रहेगी।

समय की कमी के कारण कई मुद्दे लंबित

सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले कैमरून के व्यापार मंत्री ल्यूक मैग्लॉयर म्बार्गा अतांगाना ने कहा कि चार दिन की बैठक में व्यापार मंत्रियों ने कई मुद्दों को निपटाने की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण कुछ लंबित मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई।

स्थायी विस्तार के लिए बना दबाव : शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि अमेरिका ने यूरोपीय संघ और जापान के समर्थन से दीर्घकालिक या स्थायी विस्तार के लिए दबाव डाला, जबकि भारत और अन्य विकासशील देशों ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि इससे राजस्व का नुकसान निश्चित हो जाएगा और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में नीतिगत गुंजाइश सीमित हो जाएगी।

हर साल 10 अरब डॉलर का होगा नुकसान

अब कई उत्पाद, जो पहले भौतिक रूप में बिकते थे, जैसे संगीत, फिल्में और किताबें, तेजी से डिजिटल रूप में उपलब्ध हो रही हैं। विकासशील देशों ने इस व्यवस्था का कई बार विरोध किया है क्योंकि उनके अनुसार डिजिटल आयात बढ़ने से उन्हें राजस्व का नुकसान हो रहा है। अनुमान है कि विकासशील देशों को हर साल करीब 10 अरब डॉलर का संभावित कर नुकसान हो सकता है, जबकि भारत को 50 करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हो सकता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भोलू, पुत्र रामदेव गुप्ता निवासी ए-844, जेजे कॉलोनी, चौखंडी तिलक नगर, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 473/2017 भा.द.सं. की धारा 392/177/34 के तहत, थाना हरि नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **भोलू** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **भोलू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 473/2017 भा.द.सं. की धारा 392/177/34 के तहत, थाना हरि नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **भोलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **11.05.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस-II
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-II, पश्चिम
कोर्ट नं.31, तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/4073/WD/2026

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

No: NRDLI0MCNW 12026 दिनांक: 30.03.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अनुभवी और सक्षम निविदाकारों से एक खुली प्रणाली निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1	कार्य का नाम	दिल्ली डिवीजन में हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (HABD) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।
2	कार्यस्थल	दिल्ली
3	कार्य की अवधि	छह (06) महीने
4	विज्ञापित मूल्य	रु. 2,71,29,085.52/- (जीएसटी के प्रावधान सहित)
5	बयाना राशि जमा की जानी है	रु. 5,42,600.00/- केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
6	निविदा प्रपत्र मूल्य	रु. 0/-
7	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 30.03.2026 14:52 बजे से 20.04.2026 15:00 बजे तक
8	ई-निविदा बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 20.04.2026 15:00 बजे
9	ई-निविदा खुलने की तिथि और समय	दिनांक 20.04.2026 को 15:00 बजे के बाद, यदि खुलने की तारीख अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस पर ई-निविदा खोली जाएगी।
10	ई-निविदा खोलने का स्थान	यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-55

नोट : निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में मिल सकती है। 1079/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्लिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे इ-निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	ADEN/DLI के अंतर्गत SSE/W/DLI /लाइन के खंड में शकुरबस्ती स्थित DEMU शेड में सुरक्षा अवसंरचना और संबद्ध कार्यों का उन्नयन।		
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	₹7,88,90,183.57/- (रुपये सात करोड़ अट्ठासी लाख नब्बे हजार एक सौ तिरासी और सत्तावन पैसे मात्र)		
बयाना राशि (रुपये)	₹15,77,800.00/- (रुपये पंद्रह लाख सतहत्तर हजार आठ सौ मात्र)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	₹ 0.00/-
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.04.2026 को 15:00 तक		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।	आवंटन	20426203

•ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। •सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। •निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं: 128-W/280/इ-निविदा सूचना / 58/2025-26/W-3 दिनांक: 30.03.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1081/2026

चांदी में 7,000 रुपये का उछाल और सोना 3,700 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को कीमती धातुओं की कीमतों में लगभग तीन प्रतिशत का उछाल आया। शादी-विवाह के सीजन से पहले जौहरियों की ताजा लिवाली के कारण चांदी 7,000 रुपये चढ़कर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, और सोना बढ़कर 1.51 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 7,000 रुपये, या 3.04 प्रतिशत बढ़कर 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो शुक्रवार को बाजार बंद होने के समय 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,700 रुपये या 2.5 प्रतिशत बढ़कर 1,51,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कीमतों में इस सुधार का श्रेय शादियों के सीजन से पहले की गई हाजिर लिवाली और वैश्विक बाजार के अनुकूल रुझानों को दिया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एनएफआर द्वारा समपार फाटकों पर अत्याधुनिक ओएफसी आधारित संचार प्रणाली स्थापित

मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने संरक्षा और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए समपार (एलसी) फाटकों पर एक अत्याधुनिक ओएफसी-आधारित एकीकृत वॉइस-कम-डेटा संचार प्रणाली लगाने की प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रणाली भारतीय रेलवे के मज़बूत ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का उपयोग करते हुए इसे 50 समपार फाटकों पर स्थापित की जा रही है, जिससे स्टेशन मास्टरों और गेट संचालकों के बीच विश्वसनीय और निर्बाध संचार सुनिश्चित हो। यह प्रणाली सेनचोवा स्टेशन और बड़पथार स्टेशन पर स्थापित कर नॉन-इंटरलॉक और इंटरलॉक फाटकों से कनेक्ट की जा चुकी है। इस प्रणाली की सहायता से, स्टेशन मास्टर सीधे एसएम कक्ष से ही गेट की स्थिति यानी गेट का खुलना और बंद होना, को सटीक समय पर मॉनिटर कर सकते हैं, जिससे नियंत्रण और समन्वय में काफी सुधार होता है। उच्च गुणवत्ता वाली वॉइस कम्युनिकेशन, इंटीग्रेटेड वॉइस लॉगिंग, आईपी-आधारित पब्लिक एड्रेस सिस्टम और सीसीटीवी इंटीग्रेशन से लैस यह सिस्टम एलसी गेटों की ऑडियो और विजुअल मॉनिटरिंग को सक्षम बनाता है।

इक्रा ने घटाई भारत की जीडीपी वृद्धि दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर ऊंची ऊर्जा कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा उपलब्धता को लेकर बनी चिंताओं से वित्त वर्ष 2026-27 में घटकर 6.5 प्रतिशत रह सकती है, जिसके चालू वित्त वर्ष में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। इक्रा के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल रहने के आसार हैं। रेटिंग एजेंसी ने साथ ही कहा कि भारत का चालू खाते का घाटा (कैड) बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी का 1.7 प्रतिशत हो सकता है जबकि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में यह लगभग एक प्रतिशत रह सकता है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान से महंगाई बढ़ने का जोखिम है।

उत्तर रेलवे

इ-निविदा (इ-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	ADEN/NDLS के अंतर्गत SSE/P.Way/NDLS खंड में ट्रैक के किनारे कूड़ा-कचरा बीनना।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 81,99,395.20/- (रुपये इक्यासी लाख निन्यानवे हजार तीन सौ पचानवे और बीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs. 1,64,000.00/- (रुपये एक लाख चौंसठ हजार मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	22.04.2026 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04-210-32

• ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं.: 128-W/280/इ-निविदा सूचना/58/2025-26/W-3 दिनांक : 30.03.2026 1080/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 1,636 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार का चालू वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी सत्र में तेज गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,636 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 488 अंक के नुकसान में रहा। पश्चिम एशिया में संघर्ष जारी रहने और कच्चे तेल के दाम में तेजी से निवेशकों की धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा है। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी ने भी घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के रुख को बढ़ाया है। बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,635.67 अंक यानी 2.22 प्रतिशत टूटकर 71,947.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 1,809.09 अंक तक लुढ़क गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 3,563 नुकसान में, जबकि 876 लाभ में रहे। वहीं 154 के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 488.20 अंक यानी 2.14 प्रतिशत टूटकर 22,331.40 अंक पर बंद हुआ।

वनस्थली विद्यापीठ का 90वां वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ का वार्षिकोत्सव आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि समारोह में मुख्य अतिथि अरविन्द लिमिटेड के उपाध्यक्ष श्री पुनीत लालभाई थे। मुख्य अतिथि महोदय का पारस्परिक स्वागत विद्यापीठ की अध्यक्ष, प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, कुलपति, प्रो० ईना आदित्य शास्त्री, कोषाध्यक्ष, प्रो० सुधा शास्त्री, वनस्थली सेंटर ऑफ आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के निदेशक प्रो. अंशुमान शास्त्री, छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। स्वागत द्वार पर वनस्थली सेवा दल के बैंड द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गयी। छात्राओ ने पारंपरिक स्वागत गान एवं सूत की माला पहनाकर उनका अभिवादन किया। स्वागत के पश्चात मुख्य अतिथि महोदय ने वनस्थली की मूल प्रेरणा शक्ति स्थल 'श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर व संस्थापकों के मूल निवास स्थान गाँधी घर का अवलोकन किया। कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री द्वारा मुख्य अतिथि को इस स्थान की महत्ता से अवगत कराया गया। तदुपरांत मुख्य अतिथि लक्ष्मीवाई मैदान में ध्वजारोहण कर वनस्थली सेवादल द्वारा प्रस्तुत परेड में सम्मिलित हुए। तत्पश्चात मुख्य अतिथि कला मंदिर में छात्राओं एवं देश-विदेश के अग्रणी कलाकारों की चित्रकारी एवं पेटिंग्स का अवलोकन किया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य अभियंता/टीएसपी, उत्तर रेलवे, मुख्यालय कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली-110001 ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	निविदा दस्तावेज की कीमत (रुपये में)	बयाना राशि (रुपये में)	अनुमानित निविदा मूल्य (रुपये में)	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	समापन की अवधि
सीएसपी-केएसएफ_05_2025-26	उत्तरी रेलवे, खालिसपुर-वाराणसी स्थित कंक्रीट स्लीपर प्लांट में दो वर्ष की अवधि के लिए स्टीम कोल बॉयलर का संचालन, धुलाई और रखरखाव, जिसमें स्टीम कोल की व्यवस्था भी शामिल है।	कुछ नहीं	165000/-	8249028.48	22.04.2026 को 15.00 बजे	24 माह

नोटः उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर की संपूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।
संख्या सीएसपी-केएसएफ 05-2025-26 दिनांक: 30.03.2026 1074/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शब्द पहेली - 6181

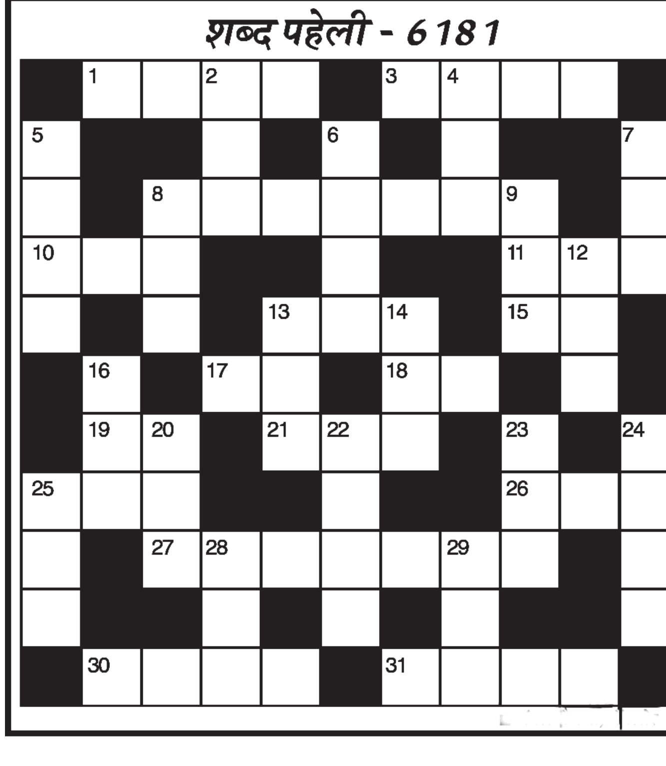

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6180 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

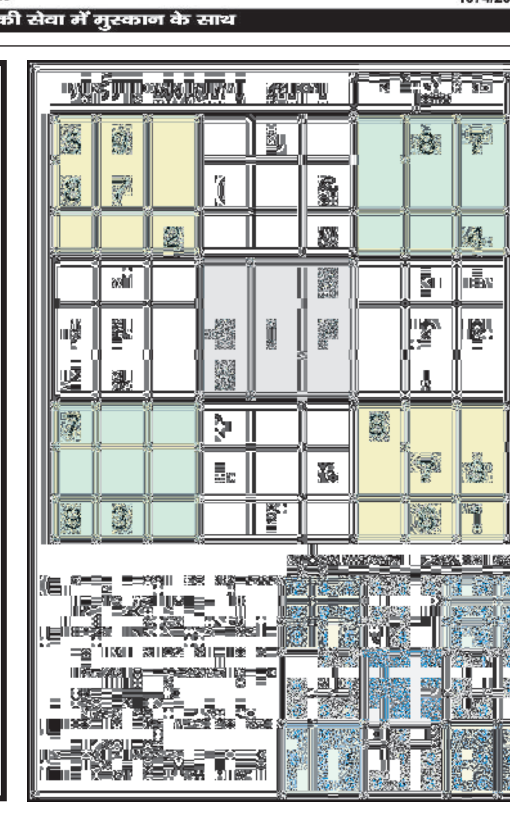

पहला मैच, बड़ी चुनौती, खुद को साबित करने उतरेंगे गिल और अय्यर

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में क्रमशः गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह संजू सैमसन को चुना गया था, जिनका भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान रहा। वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं लेकिन अब फोकस निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी20 कैरियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

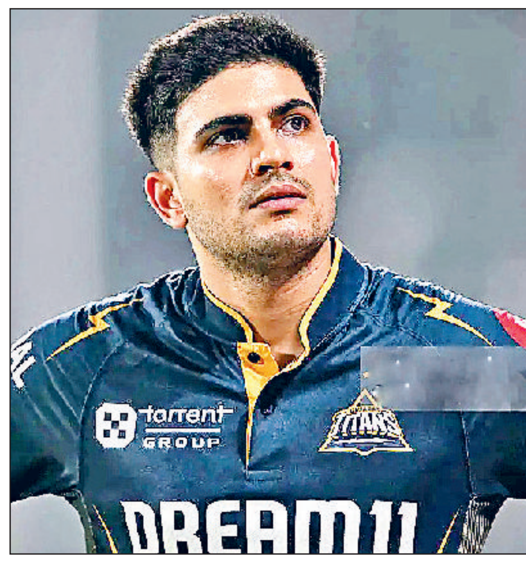

गुजरात टाइटंस की टीम संतुलित

अपने पदार्पण वर्ष 2022 में आईपीएल खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है।गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं, जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

टीमें इस प्रकार

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया , राशिद खान

मैच : शाम 7.30 से

श्रेयस पर करेगा बहुत कुछ निर्भर

पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा, जो तीन अलग-अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब की ताकत उसके भारतीय क्रिकेटरों में है जिनमें सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य शामिल है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हालांकि उनका बल्ला खामोश रहा था। मध्यक्रम में निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे हैं, जिनका सामना राशिद खान की अगुवाई में बेहतरीन स्पिन आक्रमण से होगा।

खबर संक्षेप

महिला एशियाई कप के लिए टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने एएफसी अंडर-20 एशियाई कप थाईलैंड 2026 के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत ने 20 साल बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अप्रैल को थम्मासैट स्टेडियम में जापान के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद 5 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और 8 अप्रैल को चीनी ताइपे के खिलाफ मैच होंगे। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीनों ग्रुप में से तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। इसके अलावा, क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीमें फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम 20 मार्च को बैंकॉक पहुंची और उन्हें स्थानीय माहौल में ढलने के लिए 13 दिन मिले।

क्रिकेटर के तौर पर विकास जरूरी : रहाणे

मुंबई। अपने भविष्य को लेकर कभी खत्म नहीं होने वाली अटकलों को खारिज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि वह अपने विकास के लिए क्रिकेट खेल रहे हैं, किसी को कुछ साबित करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर विकास जरूरी है और मैं वही करने की कोशिश कर रहा हूं। रहाणे ने पिछले सत्र में मुंबई रणजी टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने सफेद गेंद के टूर्नामेंट में भी कप्तानी नहीं की, जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। रहाणे ने कहा,' लोगों को मेरे बारे में बोलने दीजिए। वे 20 साल से बोलता आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं। मैं किसी को यह साबित करने के लिए नहीं खेल रहा हूं कि मैं कितना हुनरमंद हूं।

अफरीदी और रजा ने तोड़ा सुरक्षा प्रोटोकॉल

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग की लाहौर कलंदर्स टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी और विदेशी खिलाड़ी सिकंदर रजा को उनके होटल का टीम सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने का दोषी पाया गया है। लाहौर डीआईजी ने पीएसएल के सीईओ को बताया कि शहर के पांच सितारा होटल में जहां आठ टीमें ठहरी हैं, सुरक्षा प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूर्व चेतावनी और मनाही के बावजूद शाहीन और सिकंदर ने रजा के आठवें माले स्थित कमरे में रात डेढ बजे तक चार मेहमानों की मेजबानी की।

इंडियन प्रीमियर लीग: जडेजा, आर्चर और बर्गर को 2-2 विकेट

सूर्यवंशी के ताबड़तोड़ अर्धशतक से रॉयल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को रौंदा

▶▶ सुपर किंग्स 127 रन बनाकर ऑलआउट

▶▶ राजस्थान आठ विकेट से जीता, नांद्रे मैन आफ द मैच

भाषा ▶▶| गुवाहाटी

नंद्रे बर्गर (26 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद हाल ही में अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी के बूते राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी-20 मैच में सोमवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 47 गेंद शेष रहते आठ विकेट से रौंदकर अपने अभियान का बेहतरीन तरीके से आगाज किया। जैमी ओवरटन की 36 गेंदों में 43 रन की पारी के बावजूद चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच बर्गर, जोफ्रा आर्चर, रविंद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान की ओर से शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। सूर्यवंशी ने 17 गेंदों की पारी में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 52 रन बनाए, जिससे जीत के लिए मिले 128 रन के लक्ष्य को राजस्थान रॉयल्स ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। यह मैच में बची हुई गेंदों के लिहाज से राजस्थान की सबसे बड़ी जीत है।

सूर्यवंशी ने अपना अर्धशतक महज 15 गेंदों में पूरा कर अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद खुद को शानदार तोहफा दिया। उन्हें यशस्वी जायसवाल का अच्छा साथ मिला। दोनों ने महज 38 गेंदों में 75 रन की साझेदारी कर पावरप्ले में ही टीम की जीत लगभग पक्की कर दी थी। अंशुल कंबोज ने चेन्नई के लिए दो विकेट लिए, लेकिन यह राजस्थान की तूफानी बल्लेबाजी को रोकने के लिए काफी नहीं था। लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने मैट हेनरी का स्वागत चौके और छक्के से करने के बाद उनके अगले ओवर में एक और छक्का जड़कर आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए अंशुल कंबोज की लगातार गेंदों पर चौका लगाने के बाद लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा, जिससे टीम ने पांचवें ओवर में 50 रन पूरे किए। सूर्यवंशी ने छठे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए नूर अहमद के खिलाफ लगातार दो छक्कों के साथ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह राजस्थान के लिए दूसरा सबसे तेज और किसी भारतीय बल्लेबाज का इस लीग में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है।

चेन्नई-127/10 (19.4)

खिलाड़ी	रन
संजू सैमसन बो बर्गर	06
रुतुराज बो आर्चर	06
आयुष स्टं. जुरेल बो बर्गर	00
मैथ्यू का जायसवाल बो संदीप	02
सरफराज खान पगबाधा जडेजा	17
कार्तिक शर्मा पगबाधा बृजेश	18
शिवम का बिश्नोई बो जडेजा	06
जैमी ओवरटन रन आउट	43
नूर अहमद का जुरेल बो आर्चर	01
मैट हेनरी का एवं बो बिश्नोई	05
अंशुल कंबोज नाबाद	07

अतिरिक्त: 16
कुल योग: (19.4 ओवर में सभी आउट) 127 रन
विकेट पतन: 1-14, 2-19, 3-19, 4-38, 5-51, 6-57, 7-74, 8-82, 9-94
गेंदबाजी: आर्चर 4-0-19-2, बर्गर 4-0-26-2, बृजेश 3-0-17-1, संदीप 2.4-0-22-1, बिश्नोई 3-0-16-1, जडेजा 3-0-18-2

रॉयल्स-128/2 (12.1)

खिलाड़ी	रन
यशस्वी जायसवाल नाबाद	38
वैभव का सरफराज बो कंबोज	52
ध्रुव जुरेल बो कंबोज	18
रियान पराग नाबाद	14

अतिरिक्त: 06
कुल योग: 12.1 ओवर में दो विकेट पर 128 रन
विकेट पतन: 1-75, 2-99
गेंदबाजी: हेनरी 3-0-40-0, खलील 3-0-17-0, कंबोज 3-0-27-2, नूर 2-0-24-0, ओवरटन 1-0-14-0, शॉर्ट 0.1-0-1-0

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

प्रज्ञानानंदा और कारुआना पहले राउंड के बाद टॉप पर

एजेंसी ▶▶| पाफोस

■ सिंदारोव ने एसिपेंको को हराया, कारुआना ने नकामूरा को दी मात

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत नीदरलैंड के अनीश गिरि को हराकर की और वह अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फेबियानो कारुआना तथा उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। पहले दौर में विश्व कप चैंपियन सिंदारोव ने रूस के आंद्रेइ एसिपेंको को हराया जबकि कारुआना ने अमेरिका के ही हिकारु नकामूरा को मात दी। आठ खिलाड़ियों के दोहरे राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में जर्मनी के मथियास ब्लूबाम और चीन के वेइ यि के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा।

दिव्या ने मुजिचुक से खेला ड्रॉ

महिला वर्ग में भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला, जो कोनेरु हम्पी की जगह खेल रहीं हैं । वहीं आर वैशाली ने कजाखस्तान की बिबिसारा असायुबायेवा से ड्रॉ खेला। रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना ने हमवतन कैटरीना लागनो से ड्रॉ खेला जबकि चीन की झू जिनेर और तान झोंग्यी के बीच मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट ओपन और महिला वर्ग में खेला जाता है, जिससे अगले विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले के चैलेंजर का निर्धारण होगा। इस समय डी गुकेश और चीन की जू वेंजुन विश्व चैंपियन हैं।

यानिक ने लगातार 34 सेट जीतकर बढ़ाया रिकॉर्ड

सिनर का 'सनशाइन डबल' पूरा, लेहेका को हराकर मियामी ओपन पर कब्जा

■ फेडरर के बाद कमाल करने वाले सिनर बने दूसरे पुरुष खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

यानिक सिनर ने जिरि लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर मियामी ओपन पुरुष एकल खिताब जीत लिया और एरिना सबालेंका के बाद उनका भी 'सनशाइन डबल' पूरा हो गया। सबालेंका ने कोको गाफ को हराकर महिला एकल खिताब जीता था। इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक साथ जीतने को 'सनशाइन डबल' कहा जाता है और 2017 में रोजर फेडरर के बाद यह कमाल करने वाले सिनर दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं।

सिनर ने तीन साल पहले भी मियामी ओपन जीता था। पिछले साल प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण निलंबन की वजह से वह इस टूर्नामेंट से बाहर रहे थे।

पहली सर्विस पर जीते 92 प्रतिशत अंक

दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी सिनर ने मुकाबले में अपनी पहली सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक जीते और पूरे मैच के दौरान मिले तीनों ब्रेक पॉइंट बचाए। इस जीत के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 मुकाबलों में बिना सेट गंवाए अपनी जीत की सीरीज को 17 तक पहुंचा दिया।

'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं छठी जोड़ी बनी टेलर-कैटरीना

अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं। साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

प्रीति और दीपक ने की जीत से शुरुआत

उलानबटोर। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पंवार और दीपक ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज की।

महिलाओं के 54 किग्रा वजन वर्ग में प्रीति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की एलिना बाजारोवा (2025 की पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन हैं) के खिलाफ 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। पुरुषों के 70 किग्रा वजन वर्ग में दीपक (बॉक्सैम एलीट अंतरराष्ट्रीय 2026 टूर्नामेंट के रजत पदक विजेता और एशियाई युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 के कांस्य पदक विजेता) ने उज्बेकिस्तान के खावासबेक असदुल्लाएव को 3-2 के विभाजित फैसले में हराया। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में पूरे महाद्वीप के कुछ बेहतरीन मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

शीतल बनीं विश्व पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज

शीतल देवी ने जीता सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज का खिताब

एजेंसी ▶▶| लुसाने

भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है, जिनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल है। जम्मू कश्मीर की 19 वर्ष की शीतल देवी विश्व पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज बनी। उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांग्जू में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था। शीतल भुजाएं नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं। वह विश्व चैम्पियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी है।

शीतल ने की कई उपलब्धियां हासिल

विश्व तीरंदाजी ने कहा,'भारत की शीतल देवी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना गया है, जिन्होंने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्व खिताब समेत कई उपलब्धियां हासिल की।' शीतल ने पेरिस पैरालम्पिक में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। वह एशियाई पैरा खेल 2022 और 2023 एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत रजत जीत चुकी है।

मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा

शीतल ने एक्स पर लिखा,' दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामांकन मिलना और अब विश्व तीरंदाजी की ओर से सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना। इस सफर में जो भी मिला उसके लिए मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा हुआ है। धन्यवाद।'

मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन पर दे रही ध्यान

मेरा अंतिम लक्ष्य 2028 ओलंपिक : कोमोलिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय तीरंदाज कोमोलिका बारी के लिए जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में सफर उतना आसान नहीं रहा लेकिन अब वह 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और पुणे में चल रहे शिविर में तकनीक निखारने के साथ मानसिक मजबूती पर खास ध्यान दे रही हैं।

विश्व कैडेट और विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटी हैं। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ में पहुंचने के बाद कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। वह पुणे में चल रहे शिविर में अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं।

गंभीरता से कर रही हूं तैयारी : कोमोलिका

कोमोलिका ने कहा, 'मैं फिलहाल शीर्ष-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही मैं ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं और अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं।'

मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

कोमोलिका ने 2021 में अपनी राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया। उनकी मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने बेटी को तीरंदाजी अपनाने के लिए प्रेरित किया। कोमालिका ने कहा, 'मेरा अंतिम लक्ष्य 2028 ओलंपिक है। इस समय मेरी ट्रेनिंग काफी अच्छा चल रही है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है।' उन्होंने कहा, 'अभी तक के सफर ने मुझे सिखाया है कि उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है।'

प्रिज्म मिसाइल

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स का बड़ा दावा

अमेरिका ने दागीं थीं अनटेस्टेड 'प्रिज्म' मिसाइलें जो भटककर स्कूलों पर गिरी थीं

इस हमले में ईरान के सैन्य ढांचे, जहाजों, एक पनडुब्बी और कुछ जमीनी ठिकानों को निशाना बनाया गया। कुछ खबरों के अनुसार, इस हमले के दौरान लामर्डमें एक खेल परिसर और स्कूल भी प्रभावित हुए। एक लॉन्चर दो प्रिज्म मिसाइल ले जा सकता है। भविष्य में 1000 किमी तक हमले के लिए विकसित करने की योजना है

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के फुटेज और रिपोर्टों से इस बात की पुष्टि की गई है

यह मिसाइल हाई-मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम लॉन्चर से दागी जाती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी) में बड़े पैमाने पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों और प्रिज्म मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 28 फरवरी 2026 को शुरू हुए हमलों में, अमेरिका ने एक महीने के भीतर 850 से अधिक टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागीं। टॉमहॉक के अलावा अमेरिका ने ईरान के खिलाफ संघर्ष में पहली बार अपनी नई और अत्यधिक सटीक प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल (पीआरएसएम), जिसे 'प्रिज्म' मिसाइल भी कहा जा रहा है, का इस्तेमाल किया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के फुटेज और रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि ऑपरेशन 'एपिक फ्यूरी' के दौरान इस मिसाइल का उपयोग किया गया। यह मिसाइल लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित की गई अगली पीढ़ी की मिसाइल जो हाई-मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम लॉन्चर से दागी जाती है। इसकी रेंज 500 किमी से अधिक है और यह 640 किमी तक के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम बताई गई है। एक लॉन्चर दो प्रिज्म मिसाइल ले जा सकता है। इस हमले में ईरान के सैन्य ढांचे, जहाजों, एक पनडुब्बी और कुछ जमीनी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस हमले के दौरान लामर्डमें एक खेल परिसर और स्कूल भी प्रभावित हुए। भविष्य में 1000 किमी तक हमले के लिए विकसित करने की योजना है।

अमेरिका के पास करीब 4000 टॉमहॉक मिसाइलें

टॉमहॉक अमेरिका की खास क्रूज मिसाइल है। यह 1,000 मील (1609 किमी) तक उड़कर 1,000 पाउंड (453 किलो) विस्फोटक सटीक निशाने पर गिरा सकती है। इसके एडवांस वर्जन की रेंज 2500 किमी है। टॉमहॉक का बड़े पैमाने पर पहला इस्तेमाल 1991 के खाड़ी युद्ध में हुआ। अमेरिका ने इराक पर दूर से सैकड़ों मिसाइलें दागीं थीं। टॉमहॉक को समुद्र में मौजूद युद्धपोतों और पनडुब्बियों से भी दागा जा सकता है, जिससे दुश्मन के इलाके में घुसे बिना हमला संभव हो जाता है। अमेरिका बीते एक महीने से ईरान पर हमले कर रहा है। यह पूरी तरह 'स्टैंड-ऑफ स्ट्राइक' है। यानी हमला इतनी दूर से किया गया कि अमेरिकी सैनिकों को जमीन पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

'प्रिज्म' की मारक क्षमता 500 किलोमीटर

यूएसएस स्प्रूएंस से दागी गई टॉमहॉक

अमेरिकी नौसेना के गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस स्प्रूएंस ने इन मिसाइलों का इस्तेमाल ईरान के सैन्य ठिकानों, परमाणु सुविधाओं और अन्य 3,000 से अधिक लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हमलों के दौरान एक मिसाइल कथित तौर पर ईरान के मिनाब शहर में एक लड़कियों के स्कूल के पास गिरी, जिसमें 175 से अधिक लोग मारे गए। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक चार हफ्तों में 850 से ज्यादा मिसाइलें दागी गईं। अनुमान है कि अमेरिकी नौसेना के पास लगभग 4,000 टॉमहॉक मिसाइलें थीं। इस दृष्टिक से टॉमहॉक मिसाइलों का करीब एक चौथाई हिस्सा खत्म हो चुका है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के भीतर इसको लेकर चिंता बढ़ गई है। अमेरिका टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन बहुत सीमित मात्रा में करता है। मौजूदा क्षमता के मुताबिक एक साल में करीब 600 टॉमहॉक मिसाइलें बनाई जा सकती हैं। एक टॉमहॉक की लागत करीब 36 लाख डॉलर (34 करोड़) है, जिससे तेज इस्तेमाल ने सप्लाई पर दबाव बढ़ाया है। समस्या यह है कि एक टॉमहॉक बनने में लगभग 2 साल लगते हैं।

हाइफा में तेल रिफाइनरी पर हमला, लगी आग

इजराइल के बंदरगाह शहर हाइफा में हुए हमले में एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया है। हमले के चलते रिफाइनरी में आग लग गई और रिफाइनरी से काला धुआं उठता देखा गया। जिस रिफाइनरी को निशाना बनाया गया, वह बाजान तेल रिफाइनरी है और इस जगह पर बीती 19 मार्च को भी हमला हुआ था। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि इजराइली एयर डिफेंस ने दो ड्रोन और पांच रॉकेट को इंटरसेप्ट कर हवा में ही तबाह कर दिया। ये हमले यमन से किए गए। माना जा रहा है कि हूती विद्रोहियों ने ये हमले किए। ईरान से भी रविवार को इजराइली पर मिसाइल हमले किए गए।

इराक में अमेरिका सैन्य अड्डे पर रॉकेट हमला

इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे यूएस विक्ट्री बेस पर सोमवार को रॉकेट हमला होने का दावा किया गया है। यह सैन्य अड्डा राजधानी बगदाद के पश्चिम में 20 किलोमीटर दूर है। हैरानी की बात ये है कि एयर डिफेंस सिस्टम इस रॉकेट को इंटरसेप्ट नहीं कर सका और रॉकेट हमले में सैन्य अड्डे पर तैनात ए32बी ट्रांसपोर्ट विमान में आग लग गई। इराक के इस अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहली बार हमला हुआ है। यह सैन्य अड्डा इराक में अमेरिका का सबसे सुरक्षित बेस माना जाता है। हालांकि हमले के वक्त सैन्य अड्डे पर अमेरिकी सैनिक मौजूद नहीं थे। इसके अलावा, इराक के मोहम्मद अल्ला एयर बेस पर आज हमला हुआ। यह एयरबेस बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक स्थित है। इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

कुवैत में एक भारतीय मजदूर की मौत

कुवैत में एक बिजली और पानी बनाने वाले प्लांट पर हुए हमले में एक भारतीय मजदूर की मौत हो गई। कुवैत के बिजली और पानी मंत्रालय ने बताया कि यह हमला ईरान की ओर से किया गया। मंत्रालय के अनुसार, हमले में प्लांट की एक सर्विस बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा है। यह प्लांट समुद्र के पानी को साफ करके पीने योग्य पानी बनाने और बिजली उत्पादन का काम करता है।

ईरान ने घरों को बनाया निशाना

पश्चिम एशिया में युद्ध के पहले महीने में ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि अब अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों के निजी घर ईरान के लिए वैध लक्ष्य बन गए हैं। इस फैसले का मकसद पश्चिम एशिया में रहने वाले अमेरिकी और इजराइली सैन्य तथा राजनीतिक अधिकारियों को चेतावनी देना है।

गाबार्ड से नाराज ट्रंप बोले- वे ईरान के प्रति नरम

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार की खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के मामले में उनसे थोड़ी नरम हैं। उनकी सोच मुझसे थोड़ी अलग है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई व्यक्ति सेवा करने के योग्य नहीं है। मैं नहीं चाहता कि ईरान के पास परमाणु हथियार हो। क्योंकि अगर उनके पास परमाणु हथियार होगा तो वे उसे तुरंत इस्तेमाल करेंगे।

आईएईए का दावा परमाणु सामग्री नहीं

ईरान का भारी जल संयंत्र क्षतिग्रस्त

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि मध्य ईरान के खोंडाब में स्थित ईरान का भारी जल उत्पादन संयंत्र बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और अब चल नहीं रहा है। आईएईए ने कहा कि सैटेलाइट तस्वीरों के स्वतंत्र विश्लेषण और संयंत्र की जानकारी के आधार पर आईएईए ने खोंडाब स्थित भारी जल उत्पादन संयंत्र की पुष्टि की है, जिस पर ईरान ने 27 मार्च को हमले की सूचना दी थी। संयंत्र को गंभीर क्षति पहुंची है और अब यह परिचालन में नहीं है। संयंत्र में कोई घोषित परमाणु सामग्री नहीं है। यह प्लांट ईरान के अराक शहर के पास स्थित है और इसे अराक न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स भी कहा जाता है। यहां 'हेवी वाटर' बनाया जाता है, जो खास तरह के परमाणु रिएक्टर में इस्तेमाल होता है। वहीं, ईरान ने बताया कि खुजेस्तान स्टील प्रोडक्शन फैक्ट्री, एक औद्योगिक सुविधा जो औद्योगिक माप के लिए सीलबंद रेडियोधर्मी स्रोतों – कोबाल्ट-60 और सीजियम-137 का उपयोग करती है, को भी निशाना बनाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि संयंत्र से बाहर कोई रेडिएशन रिसाव नहीं हुआ है और सुविधा सामान्य रूप से काम कर रही है।

इजराइली हमले में 5 की मौत : दक्षिण लेबनान के एक शहर पर इजराइल के हवाई हमले में 5 लोग मारे गए। इस हमले में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। लेबनान में इजराइल के हमले में एक और स्वास्थ्यकर्मी की मौत हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने बताया कि बिंट जबील में एंबुलेंस पर हमले में एक पैरामेडिक मारा गया और मेडिकल गोदाम भी नष्ट हो गया। 2 मार्च से अब तक 51 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो चुकी है।

इजराइल में टले चुनाव

नेतन्याहू सरकार ने पास किया रिकॉर्ड बजट

इजराइल की संसद ने सालाना बजट पास कर दिया है। बजट पास होने के साथ ही समय से पहले चुनाव का खतरा टल गया है। अब सरकार अपने कार्यकाल को जारी रख सकती है। हालांकि इस फैसले के बाद विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। इसे गलत प्राथमिकताओं वाला बजट बताया है। इजराइल में एक अप्रैल तक बजट पास करना जरूरी था, नहीं तो देश में समय से पहले चुनाव हो सकते थे। संसद ने देर रात चली लंबी बैठक के बाद 62 के मुकाबले 55 वोट से बजट पास कर दिया। यह इजराइल का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। इसके साथ ही पीएम बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के लिए सत्ता में बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। विपक्षी नेता यायर लापिड ने इसे देश के इतिहास की सबसे बड़ी लूट वाला वजट बताया। वहीं, पूर्व पीएम नफ्ताली बेनेट ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह जनता के साथ अन्याय है। खासतौर पर अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के लिए बढ़ाए गए फंड को लेकर विरोध तेज है।

खबर संक्षेप

कोलकाता-शंघाई के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू

कोलकाता। इंडिगो ने सोमवार को कोलकाता-शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करने का ऐलान किया है। फ्लाइट 6ई 1709 कोलकाता से रात 9:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 4:40 बजे शंघाई पहुंचेगी, जबकि वापसी की फ्लाइट 6ई 1710 शंघाई से सुबह 5:40 बजे प्रस्थान करेगी और सुबह 9:05 बजे कोलकाता पहुंचेगी। सेवा एयरबस ए320नियो विमान द्वारा संचालित की जा रही है।

एयर कनाडा के सीईओ ने मांगी माफी

ओटावा। एयर कनाडा के सीईओ माइकल रूसो एक गंभीर भाषाई विवाद के केंद्र में हैं। एक विमान हादसे में मारे गए पायलटों के परिवारों के प्रति अंग्रेजी में शोक संवेदना व्यक्त करने पर उनकी कड़ी आलोचना हुई। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी इस चूक के लिए माफी मांगी है। रूसो पूरी तरह अंग्रेजी में ही बोले। उन्होंने फ्रेंच भाषा के सिर्फ दो शब्दों नमस्ते और धन्यवाद का इस्तेमाल किया।

कुवैत में हुई एक भारतीय की दुखद मृत्यु पर सरकार ने जताई संवेदनाएं

पश्चिम-एशिया संघर्ष में हुई 8 भारतीयों की मौत, 1 लापता हैः जायसवाल

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री से हुई पीएम मोदी की बातचीत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र सहित समूचे खाड़ी के इलाके में चल रहे भयंकर युद्ध के बीच अभी तक कुल 8 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। जबकि एक अन्य लापता है। इन सबके बीच बीते रविवार को कुवैत में देश के एक अन्य व्यक्ति की दुखद मृत्यु को लेकर विदेश मंत्रालय ने मृतक के परिजनों के प्रति अपनी ओर से गहन संवेदनाएं प्रकट की हैं। हालांकि इस घटना के कारणों के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया गया है। यह जानकारी यहां सोमवार को राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल और वरिष्ठ अधिकारी असीम.आर महाजन ने दी है।

55 लाख लोगों की हुई वतन वापसी

महाजन ने कहा कि मृतक भारतीय की पार्थिव देह को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय और कुवैत में हमारा दूतावास प्रयासरत है। साथ ही हम मृतक के परिजनों को भी हर संभव मदद प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस युद्ध की शुरुआत यानी 28 फरवरी से लेकर अब तक क्षेत्र से कुल करीब 55 लाख लोग सुरक्षित स्वदेश वापस लौटे हैं। मंत्रालय की पूरे इलाके में बने हुए हालात और बाकी परिस्थिति पर पैनी नजर बनी हुई है। उन्होंने दोहराते हुए कहा कि क्षेत्र में बड़ी तादाद में मौजूद भारतीय लोगों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिसे बनाए रखने के लिए इलाके में मौजूद हमारे कूटनीतिक मिशन, दूतावास और मंत्रालय का पूर्ण समर्पित कंट्रोल रूम 24 घंटे काम कर रहा है। परामर्शों और गाइडलाइंस के जरिए लोगों के बीच सतर्कता बनाए रखने के साथ ही जरूरी जानकारी पहुंचाई जा रही है।

सीबीएसई ने की मूल्यांकन योजना की घोषणा

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने क्षेत्र में संघर्ष की वजह से रद्द हुई दसवीं, बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम की घोषणा करने के लिए मूल्यांकन की योजना को अधिसूचित कर दिया है। बोर्ड, आईसीएसई, केरल बोर्ड, जेईई- नीट परीक्षाओं से संबंधित चिंताओं का अभिभावकों और छात्रों के साथ लगातार संपर्क बनाकर समाधान किया जा रहा है। साथ ही नाविकों के कल्याण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मंत्रालय क्षेत्र में मौजूद जहाजों पर तैनात नाविकों के लगातार संपर्क में बना हुआ है। जिसमें उन्हें जरूरी सहायता प्रदान की जा रही है। उड़ानों का संचालन क्षेत्र से जारी है। 30 मार्च तक कतर एयरवेज की करीब 10 उड़ानें भारत पहुंचने की संभावना है।

नीदरलैंड के पीएम से हुई मोदी की बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 मार्च को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन से टेलीफोन पर बातचीत की है। जिसके केंद्र में पश्चिम-एशिया का मुद्दा शामिल रहा। एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पीएम ने बताया कि हमारी वार्ता में पश्चिम-एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इसके अलावा क्षेत्र में शांति, स्थिरता की जल्द बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम जेटेन से बातचीत कर मुझे खुशी हुई। जिसमें हमने दोनों देशों के संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने से जुड़े हुए उपायों पर चर्चा की। सेमीकंडक्टर, मेगा वाटर प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन और टैलेंट मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में हमारी संभावनाओं जैसे मुद्दों पर भी चर्चा के दौरान प्रकाश डाला गया।

लश्कर मॉड्यूल का मास्टरमाइंड 5 दिन की पुलिस कस्टडी में, दिल्ली में गिरफ्तार

शब्बीर लोन से बड़े खुलासे की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संदिग्ध हैंडलर शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार किया है। पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को उसे पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है, जिससे जांच एजेंसियों को नेटवर्क की गहराई तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

आतंकी शब्बीर लोन को रविवार की रात गाजीपुर इलाके से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, वह हाल ही में उजागर हुए मेट्रो पोस्टर केस के पीछे सक्रिय मॉड्यूल का हैंडलर था। इस मॉड्यूल ने दिल्ली और कोलकाता में कई जगहों पर देशविरोधी पोस्टर चिपकाए थे, जिससे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई थीं। वह पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैंडलर्स से संपर्क थे।

तीन देशों की विदेशी मुद्रा व नेपाली सिम कार्ड जब्त

वह बांग्लादेश को ऑपरेशन बेस बनाकर भारत में नेटवर्क खड़ा कर रहा था। पुलिस के अनुसार, लोन 'राजा' और 'कश्मीरी' जैसे नामों से भी जाना जाता है और श्रीनगर का रहने वाला है। उसके पास से बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान की विदेशी मुद्रा के साथ एक नेपाली सिम कार्ड भी बरामद हुआ है, जिससे उसके अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन पर शक और गहरा गया है। पहले भी आतंकी मामलों में गिरफ्तारी लोन का आतंकी गतिविधियों से पुराना संबंध रहा है। 2007 में दिल्ली पुलिस ने उसे एके-47 और हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया था। 2015 में भी उसे श्रीनगर में पकड़ा गया था। उसने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में लश्कर कैंप से "दौरा-ए-आम" और "दौरा-ए-खास" जैसी ट्रेनिंग ली थी।

देशभर में नेटवर्क फैलाने की साजिश

लोन ने कोलकाता को अपना ऑपरेशनल बेस बनाया था, जहां से वह अलग-अलग राज्यों में गतिविधियां चला रहा था। मॉड्यूल के सदस्य मंदिरों और भीड़भाड़ वाले इलाकों की रेकी कर रहे थे और उसकी वीडियो पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजी जा रही थी। इससे पहले 22 फरवरी, 2026 को स्पेशल सेल ने इसी मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 7 बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। ये सभी लोन के निर्देश पर काम कर रहे थे। फिलहाल, दिल्ली पुलिस शब्बीर अहमद लोन से पूछताछ कर उसके नेटवर्क, फंडिंग और संभावित टारगेट्स का पता लगाने में जुटी है। इसके साथ-साथ हवाला कनेक्शन और विदेशी फंडिंग के एंगल की भी जांच हो रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109